

40

ਸਤਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ

ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਮਾਨਸਿ ॥ ੧੦੮ ॥

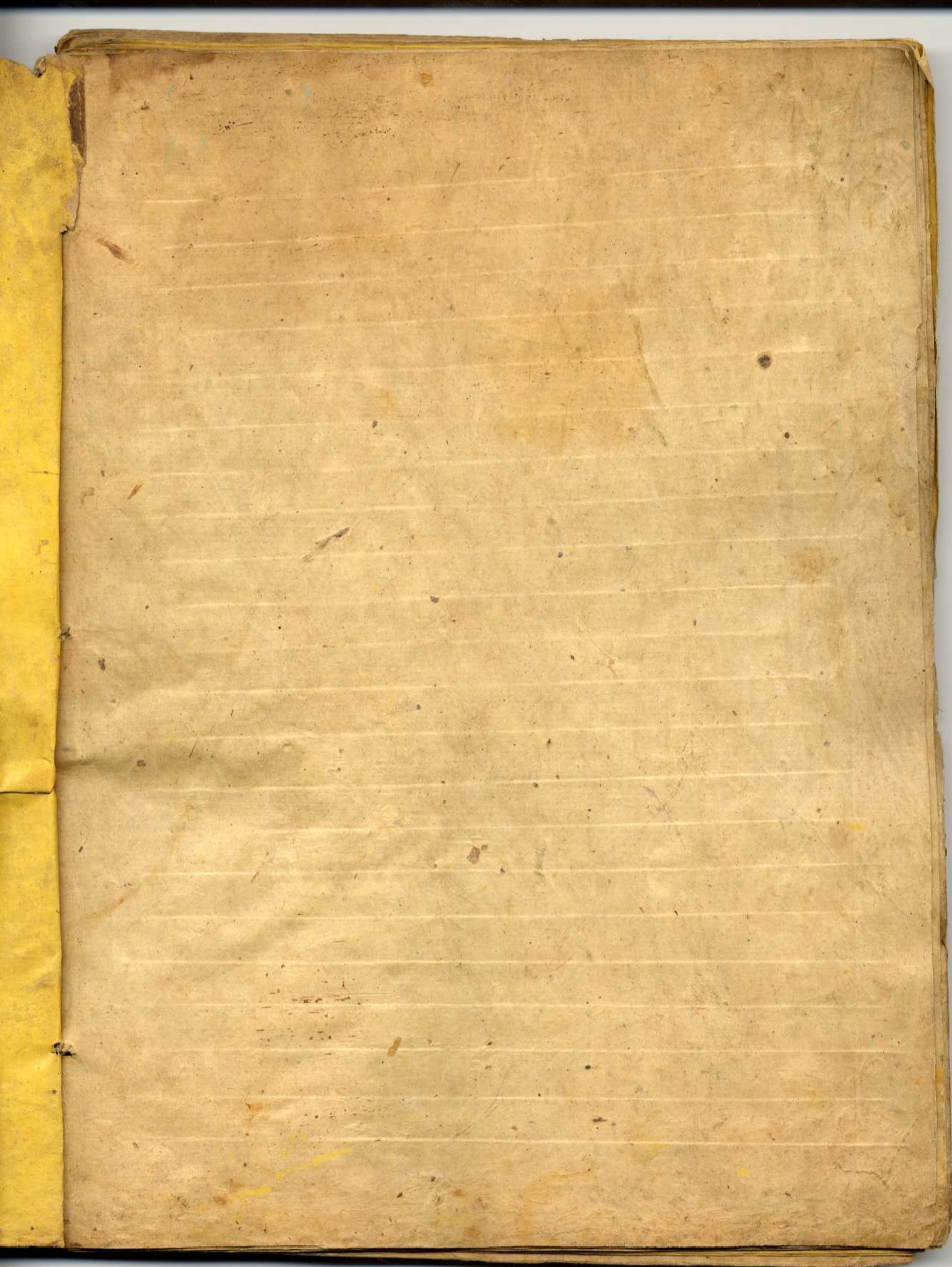
ASHA ARCHIVES

2794 I

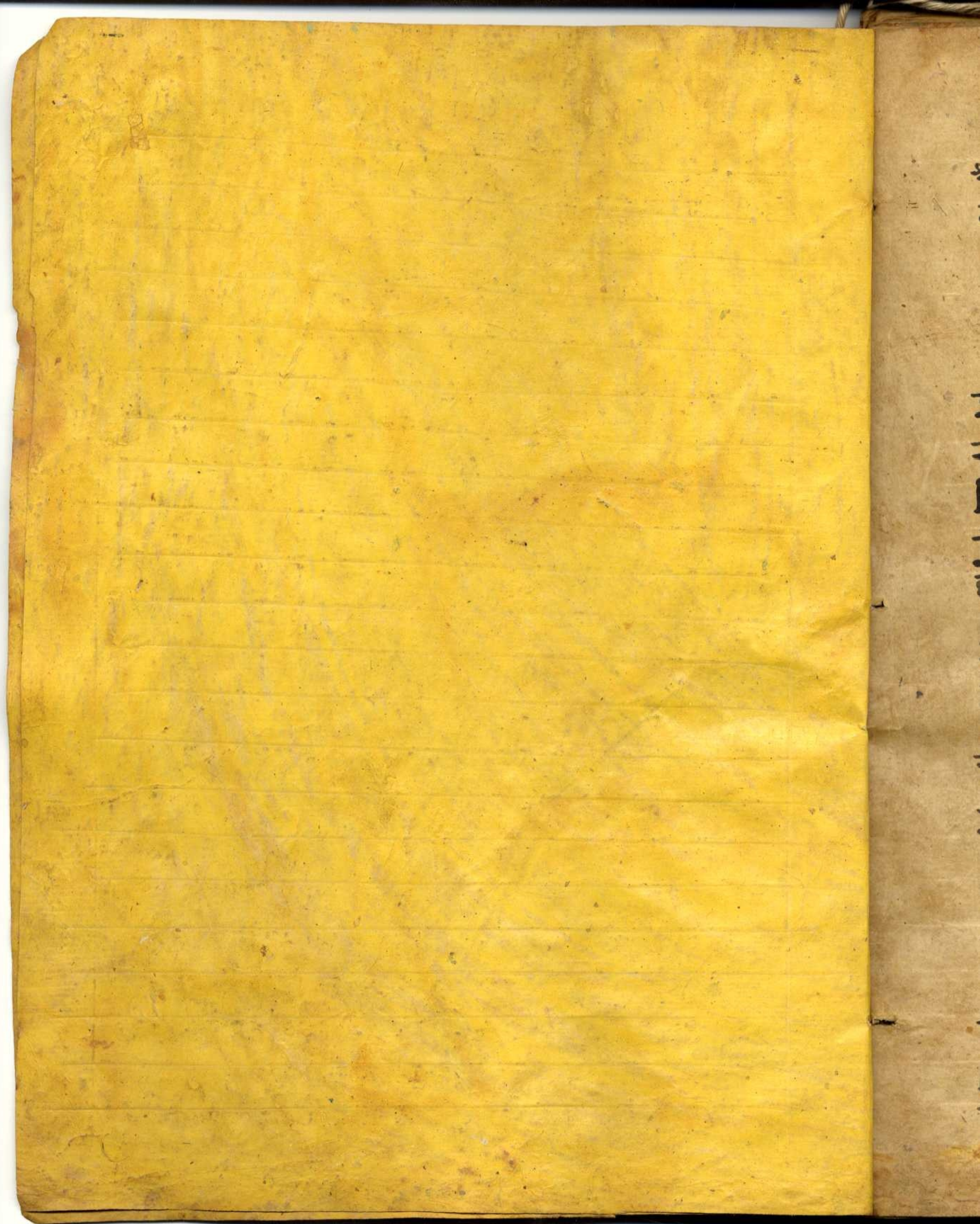














श्रीगंगोशायनमः श्रीशंङ्करायनमः ॐ नमो भगवते श्री  
वासुदेवाय नमः ॥

गीदगोविन्द

मालव गौडरागः

प्रलयपयो धी जले धृत वानसिवेदं विहिन वहिन चरित्र-  
मखेदं ॥ केशवं धृत मीन सरीरं जयजग दिशहरे ॥ १ ॥  
क्षितिर निविपुलनेर तव निष्ठ निपुष्ट धरणि धरणा किरा  
चक्रगारिष्ठे ॥ केशवं धृत कच्छप रूपं जयजगदिस  
हेर ॥ २ ॥ वसति दशत सिरखरे धरणि नवलग्नं ॥ ससि  
निकलंक कलेवलि मग्नं केशवं धृत भुकर रूपं जयजग  
दिशहरे ॥ ३ ॥ तव कर कमल वेनयस झुन शृङ्ग ॥ द  
क्षित हिरण्य कस्यपु तनुभृगं केशवं धृत नरहर रूपं जयज  
ग ॥ ४ ॥ हलयसि विक्रमशो वलि मधुन वामन वदनख निर-  
जन नीत जन पावन केशवं धृत वामन रूपं जय ॥ ५ ॥ क्षत्री  
येरु धिरमय जगद पगत तापं केशवं धृत भृगुपतिरूपं  
जय ॥ ६ ॥ वितरसि दिक्षुर नेदिगपति कमनीये दशमुख  
मोली वलि रमणीये. केशवं धृत रघुपतिरूपं जयजग ॥ ७ ॥  
ब्रह्म सिव पयो विसदे वसनं जलदात्रं. हलहनि श्रीतिमिल  
तजमुनाभं. केशवं धृत हलधर रूपं जय ॥ ८ ॥ निन्दसि जज्ञ  
विदे र ह ह श्रुति जानं सदये हृदय दरसित पशु धानं. केशवं धृ  
त बुध्द शरिरं जय ॥ ९ ॥ सुख निवहनी धने कलयेसि कर वा



तं धुम्प्रकेतु मिव किमपि करालं. केशवं धृत कलं  
 द्विसरीरं जय ९ श्रीजयदेवक वेरिद मुदिन मुहारं  
 भृगा सुखदंभवदभेव सारं. केशवं धृत दशविध रूपं:  
 जयजगदिशहरे १०

### गुंजरिरागे

श्रितकमलाकुच मण्डलहे धृतकुण्डलहे ॥ कलिनल  
 लिनवन मातं जयजय देवहरे ॥ १ ॥ दिन मणि मराडल म  
 राडलहे भव खन्धनये स्मृतिजन मानस हंसं जयजय देव  
 हरे ॥ २ ॥ कालिये विषधर गंजनये जनरंजन ये. जदुक  
 ल नलिनल्लिदेशं जयजय देवहरे ॥ ३ ॥ मधुमर नरक वि  
 नाशनये गरुडासनये. सुरकुल केविनिधानं जयजय दे  
 वहरे ॥ ४ ॥ अमल कमल दल लोचनये भव मोचनये. त्रि  
 भुवन भुवन निधानं जयजय देवहरे ॥ ५ ॥ जनक सुनाकु  
 न भुवनये जितदुषराये. समर समित दशकंठ जयजय दे  
 वहरे ॥ ६ ॥ अभिनव जलधर सुन्दरये धृत मराडल ये. श्री  
 मुख चन्द्रचकोरं जयजय देवहरे ॥ ७ ॥ नवचरणा प्रतिना  
 वनये. मिति नावनये. कुरु कुशवं प्रगानेसु जयजय देव  
 हरे ॥ ८ ॥ श्रीजयदेवक वेरिदिये. कुरुते मुदये. मंगल मु  
 ञ्जल गिनं जयजय देवहरे ॥ ९ ॥



## वसंतरागे

ललित वगल नापरि शीघ्रन कोमल सब यस मोरे ॥ म  
 धुकर निकर कलं वित कोकिल कुंजित कुंज कुनिरे ॥ १ ॥  
 विहरति हरि रिह सरस वसंते ॥ तीत्यति युवति जनेन समस  
 खि विरहि जनस्य दुरे ॥ २ ॥ उमद मदन मनोरथ पथिक  
 वधुजन जनिन विलासे ॥ अबिकुल संकुल कुसुम समूह  
 निराकुलव कुलक लाये ॥ ३ ॥ मृदमद सोरभ रभस वशं वद  
 न बदल मालन मोले ॥ युवेंजन हृदय विदारणा मनसि जन  
 यरुचि किंसुक जोले ॥ ४ ॥ मदन माहिपति कनक डंडरुचि  
 केसर कुसुम विकासे ॥ मिळित शिलीमुख पाट लिपट  
 लकृन स्मर नुरा विलासे ॥ ५ ॥ विगलित लजित जगदवल्लो  
 कन तरुणा करुणा कृत होसे ॥ विरहिणी कृतनु कृत  
 मुरवा कृत केतकि दं नुरिलासे ॥ ६ ॥ माधवका परिमल  
 ललिते नव मालनियानि सुगंधौ ॥ सुनिमनसा मपिमो  
 हनकारिणि तरुणा कारं रावंधौ ॥ ७ ॥ स्फुर दनि मुक्त  
 लनापरि रंभरा मुक्त निन पुलकिं ननुने ॥ वृन्दावन  
 विधिने परिरसर परिगत जमुनाजल पुने ॥ ८ ॥ श्रीजय  
 देव भगिनात मिदमुद यति हरेचरणा स्मृति सारं ॥ सरस  
 वसंज समये वन वर्णन मनुगत मदन विकारं ॥ ९ ॥

## देसांकरागे

स्तनविनु हित मपि हार मुदारं ॥ सामनुने कृत ननुरातिभा



रं । १ । राधिका विरहे नवकेशव ॥ धूर्त ॥ सरसम शृणा  
 मपि मलयज पंक ॥ पस्पति विषमिव वपयित कंशं । २ ।  
 श्वसिति पवन मनुष्य परिशाहं ॥ मदन दनदहन मिव व  
 हनिषदाहं । ३ । दिसिदिसि विकिरति सजलकरा जालं ॥  
 नयन नलिन मिव विगलित नालं । ४ । नयन विषय मपि-  
 किसलय नल्पं ॥ कलयति विहित हुतासन कल्पं । ५ ।  
 त्यजति न पारितोषे न कपोलं ॥ बालशशिमिव सायम  
 लोलं । ६ । हरीरिति हरीनी जपनिसकामं ॥ विरह विहि-  
 त मररो वनि कामं । ७ । श्रीजय देवभ रोनमि निगीनं ॥  
 सुखयेतु केशव पद मुपनीनं । ८ ।

### ना रागे

रतिमुखसारे गनमभिसारे मदनमनोहरवेशं ॥ नक्ररुगी  
 तम्विति गनमविलम्बन मनुसरनं हृदयेशं । १ । धिरसमीरे  
 जमुनानीरे वसति वेने बनमालं ॥ गोपीवीनपयोधरमर्द  
 न चंचल कलीयूग शाली ॥ धूर्त ॥ नामसमेनं कृत संकेनं  
 वादयेत मृदूवेशं ॥ वद्ध मनुजे ननुजे ननुसंग नपवरा चक्षि  
 तमापरेसम् । २ । पतति पतत्रे विचलितपत्रे शंकिन भव दुप-  
 यानं ॥ रचयति शयनं शत्रुकिन नयनं पस्पति नवपंधानं । ३ ।  
 मुखरमाधिरं त्यजमजिर रिपुमौव केलिसुलोलं ॥ चलसखि  
 कुंजं सतिमिर पुजं शीतयमिनिलनिचोलं । ४ । उरसिमुखे  
 रूपहितहोरे घन ईवनर लवलाके ॥ तदिदिवपीने रतिविपरिने-



राजसिसुकिनविपाके । ५ । विगलितवसनं परिहृत रसनं  
 घटयज घनमपिधानं ॥ किशानयसयनं पंकजनयनं नि  
 धिमिवहर्षनि धानं । ६ । हरिरिन्निमानि रजनिरिदानी मियम  
 पियानिविरामं ॥ कुरुममवचनं संत्वररचनं पश्यमधुरिपु  
 कामं । ७ । श्रीजय देवकृतहरि सेवमणि तपरम रमनियं ॥  
 प्रमुदिन हृदय हरिमपि सदयतमन शुक्तिन कमनियं । ८ ॥



## अस्मृतिः

राग अस्मृति ॥ गरापति विनति मेरोमन की. शरणागनेनरी  
दम्की । धूर्त । येक दन चनूर भुजा दयावत पसुपनी. भक्त  
नके वर देनेवाला शरणागत नेरी दम्की १

गौरीशगरापती अरजकरो गुरुगरोशविना एक लम्बादरवि  
धराज ॥ धूर्त ॥ येक रतन गज वदन सुन्दर भूक्ति मुक्ति दयाव  
सतिकर गुरुगरोशविना एक लम्बादर विधराज ॥ १ ॥

गाइयेगरापति जगवन्दन ॥ धूर्त ॥ शंङ्कर सुमेरु भवानीके  
तन्दन ॥ सिद्धि सदन गज वदन विनायक ॥ कृपासिंधु सुं  
न्दरवर दायक ॥ १ ॥ मोदक पृथावुज मङ्गलदाना ॥ वि  
द्यापतिसे बुद्धीवरदाना ॥ २ ॥ सर्व सुनेकर बनीहेसिंहाशन  
नाहापरबाल श्रीकृष्ण जिके आशन ॥ ३ ॥ सूरदाशप्रभु  
मारि दरसको ॥ हरिके चरणापर अधिक सुहावन ॥ ४ ॥

श्रीगुरु गरोशया भजन नियाय जिन ॥ धूर्त ॥ च्वापु उत शरिर  
यारे वाहन निछु गया. असंझ लफन कान विव्रजिन सुमंगले  
॥ १ ॥ टहाक झयाननमन के बलाधि चरगारे ॥ छिपालीनि  
पाकोस विव्र जिन भनि वासरे ॥ २ ॥



विष्णुविनायकं गौरिपुत्रं नमः ॐ मुसकी आशं पद्मपत्रलोचनं  
 नं गजमुख दायकं येक दंतं ॥ चतुरभुज धारिके परसुराममारि  
 के सीरमकुट सोभितं स्वनरूपं १ रिद्धिदे सिद्धिदे स  
 कलकोत्पानदे बुद्धिवर दानदे श्रीविनायकं ॥ सुरनर मुनीजन  
 नुमारिगुरागावनं नृजिवर दायकं सिद्धि नार्थनमः २ निवृ  
 दिनभक्त जन गावन मंगलं दूखको नासकरो विघ्न राजं ॥ लो  
 कसब जपनं प्रथम नोहे नामको दास समर वहादुर नुमारि सरसां  
 नं ३

जयशिव ॐ कारा हरशिव ॐ कारा ब्रह्मविष्णु सदासिव अर्थ  
 द्वे गौरा शिव ॐ हर हर महोदेव ॐ येकानन चतुरासन पंचा  
 नन राज्ये शिव ॥ हंसासन गरुडासन वृषवाहन धाज्ये शिव  
 १ येकभुज दोभुज चार चतुरभुज दसभुज नमसोहे ॥  
 तीनौ रूपनि रखता नृभूवन जगमोहे २ अक्षमाला वन  
 माला रुद्रमाला धारे शिव रुद्रमालाधारे ॥ त्रिपरारि रसुरा  
 री करकमला धारी ३ पीताम्बर सीताम्बर बाधांम्बर अङ्गे  
 शिव ॥ सनकादिक विभुनादिक सङ्गे ४ वर मध्यक मंड  
 लचक्र नृभूव धरता ॥ जुगहरना जुग भरता जुगपालन करता  
 ५ गायत्री शावित्री पारवती अङ्गे ॥ हारदंडने त्रेन सङ्गे  
 शिवगौरा सङ्गे ६ ब्रह्मगीष्णु महोदेव तिनौयेकैना ॥ त्रिअ  
 क्षर नहिं मध्यम येतिन येकैना ७ दसभुज गंगा विराज्ये  
 गले रुद्रमाला ॥ सेव अंगलम्पवये वेदे मृग छाता ८



कौमारी नृपराश गठ मुक्ता हारी ॥ सुर्य प्रकाश औ पानु  
 मरी छव पारी ७ फरा फरा भूषण सहन कर कन्दन लो  
 हे ॥ फन फन क विराज्य नन्दो गरा सोहे १० नृगुरा इस की  
 जो कोहि गोत्र शिव निरुदिन मन्द गोत्र ॥ अनन शिवानन्द स्वामी  
 मन इच्छा फल पावे ११ काशिम विश्व नाथ विराजीत नन्दावल  
 चारी ॥ निरुपठ भोगल जावन सहिमा अति नारी शिव ऊह  
 रहर महोदेव १२

धुमरी

श्रीङ्ग नारद जाय शिव जोगी धुंधुर बोले परमरुमरुम ॥  
 पटानहि वनहि हर वने ॥ फल फले सवर र र १ ना  
 म निरंजन है नु जो साहे ॥ त्रिकटाजल सिर धरं धरं ॥ २  
 पूरगावल हे जग जोगी ॥ प्रगट भयो शिव गम् गम् ३  
 यों सङ्गा १ लीङ्गे विनसित जायम जाये मनाय शिव वी वी ४

शिव शिव जप मन लाइ सजन सब हर हर जप मन लाई धूँ  
 सिस जटा ससी वदन सुहाये ॥ त्रिगायरा सौं भित निभूत  
 लगाय शिव १ वदे वधम्बर उमरु वाज्ये ॥ भौं ध  
 नुरकी फाँ कल गास शिव २ नाचत हर गरा बैल बदे शिव  
 ॥ नन्दि भृङ्गि गणेश कुमार शिव ३ शरणा पशु पाति कह  
 नक वीरा बार पदारथ अम्बर दिजे शिव शिव ४



६  
गौरीशगरापति अरजकरो गुरु गरोशविना येक लम्बोदर विघ्नराज  
धूर्त येकरतन गजवदन सुन्दर भुक्ति मुक्ति दयाल मानिकर गुरुग  
रोश १

विघ्ननाथ नायकं गौरिपुत्रं नम धूर्त मुसको आसनं पद्मपत्रलो  
चनं गजमुख दायकं येकदं नै ॥ चतुरभुज धारिके परसु जप  
सावकं सीर मकुट शोभिने स्वेतरूपं १ रिद्धिदे सिद्धिदे सक  
लकोश्यानेदे बुद्धिदे दानेदे श्रीविनायकं ॥ सुरनर मुनीजन नु  
मारिगुणा गावतं भक्ति वर दायकं सिद्धी नार्थ नम २ निमुदी  
न भक्त जन गावतं संगतं दूरवको नाशकरो विघ्नराज ॥ लोकसब  
जपनं प्रथम नोहे नामको दास समर बहाडर नुमारि शरणां नम ३

✓ श्रीगुरु गरोशया भजननी यायेजिन धूर्त च्वापु उंन शारि  
या बाहन तिष्ठ गया ॥ अमङ्गल फलकाव विवजित मुमङ्ग  
लोरे १ लङ्काकल्या ननमन केवल छिबरारोरे ॥ छिपाति  
यानिपाकोचं विव जित भक्ति वासरे २

बन्देहारि नागयरा चरणा कमल सारं धूर्त संखभक्त गदापद्म  
चतुर बाहु धार ॥ सीरमकुट शोभा अनि यगक्षपति असवारं ॥  
स्यामरूप नुवासि प्रेम भक्त अभय कारं १ पिताम्बरकी नीधर  
न भृगुबान्धन धारं ॥ लक्ष्मीपति जगतपाल जगतके उधार २  
प्रलय कालसँस सयन नाभि कमल धार ॥ दास भक्त बिननिकर  
न नापदुःख हार ३



जेजे नारायण ब्रह्मपरायण श्रीपति कमला कांजम् धूँ ना  
 मन्नन केहरघुवरनो सेसनपावन अंज ॥ नारद सारद शिव  
 सनकादिक ब्रह्माध्यानधारंज १ सच्छे कच्छे वाराहि नरहरि वा  
 मनरूप धरंज ॥ परमुराम श्रीराम चंद्र जग जीवा कोतिकरं नम  
 २ जन्मनिये वसुदेव कि गृहमे नामधरा नन्द नन्दम् ॥ वेधिय  
 नाब कालिनाग नीचे फरीापर करन निरंजम् ३ बल भद्रहोई  
 के असुर संहारे कंशको छेद करंजम् ॥ जगन्नाथ जगपति वि  
 नामगी होवैठे श्रच्छन्दम् ४ कतिगुण अनन अनन होकर क  
 दाङ्गि रूप धरंजम् ॥ दश अवतार हरिगुण गारु जुलसि सररा  
 भवजम् ५

सूरथके बलिहारि जेजे कुशा कन्हैया ॥ धूँ ॥ चतुरानन सनकादि  
 क शंकर अदभुतरूप निहारि ॥ अस्तुति करंगो मेवर रानपर  
 पुरा ब्रह्म विहारि १ ज्वालबाल पैक्षि सब मोहे मोहे वृज की  
 नारी ॥ त्रौध्द बुवनमे वंसिलुनी मोहे मोहे राधा रानि रंगविहा  
 री २ मोहनिये मनमोह निरंजन मोहे कुवलियादासी ॥ सब  
 के सुरथ नागिमुखीपर राधारंग विहारी ३ धन्दे कुंज जमुनारि  
 न्द्रावन नांहा वसेवनारि ॥ धन्दे २ माई जसोमानि युवन वदनारि  
 सारि ४ कंशको सिरपुनना नीर नीरे काने जानारी ॥ सबके सु  
 रथ जागीरयोहे कमजनयनगिर धारि ५

५ भगवती ब्रयाजिसर रा धिपावी अपराध अज्ञानया हे मा यायमावी-



धूर्ध्वं ब्रह्माविष्णुमहोदेव सरस्वतीनारदः शेषनागं चारवे  
 दक्षिणगुणाहाली १ भक्त्याभावनया दूष्टयाप्रा-  
 राकयाः देमायाना विव्रजीत वरदान काली २ चैवसा  
 रखात स्वया छिन्नराग वलकया ॥ द्विविनाम मेव मुदु  
 नृभुवनया रवाली ३ चरणादासया माया मोह जालेनया ॥  
 क्रियायाना विव्रभक्ति वरदान काली ४

जयमां जगन जननी असूर खंदिनी जक्षनंदिनिहे धूर्ध्वं सक  
 लघटचडि काम रूपीणी वातवृद्ध जवानी रूपी ॥ विवि  
 ध विष्णु कलाय रूपीनीत्युपाहे १ जावन मुनीजन ब्रह्म  
 ज्ञानी हरिजीवनको लेनपानि ॥ कृपाकरोहो महेश्वरानी दास  
 जानीहे २ तोहेब्रह्मा ईश्वरानी रमा नंदी त्वंभवानी ॥ मेको  
 हीगति वरवानी वेदवारीहे ३ तोहिजगविस्मर नारनि सुरा  
 असुरा लक्ष संहारनी ॥ लक्षचौरासि विहारनी अधम नारनीहे  
 ४ आदिशक्ती महेश्वरानी दुर्प अक्षर दर्प भंजनि ॥ सिना-  
 जनवड धीर भवजन पाप भंजनहे ५ श्रीराम अन्नना भक्त  
 किज्य सकल प्रेम वियोग विज्ये ॥ मोहि दुर्मानि दूर कीजे  
 नारणीहे ६

जैशिव शंङ्करी मानुभवानी जगन जननी दूरख दरीद दूर करनी  
 शिव गुहेश्वरा धूर्ध्वं पर्वत उपर दीप मंडन गंगा चतुरंगहे  
 ॥ जाहां विराजन स्याम सुंदर तोहे परमेश्वरी १ ज्ञानध्या



न अत्रव राज दिज्यमोहिराखलाज ॥ मनवसकर्मकरोदिगैच  
 शी २ सुरनरमुनीचरगा स्पवक ब्रह्मा विष्णु महोदेव ॥ दर-  
 सनदीज्य हे गोपाल नोहे गुहेश्वरी ३

नुमोहिनाम जपनलोक जगनमानुचंडीके भवानिशिवमहेश्वरानी  
 धूर्त अगमनिगमधावनही पावनही पासमोद ॥ ब्रह्मात्र  
 धिक गावे मौ कंचारौसु धिपावे १ वीच विच प्रगटनरुम  
 हिसाशूर प्रवत वीर देव गगन कंपीनाउ वाश अधिक मोने २  
 बंडियेदेवी जीके अपायोरगा भूमी वीच ॥ लपकी रुपकी हां  
 कहेन महारुद्ररागी ३ कालपाल बांधिके असूर करगवे  
 वीच ॥ वियेनुशूल अधिक राव नदितनोहिमारे यहिवार ४  
 हाहाहा करिपकोरे आरु सकल धार थारे ॥ चरगा सरगा  
 राखि लीज्ये महारुद्ररागी ५ जैजै करि सूरसब व्याये  
 शी श्रवणा बुद्धी ॥ ज्यान दाश संक नारे अधि अधि नजोने ६

चंद्रमुखीरानीमनकामनादेवीनोहे धूर्त बुद्धीवर दायनी सै  
 कल कोनारनी दुखको नालिनी ब्रह्मग्यानी ॥ दुखसंहारनी  
 भक्त कोनारनी अभये नरदायनी जोगमाया १ सिंहके वा  
 हिनी खड्ग खपर धारनी शक्तिकेश विये त्रिशूल धारी ॥  
 भुनीनी दंकिनी प्रेनपी सावनी दंकिनी शंकिनी सगरानी दे  
 वी ॥ २ जोगके मांनोहे जोगके मांनोहे भुजिकी मांनोहे शंभु  
 रानी ॥ श्रीराज राज्येन्द्र शाह कोकरो किपा सरगा मेको मि



जिये अजु रानी देवी ३

नारायण नारद सौं कहियो सन्य नारायण ध्यान धरो धूँ सो  
 धटेमे जो ब्रह्म रहोहे सोहि सन्य नारायण ध्यान धरो ॥ यह पद  
 जोग जुगने सेजोने सो जन वैकुण्ठ वास करो १ मोर सकुट पी  
 ताम्बर पहिरे कानमे कुंडल ज्वहार भरिहे ॥ स्वनरूप अनि-  
 सुन्दर सोभा नख जोगि ससि मानुषी २ शंख चक्र गदा पद्म  
 विराज्य गलमे मोनिके मानुषी ॥ पाउ पैजनी छम छम बीजे  
 विशाल नेत्र दया करो ३ कस्तूरी धृत गो धूमपंचामुन सब पद  
 वानकि नैवेद्य चढो ॥ सो महा प्रसाद जो आग्य सो पावे जुकी मुक्ति  
 की राह वनी ४ दूरपी ब्राह्मण उक्ता मुखिराजा साधु वनी जातु  
 दया करो ॥ राजवंश ध्वज नाम सो तरी गये बरबन बरबन पर-  
 कृपा करो ५

शिव शिव जप मन लाइ सजन सब हर हर जप मन लाइ धूँ सीस  
 जना ससि वदन सुहाये ॥ नृत्यन सौं भित बिभुन लगाय शिव  
 १ वेद वधं स्वरु डमरु वजाय शिव ॥ आङ्ग धनुरके फाकल  
 गाय शिव २ नाचन हरगण बैल चढे शिव ॥ नन्दी भृषी  
 गरोश कुमार शिव ३ सरगा पशुपति कहन क वीर ॥ चा-  
 र पदारथ अम्बर दिजे शिव ४

अम्बे गुहे काली भवानि जिन लोक के महारानी धूँ सब मी



च नैत्र प्रकासी निज भक्त के मन वासी ॥ धनघट त्रिभुवन  
 व्यापी तत्त्वज्ञान वेदवखानी १ माहिमा अगमनिगमादि द्विध  
 भक्ति नाम समाधि ॥ अस्पान प्रंझा दि उजारी दोहि सुध अं  
 तरकाबी २ अजपाहि नाम वखानी हर दम भजे सब प्राणी  
 ॥ मंहापीथ उग्रनि वासी भक्त के अनय वरदानी ३ क्षेत्र  
 क्षेत्र शरणा हिमेरी देवदेव भक्त घेरी ॥ प्रभु दास कुवलय  
 राजकी सुन भक्त जनको विनती ४

---

येजिवन मावि न्येवन मावी साधो मोहन बाके सुदन कैसे वन  
 मानी धूँ राधापति भज कुंजविहारी मुरली मनोहर गिरपर  
 धारी ॥ जगन्नाथ जगदिस जगतेहे धूप प्रह्लाद कियो निजधा  
 मा ५ जनमनि रंजन गर्भकि रंजन असूर संधारन संत उभार  
 न साधो मुकुट कुशा मुरो ॥ दशरथ सुन सीतापति-  
 रामा काळीमर्दन कंसके खण्डन करुणामय देवकि सुत नन्द  
 न बाहुवरसकी बाकेविहारी श्रीधनस्यामा मुरली धनस्यामा



## आरति

नौमनिवाज्यहोदितरानि धूर्त जन्मलिये वसुदेवकीगृह  
 ॥ जसोमनि नाम धरायहो १ गाइके गोवर अंगनवि  
 पाई ॥ गजमोनि चौक पुरानिहो २ सुनके कनसमे  
 दियो रानरको ॥ सखिसव देखन आवेहो ३ सुरदा  
 सप्रभु कृष्णाजनम जेये ॥ सखिसव मङ्गल गायेहो ४

श्रीनारायणकी श्रीनारायणकी जय बोलो आरति धूर्त  
 गोपालविराज्य ॥ गोपीनी संग बले हे जये  
 आरती १ कहयेक वीर सुनोभाइसाधु ॥ हारेकेभ  
 जनगुनगाइ हे जय आरती २

सयेनकरो नारायणदेवा. नम परोहम करिये सेवा धूर्त स  
 येनकरो प्रभु अंतरज्यामी ॥ मनसा वाचा करो होम  
 रारि १ उनम घोदकी अंत न पाये ॥ राधारु कमनी-  
 चेंबर दोलाय २ मान जसोदा सयन कराय ॥ रुकम  
 नीपलंगपर चंबर दोलाय ३ सिरगरुता गज कि मऊना  
 सोहे ॥ निव कैठ पलंगमे रामदेव सोहे ४

माईजननीको अंतन पाये भक्त जनको नन सुरव पाये धूर्त  
 सुगन्ध धुपदिय आरति बनाय ॥ फलमुलनाम्बुल नै वेदन  
 द्राये १ सुरतर सुनिसव ध्यान लगाये ॥ यक्षार्कनारसकआ



रतिगाय २ सुर्जे कोटिजोनि आरति वनाय ॥ जंत्रमं  
त्र नंत्र मंत्र सवनुम पद होये ३

कानियामाई सवक छुदेनी दुदपत्र और धनजन लक्ष्मी  
पियपायल कोहिनर सरंग धूर्त अधम उधारनी पनी  
न नारति ॥ कृपा करन दुख दरीद्र हरनी १

नाथ महादेव भो लारंगे . तेनिस कोटिदेव ठाकर सेङ्गे धूर्त  
फनिमनिहार गले रुद्रमाता ॥ अंगव अनुबदे बाघ छाता  
१ त्रिशुलक डमरु डमरु लिय हान ॥ चन्द्रकला धरज  
टासोहे माथे २ तेनिस कोटिदेव आरति गाये ॥ गंगा  
पार्वति चेंबर दोलाय ३ देवी भवानी मंगल गाय ॥ भो  
लानाथ सेवा विनु नवनिधि पावे ४ अनेय विद्यापति आ  
रति गाये ॥ सव दुख हर ले गौरामाना ५

आरति चायजिन हरी हर सकलया . आव भक्ति मेने नया नाम  
कया चरनया धूर्त प्रथम मंगलया वय कुंठ नारायणया  
॥ लक्ष्मि सरस्वती हनुमन गरुडया १ कैलास शिवजु-  
या बाहन थुसागया ॥ भिम भैरव अंसवया उमा गङ्गनो  
दुर्गाया २ नन्ददेव पृथीविया अग्नी देव वरुणाया आका  
स वायुया स्वंगुगुन निरंजनया ३ चन्द्रसुर्जनौ ग्रहया निधि  
रामजोगया ॥ वारनक्षत्रया भुवन दीग पातया ४ वि



१)  
वितति नगत्या लोक पंच सकलया ॥ अपराध क्षमायात्र-  
प्रसन्नजुयात्र ५

---



95  
A B C D E F G H I J K L



खेलनरासकियादुलहिनिसंग ॥ कहि २ छंद कहि २ वंद ॥  
 कहिकहिरूपदियेसिंधुरके १ लटट पटट पगुधरन धरनिपरत  
 टकी रहे ससिसनानिकर २ सुरस्यामाछवी काहावागिवरना  
 ॥ हरिकेचरणमे होराहिदासि ३

## श्रीलीला

प्रथमेये नामनोगरापनिजिके शंखरगौरीमनाई १ कामके  
 ठाकर कृष्णागोसाइ सोभानरनिन जाई २ इन गोकुलउत्तम  
 थुरानगरी ॥ नरजमुनावहिजाई ३ नाउनिरगोपीआइ ॥ कृ  
 ष्णागरुडवादिआइ ४ उत्तरिपरेजमुनाजिके ननेमे ॥ नवदस  
 निलकचदाइ ५ नंदकीचौकिवनी आइ ॥ भानीभानि वि  
 दवाइ ६ सुनकेशरि जंगानलपानी ॥ पावपरवाविन ववारि  
 ७ पावपरवाली चरगा धोक बिजे ॥ यनिवनि आगहमारि ८  
 सुनकेथावीमेकेरानरिवल ॥ परवरकेनरकारि ९ जवेनव  
 नाइ राधारुकमनी आइ ॥ प्यारेज्य माहि वैथल कृष्णाकहाइ  
 १० कौनकौन गावीदेहो लालनिके ॥ जिनके दसवाफ येकम  
 हनारी ११ कोहेसरियेसब हमाराके गावी ॥ हम निनलोक  
 के ठाकर १२ जोहमहरे हामि निनलोकके ठाकर ॥ काकरो  
 त्रैहुससुरारि १३ देहु सरियेसब हमाराके गावी ॥ हमुवे  
 पुटकापसारो १४ जेवन जुठन अचवत सरीका ॥ कृष्णाव  
 ले ऊहाई १५ जवेयेगोपालबले मधुवनको ॥ गृहा आग  
 सुहाई १६ हासिपुटलोक माना जसोरा ॥ कहनन लालकस-



लानी ७ सासुसैसरहजि अधिक पि उतरि ॥ सासुगं  
 गाजल पानी १० दशमाश कृषा वोइ मेरहल ॥ क  
 वहन कलवढाइ १५ येकहिरात्री कृषा गैलो ससुरा  
 रि ॥ सासुके यतनावढाइ २० राम दोहैया मनिरा  
 वरको ॥ या अवनता ससुरारि २१ हामके नुमक  
 नदेवकी ॥ साठि सखिलाती २२ गालिके अंच  
 दानमनि मोहन ॥ गालि प्रेमपियारी २३ जोकुल  
 सैहरी मथुरा आई ॥ जोपी ज्वावन चाई २४ सुरदा-  
 सवलि चरणा काजिन ॥ येहगालि गावै २५

केसेदेहुलालजिके गालि गालि प्रेमपियारी धूँ ब्रोकसा  
 नाजसोदा रानी ॥ दधिमुटकी जन्मसिरानी १ ब्रोक व  
 हिन सुभद्रारानी ॥ विनु व्यहकरन सिरानी २ ब्रोक  
 फुफ पुतना दोहिरानी ॥ जिन अर्ज करन माती ३  
 ब्रोक तंद पीना व्रत धारि ॥ जिन घर घर करन पियारी  
 ४ ब्रोक सुरदास गाली गावै ॥ यजी जन्मसुफलप  
 द पावै ५

मेरि महाराज अचवन लिज्ये धूँ भर जारि ब्रंझाजलवा  
 ये ॥ यारिका ईन्द्रसुजात १ सुनके थलियामे केरा नरी  
 वल ॥ मधु मेवा पकवान २ कोहिसरवी ठाडे ब्रहि  
 चेंबर दोलायि ॥ कोहि सखि मुखभारि खिलाने पान ३



वैष्णवाओये महेश्वरओये ॥ नारदलारूपान् ४ सुरदास  
याहि अथर जगाय ॥ हरीकेचरगा चिन लावे ध्यान ५

लोला कूलन राध्यास्पामकुवे ॥ चलनपवन सनननसनन  
सननन धेँ राधा कूलन स्पामकुलावे ॥ लेनो नान नन  
नन नननन नननननन १ सवसारि यनमिली स्पामकुलावे  
॥ उरनअवरा अननन अननन अननननन २ वृजकी सखीस  
व वनी वनीओये ॥ धुंधर बोलन अननन अननन अननन  
नन ३ चंद्र सखी हिन बाब कुशाछवी ॥ प्रभुनाहि घरे  
अननन अननन अननननन ४

आजुविंझावन रासराधा क्यौनगई धेँ चालोचलोसखी  
देखनचलिये आजु विंझावनरास ॥ बैजापकर हरीले  
चबोरे आजु सुहाये कि रासराधा १ प्रवेजैसे चन्द्रा होर  
होह नैसे छिनकिरही ॥ राम लखन दुनु नाच देखनहे देन  
सदाशिव दान राधा २ सवसारि कियोहो सिंहार ये  
कसें येकवनी ॥ ३ ॥ ललिनालियोहो मृदंग मोहनवेण  
वजाइ ४ कुबन फुले फुलवारी मोहन प्रेमगजी ५ सुर  
दाश बलिहारी मोहन जोरवनी ६

मधुवन रासरचे वनवारि सङ्ग बिरुवनवारि धेँ जयजनुना  
थजसोदानन्दन ॥ जनलाब चनुहेपद वंदन १ काविईन्दु



जलनिर्मलसोहैं ॥ यूवनीसङ्गलिखेनेहि मोहिसे २ गोपि-  
 साथविमाथ विसर्गेये जैसे जलहिनमीन परी जाइसे ३ मदन  
 विमोद विरही जनगावही ॥ मदमदगतिभाव जनावसे ४ विच  
 विचविरही जुक्ति वनीवे ॥ ऐसेकहीसंगमधुरधुनीगावहीसे ५  
 करकगत किंकिन वजावहि ॥ गनिआनेगनि संगतनचावहि से ६  
 गोपिनी प्रवीर गोपालकगावहि ॥ ऐसेकहिसंगमधुरधुनीगावही  
 खंडिन अत्रि विविध सुखपावही ॥ येकहियेक विद्याप सुनावहि  
 सुखनजो हनपापनसावहि ॥ नोरही हावकपोव विदारहिसे ७  
 (डुहा) देववधुव गोपीसव वनीज पुरुष पुराणा ॥ संनके सु-  
 खकारणा जन्मलीन भगवान् १०

अवखारेखवि बडुक मडुककी धुं जमुनाकिनोर सब थोरभइ  
 साखिआ ॥ अङ्ग भरि मोहि मिलैना तपसी १ हैकछु वानख  
 वरवहि दिनकी ॥ जोभनमरीपरदेस लटकी २ सुरदास प्रभु  
 नुमारि दरसको ॥ हरिकेचरणपर हृदयमैरख की ३

जैगोविन्दजैगोविन्द जयगोपालकहिये धुं गोपालकहलाव  
 बुद्धि अधिक ज्ञान होनुहे ॥ खेवनविन्दावनमे सखिनीसङ्गरहि  
 ये १ ऊकट ऊकट आज ओज भेहलवाज्य ककट मोरे ॥ हुत  
 न प्रीतकरन लागि लागिरहिये २ लकन लकन लात लात गोपी  
 नीसंग ज्वालवाव ॥ उरत नमर मुरभार नागिनी परकहिये ३  
 विन्दावनमे रासरसोहे सखिनी संगरहिये ॥ सुरदास मगन भये रा



समन्तकहिये ४

आयेरसिया मोहन छविरसिया मोहन धुँ विन्दावनहीरगोवा  
चढ़ीये ॥ छविरागसिन श्री सुलगावैसकट लाबकर लिये मो  
हनसोहन १ सुकट फलक लिये कुँडल ॥ अंग अंग सबव  
ने मोहन सोहन २ अवलिहारि जाउवाहि वृजकी ॥ नाहि  
न कवैवनि मोहन सोहन ३ जाके दरस सुरनर सुनी ॥ सुर  
सराहन संग दाब सबलिये मोहन सोहन ४

प्रथम जनम अये होगोपाल . मधुवनखेलन आये १ ब्रंजा  
आये नारद आये . नारद वेरावजाये २ महुक फलक लिये  
होगोपाल . चंडन निबक लगाये ३ श्रीविन्दावनमेगोवा  
चढ़ीये . सुरलिवजाइके आई ४ सबगोपीनी मिली दे  
खन आये . धन्दे धन्दे सुरनि वाली ५ चन्द्रसखीहिन  
वाल कृष्णाछवी . हरिके मङ्गलगाई ६

धरेहो यक बालक महुक धरे धुँ येह बालक श्रीभूवन जग  
मोहै शिवसनकादिक ध्यानधरे १ मोरमकुट मकराकृतकुं  
डल ॥ उर वैजयनिके मालाधर २ श्रीविन्दावनकी कुञ्जग  
लीमे ॥ राधाकृष्ण संगरेहे ३ चन्द्रसखीहिन बालकृष्ण  
छवि हरिके चरणा चित ध्यानधरे ४



आवनकी मन आवनकी बलिहारि लालनेरी धूँ जौने वनि-  
 आकृ हरि आये ॥ भागवधि यहि दावनकी १ श्रीवृन्दाव  
 नकी कुंजक लिलेमे ॥ फल वारि अंगलगावनकी २ च  
 न्द्र सखि हिन वाल कृष्णा धनि हरिके चरगा बिन लावनकी ३

पैजनिजा वाज्ये वाज्ये लाल जिके धूँ पैजनि वाज्ये अधिक  
 सुहाये ॥ मोहबिसर सुर नर मुनिजा १ मानज सोदा चत  
 नसिखाये ॥ अंगुली पकड लिये दोजनीया २ पुनम गलिया-  
 अधिक सुहाये ॥ माथे नोपि पैजनीया ३ श्री वृन्दावनकी  
 कुंज कनिमे ॥ चाद चले थुम थुम कनिया ४ चन्द्र सखी  
 हिन वाल कृष्णा धनि ॥ निनै लोकमे हरि धनीया ५

आदोके निसु आधि आई नव जन्म विनु वनवारी धूँ वसुदेव  
 विनु काह उगई ॥ नव जमुना तीकवे आई १ नव जमुना  
 ठे हरवाई ॥ प्रभु चरगा बिल्ह बट काई २ निन नन्व नवन  
 पड़ेवाई ॥ जसोदा रानी अंक सै जाई ३ बाके सुर दासग  
 नगाई ॥ नव पुर भये आस मुरारी ४

अवना हरिरास सरजू च जो देखि आईरे धूँ थुमक थुमक ध  
 रत न किनि किनि किनि थनन न नन नन नन नानने नो छ  
 वरागे १ वाज्यन मृदंग नुमि नुमि नाधिम नाधिम नाधिम  
 धि ॥ सुंदरगनि राजनेरी तेनामे अर्व उर्व लेन नान अवलाननन



न. अवेदेखिआइरे २ कोकिलाकेअके हरिमुख हरिवसभ  
 ये ॥ कहिकहिकहि मोर विकलानेनारेखे ३ कोहिसिनारको  
 हिनमोर कोहिवजावन गति मृदङ्ग ॥ कोहिकोहिकोहिनाने  
 न हरिनिखरे ४ नानाकानाक नाकथैयाथैयाहो ब्रह्मा ॥  
 वानिसुरसदर हरेहरे निरखे ५ ब्रह्मा विष्णु ईन्द्र सहित नार  
 द मुनि छकृतये ॥ असोकविकवने मुनीजनसबहे ६

हरिनिर्नतहे सबसंखी यानसे धूँ थुमुक थुमुक चालचलन  
 तानाथेइथेइबोले ॥ उवेसोर नानेन पदसमगनसे १ वाजनमृ  
 दंग धाधा कृती निर किनिजा नाधीम ॥ सुरवि बाज्ये सनननन सप्र  
 सूरसे २ त्रिनचिन विनबाज्ये सिनार छननन छननन घुगुरु बोले  
 ॥ सुरदास मगन बोले निरसिनैनसे ३

देखोरि येक वाला जोगि क्षोर हमारे आयाहो धूँ अंगवजुन गवरुद्र  
 माला स्पेसनाग लपनायाहो ॥ जिनकेमाथे निबकचन्द्रमा जोगीजग  
 बदायाहो १ भिच्छावे निसकि नन्दरानी ॥ कंबन थाव नरायाहो  
 शिष्यावे जोगीजाड आसनको मेरेगोपाल दरायाहो २ नाचाहिये नेरे  
 दुतीआडोतथ नाचाहिये नेरे माया ॥ अफने बातखका दरसन रवानि  
 आयेहेनेरेदोरसे ३ जववातख निकले नन्दरानी संभु दरसनपाया ॥  
 पावेवेद पारि करमाकरके सिंगिनाद वजाया ४ तुलसीदास प्रभुध  
 न्देधन्देचरगाकि जसोमति पाया ॥ तिनलोककि अंतर यामी वाव  
 स्वरूपधरायाहो ५



आजु होववीनारूपवनाइ धु गृहगृहसे नीकले वृजवनीना ॥ आजु  
मोहनरससुगतिवजाइ १ श्रीवृन्दावनकी कुँजकविलमे ॥ आजु  
मोहनरसरासवनाइ २ सुरदासप्रभुनुमाँरे दरसकी ॥ हरीकेचर  
राचिन ध्यानलगाये ३

चरणारजवेंदं श्रीवातमुकंदं धु जन्मलिये वसुदेव किगृह छुटी  
जातसबफंदं ॥ अकिहेन जसोमनी गृहआये नामधरेनन्दनदं चरना १  
मानिखान हरिमुखनिरखनहो निनेबोकदे खंदं ॥ दूदपीवारी पुन-  
प्रतिपावै विषकराछिपी अंगं २ गेड्डुराई दिये जमुनाँमे बासंगकु  
दिपरंगं ॥ बंसिवजावे नागिनीरिछाये फरिगपर चाँद नृत्यकरंदं ३  
लाडिफल गोकुल गृह आये गोपिनीसबके रि करंगं ॥ सुरदास  
प्रभुनुमाँरे दरसको करन निखंदं ४

आजु बनिछवीरूपमोहन किप्यारीजी धु कहिकहि छंदन कहि-  
कहि वंदन प्यारीजी ॥ कहिकहिरूपदिये येसंधर के प्यारीजी १  
तटन पटन पगुधर न धरनीपर प्यारीजी ॥ लयकिरही जैसेसिस-  
नागिनीपर प्यारीजी २ ज्पानिये दासमेरे उथियेगावत यन्त्रे ॥ धनि  
धनिभागहुरी आजु लखनके प्यारी ३ चन्द्रसखि हिन वात कृष्ण  
भजो प्यारीजी ॥ हरीकेचरणगे होरहि दासकि प्यारीजी ४

कहिदेखोरे घनस्याम धु घरसेनिकले सुंदर प्यालिनी मै दधिबेच  
नजाई ॥ आगेपिछे बारी कान्हा बंसिवजाइ उनहर लियेमेरे प्राण १



२

इनगोकुलउनमथुरानगरी विचजसनाकिनारी ॥ इनकुंजनेम  
 रासकरनेहे सहश्रगोपिनी येक कान्हा २ मोरमकुट पीताम्बर सोहे  
 गलवैजयनिकिमाता ॥ सुरदास प्रभु नुमारिदरसको हरिकेचरणा  
 चितलाई ३

आजुकालानिमुहुगो प्राणनाथकोटागैलो धूँ जोलाया आसन  
 मुमेरेवानि मुसायन सारी रानि ॥ दुखेगैलो योनिमार दुखेदुखे  
 सुखेगैलो १ जोखन फले मधुछिलो कोठेभर नगैलो ॥ अ  
 फरभरगैलो कोठेभर फुलागैलो २ गोमेऔसरवर फलन सा  
 लागले दिवो स्याम काला ॥ इरासुर रासनेलो सुधाकुंवर फुलागैलो  
 ३

छारीयन मधुवनमे घुगरुवा धूँ घुघरमे छारियन सनियामे छारी  
 ॥ सुनके थलियामे आरीयन मधुवनमे १ घुघरमे छारियन जोवन  
 सुहायन वृजकी वनीवनी आरीयन २ सुरदास प्रभु नुमारिदरसको  
 हरिकेचरणा चितलाईयन ३

वृजवनता वनगावन करने कोजाई रेगधे करनेकजाई धूँ मधुवन  
 नाककुंदर वनदोले सातकुंद मेजाई ॥ राधाकुंडे कृष्णा कुंडकि म  
 हिमा वरनिन जाई १ गोवर्धन कीले करपरमे प्रेमधाम सुरवपाई  
 ॥ परमधरो या जवधरीर सकर कोहर पाई २ कामाकामकामनाप  
 रती इहवन अति सुरवपाई ॥ वासनिवस नंदगाउ वस गोकुल वनमे



जाई ३ वसंत येवयेन वनवसके जवजिया जरनाउशई ॥ सेसनाग  
छाया रहदरसन जोमारे जडगई ४ खेलनवनभर धिर घाट और  
नन्दथाचमजा ॥ वेतभइ भादीन सकन वन मान सरोवर जाइ  
५ बाकरविसरामबुहाइ नवसके पलाउपर सारी ॥ जोकन अवर  
महाबाते करमा सारद उनकिगाई ६ धन्दे धन्दे मथुरा धन्दे  
विन्द्रान धन्दे जसोदा माई ॥ जिनकि माहिमा काहा लागि वरुन  
जिनकि कुवर कन्हई ७ वोरवन वोर उपवन कितीलागाई सुनाई  
॥ जोजाइ दोलागाई सुनाई सहज पाप कटजाई कृष्णादास प्रभु  
करन सुफल वनआ बागमन बुझाई ८

भैरवीचीनाम

वनवारि वनीसुरासि सखीकुंज विहारिगीरी धारी संग सोने राधाप्यारि  
बुधभानके उवारी वनवारी धूँ मोर मकुट धारि केसर निवकना  
री ॥ भुक्ति कुथीव न्यारि छुथि अलकारी १ मेरे विविदेनेप्या  
रितासिका मोनि सैवारि ॥ दयाकरीपाईसखी सप्त सुमु कारी वनी  
सुरासि २

छटधारि जोगी कामिनीया धूँ वेतिचमेति चंपाकलीया हजरथ  
बाके कामिनीया १ वेतिचमेती चुनी चुनी ज्ञायहो मादिनी येक  
सर वेथे मादिनीया २ तेरे गलेमे चंपाके कलीया जैवे लपटे कादी  
नागिनीया ३ सुरदास प्रभु तुमारि दरसको राधे गोपिनी संगलिया



भजन करन हम नंदकी दोर रास रास कृपा करीये धुँ कहे  
 तपासीया नामनुमारी ॥ वैठीरही जब गंगाकि नारी १ गोर  
 सेवेचतु मारि सहर सहरमे ॥ और कछु दयाधरीये २ वि  
 न्द्रावनकी कुंजकबिलमे ॥ रासदिये श्रीगिरधारी ३ स  
 वसाखियनमित्री व्याइ सहनेमे ॥ देखन आरु गिरधारी ४ सु  
 रदास प्रभु नुमारी दरसको ॥ रासरा सगुन गुनगाउगी ५

खेलनकहे याजीविन्द्रावनजाइहो धुँ मोरमकुट पर हीरा रूके  
 कानमे कुंडल मोति हलके: कौसुभमरगोके गलमेधारे वैजयंति  
 मालविगये ॥ चतुर भुजरूप कमल नयनहरी १ स्याम सुंदर  
 नेविन्द्रावनमे मधुर मुरली बेगावजाये सोहीसदसे व्याकुलउठो  
 के सबसखीयनने शृङ्गार करिके ॥ रासखेलनको गयेहो मधु  
 वन २ राधासखिसब मगन भइके कृष्णचरनगुनमङ्गलगायेवन  
 मासीके फूल चढ़ाये: भक्तीपुर्वक पूजाकरिके ॥ घरघर फिरके  
 जायं सखीसब ब्रंभा सकर नारद मुनीसब सारदा सेस-गरोशजी  
 ने: रैनदिनको ध्यानकरनहे दरसन उनको वडी कथीनहे: ॥ विनाभ  
 क्तिसेयावेनाहि हरिजिको ५

मोहिमिबेनन्दबालगलियामे गलियामे वृषजी २ धुँ अचरज धा  
 ई धाइ मिवन मोहन ॥ वंसिवजाइ मोहनकरन विहाव गलि-  
 यामे १ श्रीविन्द्रावनाके कुंजगलिलेमे ॥ पननापैररोनेथुमथुमचा  
 दगलियामे २ मोरमकुट मकरा कृन कुंडल ॥ गलवैजयंति



३०

के मात विराजे गलियामे ३ चन्द्रसखी हित बाल कृष्ण  
भज ॥ चरणा सरन श्रीमदन गोपाल गलियामे ४

---







र  
॥  
स  
न  
दे  
वां  
ता  
दु  
ना  
मि  
जा  
रो  
दा  
ये  
उह  
नगि  
दहि  
सान  
अये  
  
सुनी  
की



रागभजन ॥ वनरहोसखी आसलेहीरजमुनामै जायविहो ॥  
 ॥ लावजमुनाके निरमल नीर कबस नरि ल्यायेविहो १ कोहि  
 सर्वाकर दनुनिभा कोहु अस्तान करे ॥ लावनाजसोदाजी चि  
 त्त बलियार निहोपायेकरोवैहो २ नहिदेखो नाउनवेरानहि करवान  
 देखोहो ॥ लावनाकौनविधि अनरनपारनहोयनिहो ३ सिरवाको  
 बांधलि सुरहिनादे हृदयकमलसैवै विहो ॥ लावनाजसोदाउ  
 तारिगैसियार जाहावसेदेवकिहो ४ कियोनेरे सासुरा दुःखनेहर  
 दुखसैं ॥ लावनाकियोमारे स्वामि परदेश कौनै दुःखगै बलिहो ५  
 नोनाहि मोरा सासुससुरा डुनै घर दूरवसे ॥ लावना नाही नेरोस्वा  
 मिपरदेशको खियाडखरोवेविहो ६ चुपहोइ होइ देवकी  
 जनिरोवि मरसिनिहो ॥ लावनाअफना बालख हमुमार जुझा  
 रो जियायेविहो ७ अनउधार निवपाइ चलोके नेवहारचैव ॥  
 लावनाको सियाके कैसनउधार वधके भरोसा नहिहो ८ होइग  
 येकबल करानवा जसोदा गये गृहविहो ॥ लावनाउहे जोयडि  
 उहेसाये निजिन नीरहायविहो ९ पहिलेमास जब विनलदो सरा  
 नगिचायेवहो ॥ लावनातेसरी मास जब विनले चौठवा नगिचाये  
 रहो १० चौथै मास जब विनले पंचवा नगिचायेवहो ११  
 सातवामास जब विनले अठवा नगिचायेवहो ॥ लावनाजन्म  
 भये औनार नन्दलाव मुखगा बलिहो १२

सुनीयराजा हरिकथाहा सुहाये रामाभजरामा ॥ बलहिदेव  
 की जमुना उहाइ रामाभजरामा धूँ जसोमतीमाई नन्दजिके



रातीरामा ॥ सगलिये सब सखिया सयानी रामा १ बाबरव-  
 गोद ग्याबिनी लीहव ॥ देखि देवाके रोधन किन्दा २ कहनक  
 वनगुन डोरी बसिमाई ॥ कवन विद्यान नोहि पहुचव आई ३  
 हमेदेवाके कंस मोरे भाइ ॥ अत बाबरव मोरे हुन नाहि छिनाई ४  
 कहन देवाके सुनहि जसोदा ॥ सब सुख छाडि सुन अये गोदा ५  
दोहा

हम नोहि आस पराई. जवन वसु वनु हि स्वागी ६

रागरेँ ॥ मोराहो होरिबके साथ सैजानिदन आई धूँ नोदन  
 न आये भुवन बागे ॥ कवन परेना दिन राति सैजा १ बार-  
 पारको पिपराय छ छ नानि द्योना ॥ ब्रोकै दरसैजा २ हान-  
 नरीवन पानके बीराचवने गहरा ॥ पुजे शिव सैजा ३ स्वा-  
 मिमोरा दयाव अयो है लेहना बजरव ॥ घर जाई सैजा नोद  
 न आये ४

रागरेँ ॥ अठवै देवाके गर्भनि वासा नंदन हर गृही निई वनी  
 वासा बाबरव रूपधरे वनबारी संख बक्र गदा है रखवावि १  
 धनु भुज धनु भुज बलन कन्हाई ज्वाल बाव सब संग टगाई घर  
 घर गोरस जाई बोरस जौने गृह कछु अस्तिन पाई सोवन बाडिका मे  
 माडि जगाई २ कदम निर छिर नर छत्र उठाई घर घर गोरस  
 जाई बोरस प्रथम घनना छिर पिजाई नपकिहु वैकुंठ पगये ३  
 कुंडिजमुना धसि गये हो पनाले नाग नागीनी प्रीथा अये असना



शी ॥ मोनोलापरमे वाजन बड़ाई कंसर येकछु गयहो सगाई  
 ४ कथिके सेज कथिन कि मातारननसिंघासनमे वैठेनन्दलावा ॥  
 बड़न तिवपित पिनाम्बर सारि हाननकुठ मुख मुरवि सोनेवन  
 उरक लोपाधि जगमोहे ५ राधारुक मोनि कैं जविहारि रविरसि  
 कोरवि दनुका सोभा नाहि निरखि नक्र मेरे मनलोभा ॥ गिरिवरधा  
 रिगोवर्धन धारि आरति उतारो चले वृजनारा ६ नन्द नन्दन वृष  
 भानकि सोरी परमानन्द स्वामी आरति नेरि ॥ आरति जुगजुग  
 किशोर किजे नमन जन सब छावर किज्ये ७

रागरे ॥ अठवजजन मोरा नैर हर्वा ज्ये आठन ससुर पोनेहो ॥  
 लावना सोरहो जवन मोरा वजि लागिहुँ नहि आगे लागेहो १ सासुमेरा  
 सुनलि आरियाननड गजवरहो ॥ लावना स्वामिमेरा सुनलि मँदीव  
 वामे कैसेवजाइतहो २ साहु जिंके भेजवत उनिआ सेनन्दके वरु  
 नियाँन भेजो ॥ लावना गोतियाके रावा प्रभु जाये गोतिनी मोरापा  
 यवलो ३ सासुमेरा आवलि गाव ईतन राउ वजाव ईतहो ॥  
 लावना गोतिनी आवेति विसनादल मोनहि जन्म बोविहो ४ ओ  
 गनालगई दसनारियन दुवरा नव रंगियावेहो ॥ लावना जिरावा  
 के बोरसिगईयो लयगकर पलंगहो ५ दुवराजि वाज्येले वधैया  
 माँदिब उठे सोसारेहो ॥ लावना इतहो मेरे नन्दलाल सुनो सुनो  
 मेरि सोहरहो ६



रागरे ॥ सुनिविज्ये रामा हमे वेदादि हेवे निजमविहवे हो ॥ वा  
 वना सुनि सुनि गावि हमे देवे नोमारे मोहि धावेविहो १ जानिविजे  
 सोधिपिपरिदिहे दुमार चपिये बोने वहर दिपियेबोहो ॥ वावना दुगहि  
 जेरियो नाहि देवे औवरि फव वैथिबोहो २ काहि विज्ये दोस रिथा हाकर  
 वोनहि हरपहु बाइ देहु ॥ वावना घरकि वियोग गिरियावा नोहिनन्द  
 वाव गावविहो ३

रागरे ॥ चिरिया हुं हुं हुं ॥ चेरिया वायारे पकरवा मोरे फरक न  
 १ चेरिया रहिने अधिक उठे सान छिनछिन २ चेरिया पहिबेवेदन  
 जब आयन हुं हुं ३ चेरिया दोसरिवेदन जब आयन हुं हुं ४ चेरि-  
 यानन उपछे विनि हेज कोने दुख हुं हुं ५ चेरिया नेसरिवेद जब आ-  
 यन हुं हुं ६

रागरे ॥ जोद रोग जागो ये सासु विनानि बहु करेहे धूँ यजिध  
 गरनि देहुना बोबाइये सासु ॥ वदन बहुन आयेविहो १ धिरे धिरे-  
 बोनेये बहुना डव रासबबोग सुनिहे ॥ रचिये केवेद नेवारहे बहुवार  
 सुनेवा विगन सोगहे २ आधिरान विनानिये रामा विनानि हरानि ॥  
 आधिरान जनेम गोपावेवे राम मोहर दुटोयेविहो ३ वसना केहे  
 नाबोबाइये सासु लगन सच्यायविहो ॥ सुभ घडि सुभदिन लागि  
 जेवोहो रोहिनी ॥ सुभहो अछमिया केदिन जायेरामा नन्द वाव गाव  
 व्हो ४

रागरे ॥ उतरो श्रवणा चंद्र बादो चहुंवर काहुंवेहो ॥ वा-



बना देवकि वेदन व्याकुल धगर न चोये विहो १ येह धगर  
रनिका हा पाये विधि मनाय विहो ॥ लावना पर्व जो निखन फ-  
व पाये वि दोस काहे विनाय विहो २ जव जतमे जदुन नन्द खुनिग  
ये वन्दन हो ॥ लावना खुनिगये वृजे के दुबार पहर सब निसि सोय  
विहो ३ संख चक्र गदा पद्म हान सोरे ये छे सिर सो वे विहो ॥  
लावना गन वैज निके मान श्रवण दुनु कुंडल हो ४ उठि वेठ जदुन  
नन्द देव की से वो वे विहो ॥ लावना अर्वाह गोकुल पहंचोये द्विरन  
हि पिये विहो ५ गोधरा न गये सुन वसुदेव च विगये गोकुल हो  
॥ लावना रात्रु भये अंधियारी पंठहि सुजे बहो ६ जमुना व  
हि सिंग भर थाहान पाये विहो ॥ लावना मन मन रोके वसुदेव पा-  
र के से जाय विहो ७ प्रभु वो वे मुसुकाये नास जानि माने विहो ॥  
लावना फटि जेहे जमुना के बाध चरगा छे जनि जाई विहो ८  
जिन यह मंगल गये गाय सुनाय विहो ॥ लावना सूरदास बलिहा  
री प्रेम पद पावल हो ९

रागरे ॥ दिनु महाराती कर कगना धूँ वेकर हान को सल्ला  
दिनु ॥ धगर नि मन मुसु काना १ चन्द्र सर्वाहित वाव कृष्ण  
छवि हरिके चरगा छिप नाना ,

रागरे ॥ कृष्ण जनम भये न धारा वेचनो गावन मङ्गल सु-  
नित सुनित आनन्द भई धूँ धनि यह मंत्री लोग धनि नही रोहि-  
नी ॥ धनि भादो किरान श्री कृष्ण जिके जन्म भई १ नन्द



दुबारके धारनुनोत्र संपरा ॥ याचक भयहो निहान हरखेम  
वेदेवता २ धनिहो जमोरा जेरोआग नैगोद खिताबहि ॥ हर-  
षि हरषि छिर होपद छिर खिताबहि ३ जोयह संगलगाय नग  
वे सुताबहि ॥ सुरदास बलिहारि प्रेमपद पावहि ४

रागरे ॥ वेताभये राजा बलिका होमन रजनुलाघर अगमये भिरनर-  
जनुलाव धूँ ननडुगडी सोजे पानसेमन रजलाव ॥ देह भोजीमो  
मोरे नेगहो मत रंजनुलाव १ जुहरे दिल हमारे सब कुछहि मन रंजनुला  
व ॥ हमके चूंदरिया पहिरावलेह मन रंजनुलाव २ जोनुम भोजित-  
जेनिदेहो मनुरंजनलाव ॥ लेजाइहो वववा उठाइहो मनुरंजनलाव ३

रागरे ॥ नंदधर वाज्य वढाई धूँ चलत चलत मोरे पैयापर रा-  
नि ॥ काहागये धगर निमाई १ वृजकि सखिसब बनि बनि आई  
॥ जनमने कुवर कन्हई २ चन्द्र सखिहित बान कृष्णा छवि हरी  
के चरगा उरनाई ३

रागरे ॥ दरदकि दावा व्याई योरे कहु दरद नजाने धूँ बाईदर  
द बोके अंवाजाने ॥ बाऊँ दरदवाके निवारी १ पुरुवजाइहो  
पछिस जाइहो ॥ सोहि विपद निवहोले याहो २ कवि पक पिना  
काछनिकोछे ॥ मोर सकर सिरलैहोरे ३ सुरदास प्रभु कृष्णज  
नमभये ॥ सबसखि संगन गाइयोहो ४



रागरे ॥ लेकर प्रागान्वले पुनना यनना छलसे वृषना  
दुवारी ॥ आवन आदर भाव कियो है ॥ जसोदा मै जा बाव  
ख गोधखिनाये १ व्यंचलकपट बन कियो छलिना ॥ छल-  
देखी हसेवनारी २ रवीचन प्राग समेन लियो है ॥ बलिराजी  
के नर जाइ नुमारी ३

रागरे ॥ पुत्रभये सुती आये अनंदजी लगन सोधि चउदितो-  
गानेकि चाई तोहि सुताउ येनंदजी धूँ सखत सर सविनाइ  
भावजो आगेनिर्धु बुद्धनपर कृष्णपक्ष रोहिनि नक्षत्र खखे जो  
जोग उधार ॥ विष लगन उबेक निस्पति जनके बहुत सुखदा है  
येनंदजी १ उचनिब जुगुनि बहु करि है सतराह पर रहि है भा  
वावेव नाम बहु करी नव कुलनन्द कहै है ॥ यही बात नीश्वयक  
रजोग प्रीथीवी के भार छोरे है तन्दजि २ चौठे सिंहगस केनि  
सपति सकल जीन घरन सिंहे पंचमे बुधकोताके जनमे बुद्धि धन  
अधिक बढ़ि है ॥ छठे सबु नुलोके व्योसर सनुह रहना नापे है ये  
तन्दजी ३ लाभभवनमे मिनिफिरी सो नौनिधा घर बै है नारायण  
पर ब्रह्म ब्रह्म जिन सब घर अनर स्वामी ॥ सो अवतारे नुहिटह  
प्रभुजी सुरवासके स्वामि येनंदजि ४

रागरे ॥ खुवलर वरे श्री कृष्ण कहे यासो ॥ धानेनर  
वार कम्बर पर बाधे छुरी कटारि सै जिते हानसे १ चन्द्रसखी



हिनवालकृशाद्वि ॥ हरिकेशरगा चिन ध्यान धैर २

रागरे ॥ आजुजनम श्री कृशा कन्हारीं धुँ आबरा आदीनि  
सुअधियारी गगन घटा घन घेरी ॥ लौकालौके विजुविचमके पहर  
सुदेवी सुगनी १ संखचक्र गरा पद्मविये वैजजिके सावा ॥ पी  
ताम्बर की कछनीकोछे खुलिगये बुजकी नार २ देवकीके को  
खिजंम लियो जसोमनी गोद खिलाये ॥ जमनाजीके पार उन  
रीगर वसुदेव काट बढ़ाये ३ गोकलमेहरिजनमलियोहे मथरा  
कंसपछाडि ॥ सुरदास प्रभु तुमारि दरसको फिरी गये कृशाक  
न्हानी ४

रागरे ॥ मोहनिरूपनिर पुनना येनना छलकिये गोकल प  
नना धुँ सोर सिंहार किये पुनना ॥ कुच मै विष मिल गीये पुनना  
१ जेसाहा मेआ तुमारि कन्हैआ ॥ बालखदु धपिलाये पुनना २  
दुध पिवै हरि चुब पकरके ॥ मनमे कैसे छोडे पुनना ३ ये मा  
तुषनाहि कोहि विधाना ॥ देह से जी निकले पुनना ४ सुरदास  
प्रभु धन्दे कन्हैआ ॥ गोद लिये जसोहा मेआ ५

रागरे ॥ धोवि कोगीन

हे तोभाई हेहेहे हाँबल किये तनना जुवाफिया सेन ध  
ठ लेवनाई निज सोरे ॥ असोकिसाव जो उपज्यत सारिवा देव उर गर



छिन धाइ मिन मोरे १

राग ॥ अरु सुन लिजे हे महाराज धरति काहूँ कीन भई  
 धूँ सत्य जुगमे हरनामक सराजा चारों जुग सहित ॥ अनिव  
 बिबीर महाबिबिराजा उनके सङ्ग नगइ १ त्रेना जुगमे राव  
 रा भये राजा बङ्गन कोटगइ ॥ येक लख पुत्र सत्रा बख-  
 नानी बकडि संग नगई २ द्वापर जुगमे दुर्जोधन राजा ह  
 सिनापूर सहित ॥ सोह योजन बाके छत्र चबनु है मछ  
 रि. गोधनखाइ ३ कवि जुगमे श्रीकृष्ण भये राजा म  
 थुरा कोट सहित ॥ कंसहि मारी विध्वंस कियो हे गोपीनी विकल  
 भई ४ सत्य त्रेना द्वापर कवी जुग चारों जुग सहित ॥ केहक  
 वीर सुनो भाइ साधु मेरी मेरी कहिरहि हो ५

राग ॥ कैचन रथ पर बढि चले बल भद्र सहित दुनु भाई  
 धूँ ज्यो ज्योरथ आगे चले मानु कंस जानी ले मोरे काल दुखित वृज-  
 भोंदी करुं हो १ विरहिनी सखी सब घेर लियो हे सनमुख क  
 रजोरि थारे ॥ हमरु को संग लगाइवे हम कैसे जिये वनन्द लाल दु  
 खित वृज मति करुं हो २ करो जोरि के अकर कहि हो स्वामिसो विन  
 नि हमारी ॥ ननिये कर थ धिरा धरो हम जमुना कर व अस नार दु  
 खित वृज मति करुं हो ३ कं वारि के भाग जब लयो हे सनमुख भयो



सुगरी ॥ उर अंतरधरो ध्यान वामानु कंसजानिदो सोरकाव दुखी  
 न वृजमनि करोहो ४ वागन रागविनोकी प्रेम सुधो विसे पुछबवान  
 ॥ अजु भुषणा हम कोहि हो हमजाइ वकंस दरबार दुखिन वृजमनि  
 करोहो ५ कबलोके दन उखाडके हो अनिसखाकोदिना ॥ रंगभूमि  
 मे कंसपछोडे मानु निनि भुवनभेयसोर दुखीन वृजमनि करोहो ६  
 जोयहि मंगल गावहि गाव सुनेमनलाई ॥ सुरस्याम निरंजये कोरि नि  
 र्थनुहाये दुखीन वृजमनि करोहो ७

राग अवरथहाकि लेगयेदुर ॥ स्याम सुन्दरको चद्रोये रथपर  
 पदम बैरि अकुर ॥ उथनहेरुं गोपाल हैसखी सुखन नाहिदुर १ गुरु  
 भिनन मधुनाई अवला निचिनुई सिंधुर ॥ नोरकि घरमे हार किशकि  
 न नोरकि घर दुर २ खसन धरति परन व्याकुल नयोहे चखनाभूर  
 ॥ सुरकेप्रभु बोलराये अवन मिलनादुर ३

राग गोपीनीके छल करि आये पुनना ॥ मथुरासे आई पु  
 नना जोकुल पहंचे ॥ मोहिनीरूपधरे पुनना १ साई जसोरा  
 ने दुध पिलावे ॥ दुधमे बीष धरो आये पुनना २ चन्द्र सखीहि  
 न बाल कृष्ण छवि ॥ लालजिने दुधपीके सोरे पुनना ३

राग मदाभवानी दाहिना सनमुखगौरीगणेश ॥ ई पांचौं  
 मिनीरक्षाकरे ब्रह्मा विष्णु महेश्वर ॥ जाइ वोफलवारी फलवा



ररहना धुँ जाई फुल बालाके गैलोवारी ॥ सेवमरगा हमजानी  
यवारी १ छत्रमहिना पुजवापर वीनब ॥ परिगये नीनलनेनली  
वारी २

राग वरिसउवेदेव वरीषवमोस नहिनीक लागीहो लावना सैआमो  
रा ननीक छयेव बोके नाकाश बानेजिबेहो १ चुनीचुनीकलि  
या सेजीयादमिले फुलवाधिनरहिबेहो ॥ लावनातपकेलाबुदपो  
दुनीया त्रिउरी हम उठेलेहो २ पहिरी लाव-चूरीया रुमाकि  
रुमाकि सेजिया सुनेलेहो ॥ लावना खोलिखोलि रुमाकि ले वे  
वावम्बुनाहि देखेबेहो ३ सामु मोरे सुनली अरानिया न  
गजउवारिबेहो ॥ लावना सैआमोरे सुनले महलियाके जगोयेविहो  
४ चुराफेकिनर पेआफेकि और नदियाहो ॥ लावना सधये  
भरलफेकी मरव वलम्बु नहि जागेलेहो ५ सामु मोरे गावही  
नन वनावाहि नन दिहो ॥ लावना गोपीना न उठेले कर बसेला मो  
हर लुग लेविहो ६ सूरदास प्रभु नुमारि दरसको ॥ लावना  
हरिकेचरगा चिनलाके पुत्रफल पावलेहो ७

रागरेँ औरचलोचलोरे धगरिनी नन्दबोनाइ धुँ नन्दबोना  
ई क्यावरमोगे क्याहम कदरवाई ॥ नाउनहि हम कर्जा रवानुहे  
नाहि उनकिदासि चलोचलो



राग भुइआ लुटेला भुइआ लुटेला मोराहोहि लवा भुइआ लु  
 टेला धुं उठउठ चोरि यासेआ किनबगी या ॥ दियाराज बादे मो  
 राम डिलवा १ जोनेरीलागी लोरि नन दिया ॥ बिगिया नेजादे  
 मेरानहि हरवा २ वज्राके नियाहे कुलहिनु लीयोवा ॥ मकेवि  
 आई हेपियारी जाहागइ ३ राजालुयै अन धन सुनवा ॥ जेसा  
 दातुयै नियाधन जेया ४

राग पापिया कंसननिकनन आवा लिनसेछोइ ननछिनधावा  
 धुं मिलाउपर गइ चरगा किराई ॥ करसैं छुरी अकासको जाई  
 १ उपरभये अरबुद भवानी ॥ किराकोटि जनससिउपजी  
 आई २ वचनयेक नवकहे न विचारि ॥ चेनिन छेनिया  
 कंसयानारी ३

राग वसुदेव देवकीके ऐसे हवाल सोवन नीद नहिआ  
 ये धुं आरदेखायोहीर कंसराजेन ॥ देवकीको बिरहवद  
 ई १ अरनयोवसुदेव देवकीको ॥ रोवन नैव आरा २ मा  
 रिपछोडे कंसराजको ॥ वसुदेव देवकी को हर्ष वदई ३

राग हानचक्रनीशूलविराजे अवरवजगानेरीनगरीमे धुं  
 जलमकुट शिर गङ्गा विराज्य रूप बना को अधिकारे ॥ सेसनाग



गनेलपलया ॥ आबंन जनादरवाज्य १ मानजसोदअंतर  
 वेठे अवाज उतरे कानीमे ॥ कौनदिसासोआयहोजोगीदेखो-  
 गोकल नगरीमे २ थातभरिके कंचनत्पाय लेहोवावाजिशोलीमे  
 ॥ हमनहिनिउगीजसोदामाइ लेजाअफने दरवार ३ हिरमो-  
 नि तात जुहाग जगरेहसोधरमेरा ॥ जन्दीबोला साई अफले  
 बालखको दरसनकरीके जानाई ४ काता पितासरूपनुमारा  
 नाजोने कोहि दांकिनीदे ॥ मेरे बालख लका जंन्मी वाहारना  
 हित्पाउगी ५ अंतर ध्यानमे मिलागयेदुनु साबुमनहि कोहि  
 सोगीमे ॥ रहिजोतपर जोतिरहोदे निरंकार कहने उनको ६  
 हमनो जोगी जंगलवासी रहने बाते परवनमे ॥ श्रीकृष्ण का-  
 दरसन खानिअ आये सदा शिव गोकलमे ७





## दधीमथानि चन्द्र खेतीना

राग वनिजाउल नाइनवोलनमे सुन्दरनेन कपोलनमे धुं आकन  
 रुकन हसन बिलोके ॥ पाई धरन उक दोलनमे १ ॥ मान जसोदा द-  
 हिया बिलोके ॥ अरिजी साखन दोलनमे २ ॥ सुर स्याम प्रभु नमा  
 रीदरसको ॥ कानमे कुराडत दोलनमे ३

राग कविनहि आये मान जसोदा नेगे धुं नंद नंदन दहि केका  
 रन ॥ वाहापकड कर ह्याये जसोदा नेगे १ ॥ प्रेमनेके सुरनर सुनी चाहन  
 ॥ सोनवा धगु ह्याये जसोदा नेगे २ ॥ चन्द्र सखीहित बात कृष्णाध  
 वि ॥ हरिके चरणा बिनलाई जसोदा नेगे ३

राग मथनियाहो दधिके सेमथुं धुं अवन दोने पवन दोने दो  
 वेसारा दुतीजा ॥ सेसनाग बेनिया दोने नागके मथनी १ ॥ वाजन मृद  
 गताल बेरिा वासुरिया ॥ नावन जोपान तान देखो सुन्दरीमा २ ॥ थु  
 मुक थुमुक चाल चलन वाजन पैजनीया ॥ सुमुक सुमुक रोडन ला  
 ने कृष्णा लडि कैआ ३ ॥ गावन मुनूक दामि सुनो महर दुतीजा ॥  
 भजनके प्रतापसे यामि लेआ ४

राग सागत बादनि सो अम्बा जिसो ॥ लेहँर बहुकरे कुसि-  
 स्तासुरने उगई प्रनेई ॥ राम चन्द्र जननि दरपनने मुख दरषाये गई १



तवमुषन नखसवि गुजिने भरिभरि कंठवेई ॥ दोषर छम् छम् वाजन बागे.  
 मानु नद भई २ श्रीविन्दा वनकी कुंजक सिलमे मोहन केश करी ॥ बंद  
 सखिहिन बालकृष्ण भजो हरिकेशरराचिनले ३

---



गग चलोसखी जाहा जाहा जाइये जाहामिले वृजराज ॥ गोरसवे  
 ये हरिमिले येकपंडुनुकाज ॥ चौपाई ॥ प्रभु पुरगार्वक्ष अखंड ॥  
 जाकेरोन फोधि ब्रह्ममंड ॥ जब सर गुण ब्रह्मकहाये ॥ मथरासो वृंदा  
 वन आये ॥ जाहा देवलोक सबनेजे ॥ सब गोपी ज्वाली ज्वाली ज्वालीनी  
 नेजे ॥ देवकीसुत नाम धराये ॥ वसुदेवहि रूप देखाये ॥ नव गोकुलइ  
 धाकिता ॥ वसुदेवही आस्थाकीन्हा ॥ मिनीनन्दनवनपहुंचाये ॥ ताहा  
 नन्दको लावकहाये ॥ १ ॥ छंद ॥ जन्मलिन वसुदेवकी गृह नन्दको  
 लावाभये ॥ छपनकोटि जडवंसि साया जुथ्य गोपी ज्वालीकी ॥ कृष्ण-  
 नके संगवहुन वालखगोवाचदाउनवनगये ॥ हरिये गात्रेदानलिया सुनोसंत  
 जनकानों ने १ चौपाया ॥ सब धरधरके वृजनरी गोदधिगोरसवेचनइरी  
 ॥ मिनीजथि सने मति कीन्हा ॥ जमुनाटट सारगलिना ॥ जब घाट उपरस  
 खी आई ॥ नवदेखा कवरकन्हाइ ॥ येक वालख कहत पुकारी ॥ नोहि कुज-  
 नोनाहि गवारी ॥ २ ॥ छंद ॥ नोहि सुधो नाहि गवारी गुजरी कृष्ण था  
 कुर घाटको ॥ आई कहेनाकाई नितनि अवाहि है वर्ष सातको ॥ हृदयने  
 नविचारि गुजरी कृष्ण छवि काहाबली ॥ दानदेहुनमारि आफनुहरीम  
 तेनुमई चली ३ चौपाई ॥ सुनीगजरसन मुसुकानी हामु आनु सु  
 ताहिरेवदानि ॥ हरिके पास सने चली आई पेचान निर जडराई ॥ इ  
 मकीनेकाहाका आई हमको हरि चिन्ह ननाहि ॥ तुम गोकुलके वृजना  
 शी तुम हेवृष आनके दुतारि ॥ नोहरे मिरस गोरस आराहमेहे जमुना घट  
 द्वारा ॥ कछुदान हमारी लागे हमको मन मोहन मांगे ४ छंद ॥ जिन-  
 लोकसे कौन जाने घाट जमुनानीरको ॥ जान आवत कुंज वनेमरहनवा



बज्रहिरको ॥ दानदे वृजगावन तन्दिनी सुजहमको वी जिये ॥ न  
 न्दकेसुन जानहमसों गर्भक वहनली जिये ५ चौपाई ॥ सबगो  
 पमखासब धरे अरे क्या मड किमै नेरे ॥ कोहिहानलाये दाहि  
 कान्हे तब नन्द चहँ दीस वारे ॥ सब ग्वाबिनी उठी रिमाये प्रभुका  
 नुमरिन चलाये ॥ कछु मागे दाहि वरु लुट विजे अवदान कोशिन  
 मनकीजे ॥ जब कंसराज सुनी पैहै तब नन्द हि पकरी मंगेहै ॥ नुम  
 खवरी वाट सुनी पैहै नुमई कोहि देखे डेहै ६ छन्द ॥ सदा जाय  
 यह पंठमथरा दानहम सोकि न लेई ॥ दाहि मागन छाछ उलन नुपु  
 तो वृषभानके ॥ कंसराइके राजके मै प्रभुनेरे जनकि जिये ॥ नन्द  
 के गाहि डंड उपजे दुःखपरे ननछि जीये ॥ ७ ॥ चौपाई ॥ जब ग्वा  
 बीनी कहै ऐसे धाता हसि बोलाहि त्रिभुवन दाना ॥ नुमानि न जोक पैदे  
 रखो हमको जिन मानुष देखो ॥ हमहि सब दैन्य संहार यह का धो-  
 कंसा विचार ॥ नुम कंसके द्वारहु गुमाना नेरे मार करुँ पिसमाना ॥  
 हम जैहन वादन किजे जेहसि दान हमारे तिज्ये ॥ अब उग्रमें हिराजा  
 अवाहि हम नाहिने जाना ८ छन्द ॥ जाके वेद पुराणा गावे म  
 नमानिक सोहि करे ॥ परे अधिन बलाहिन जोनर कंसको दर सैदरे  
 ॥ दधिगोरम कौन पुछे देखो आ भरणा आफना ॥

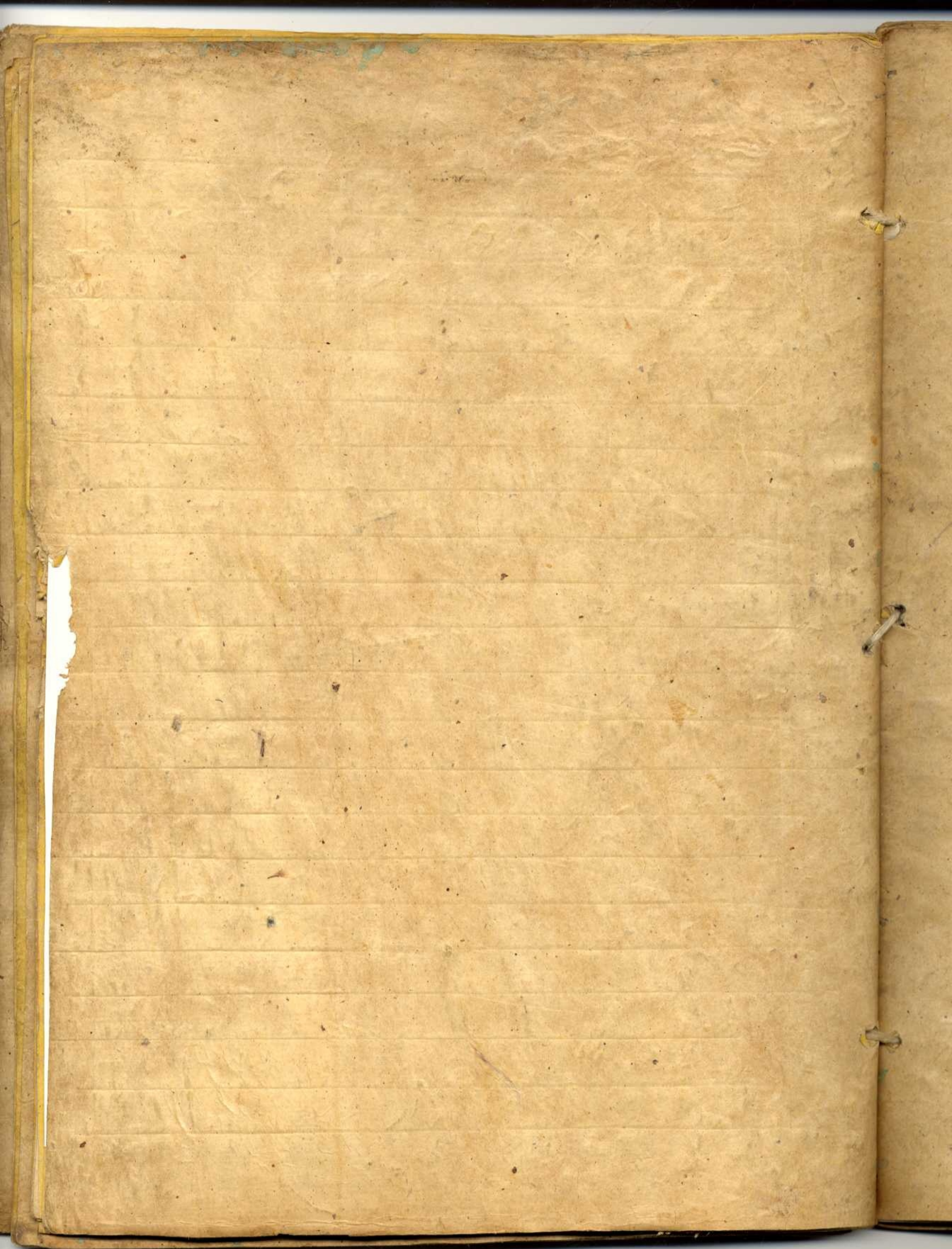




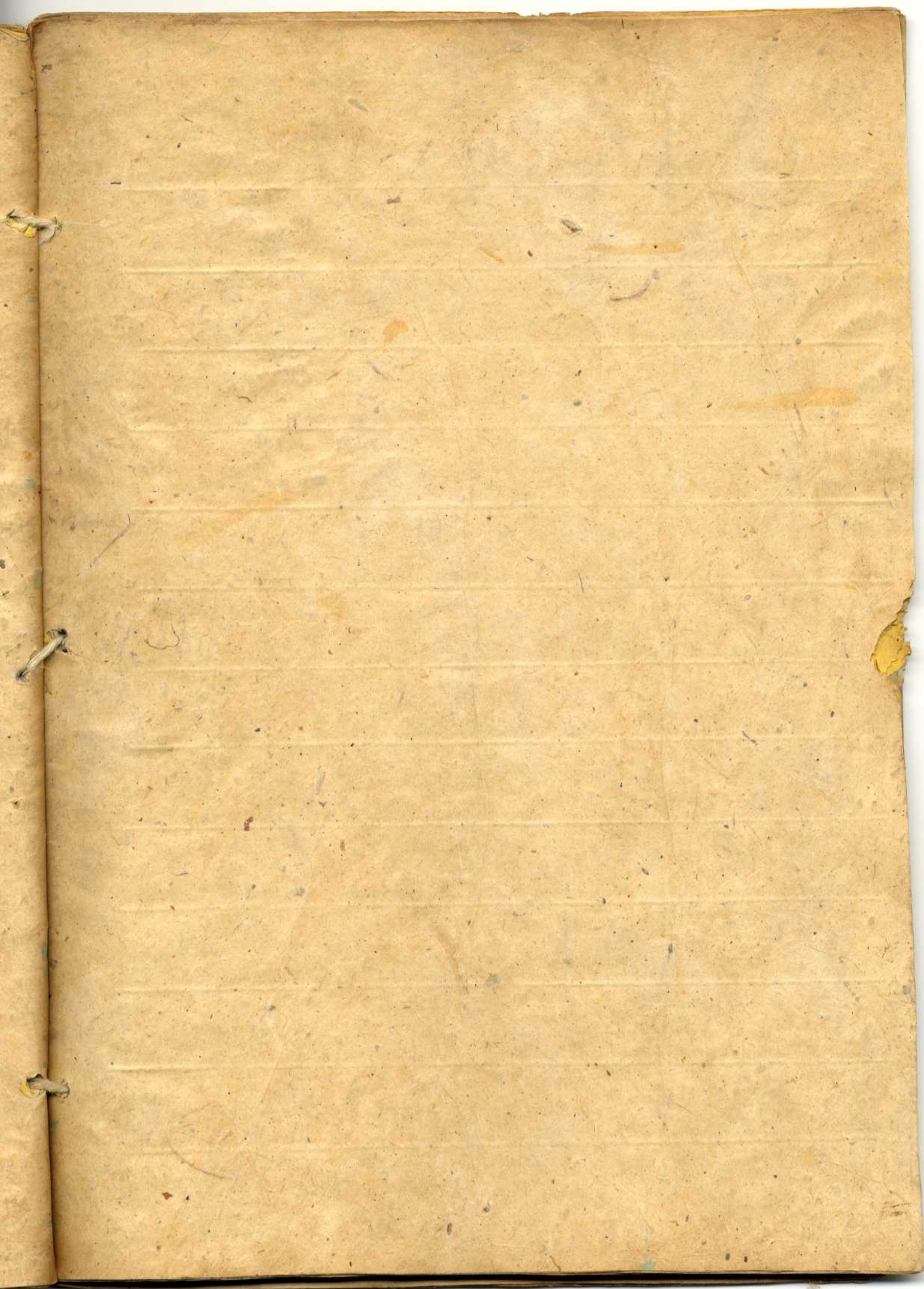








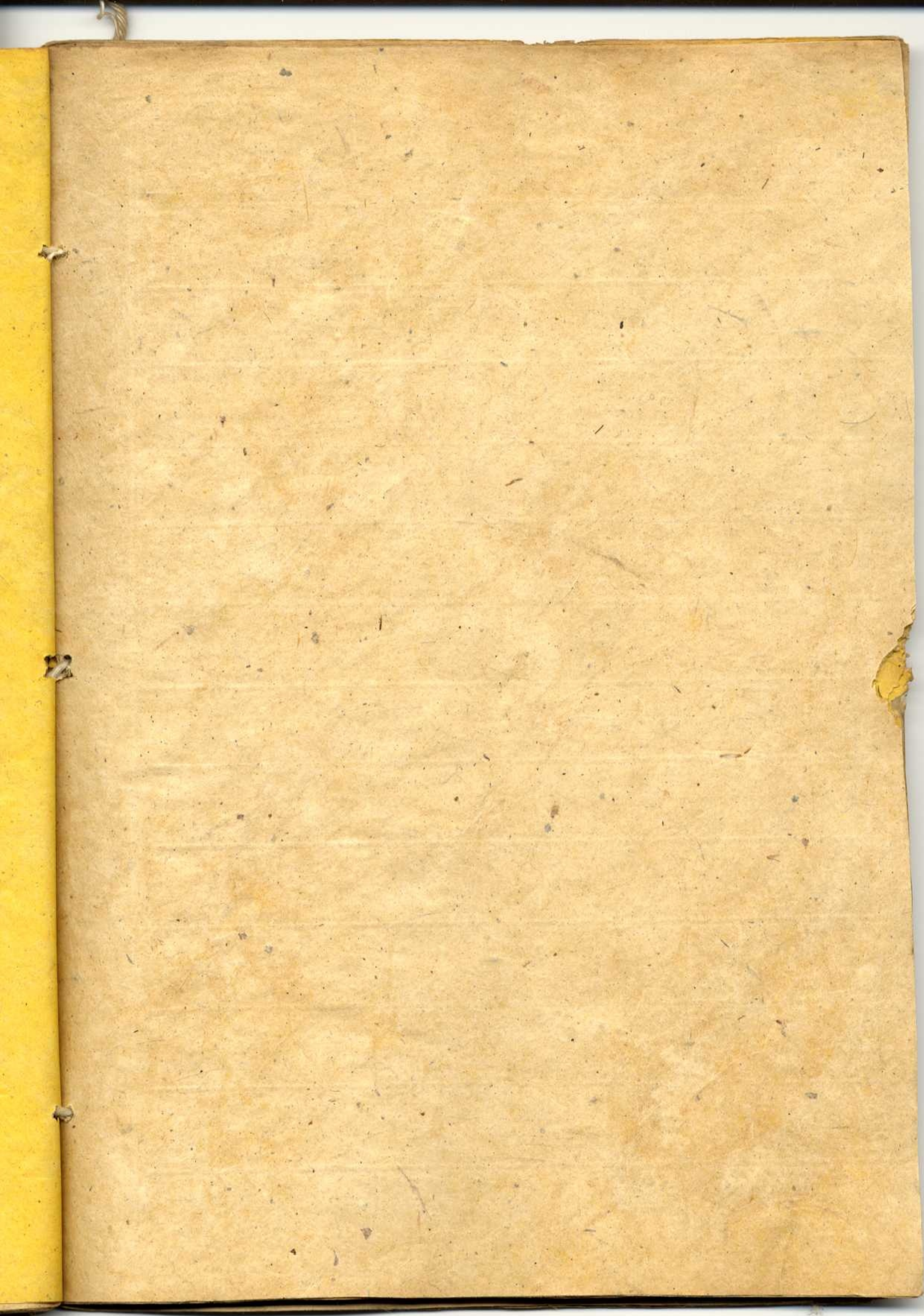




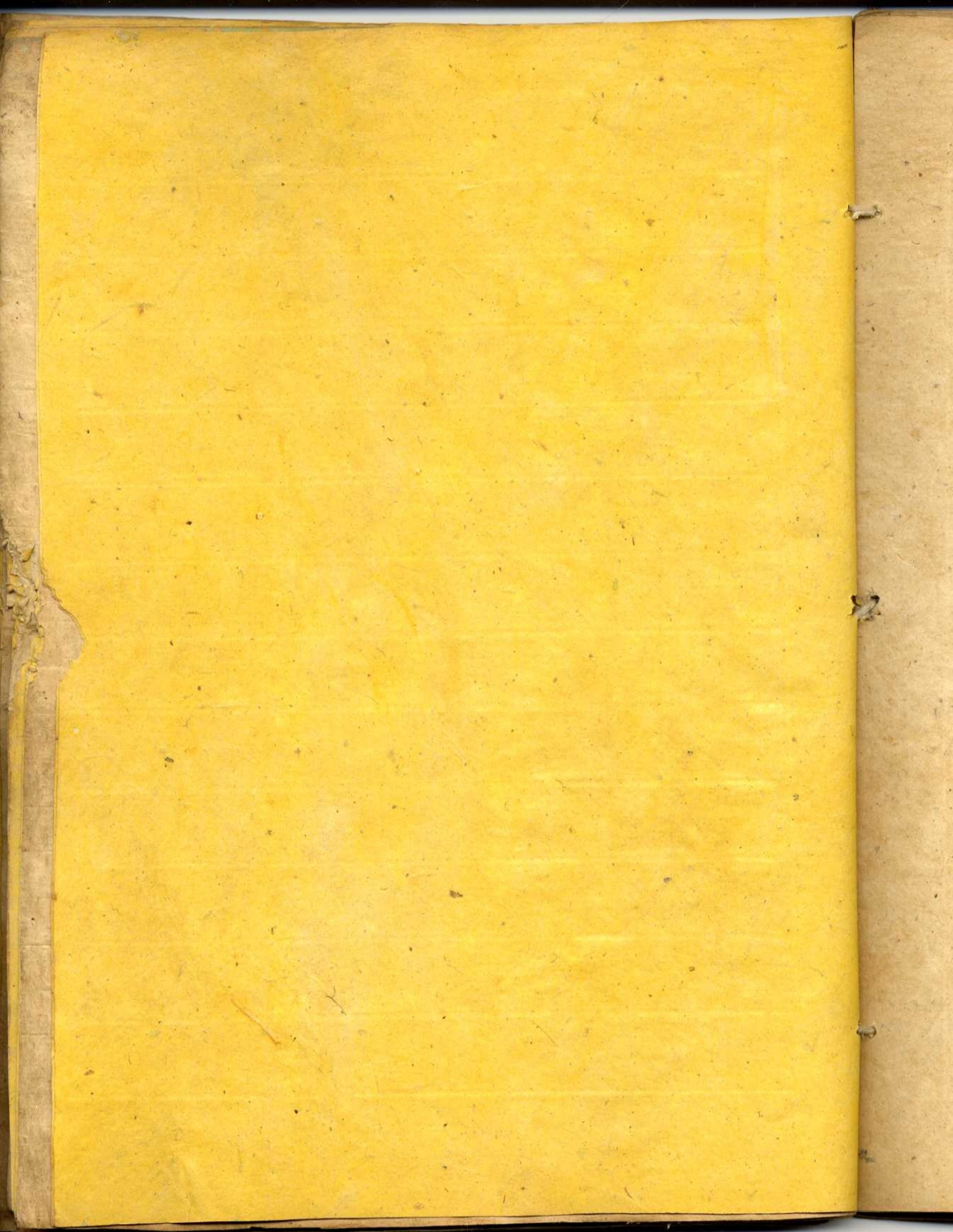




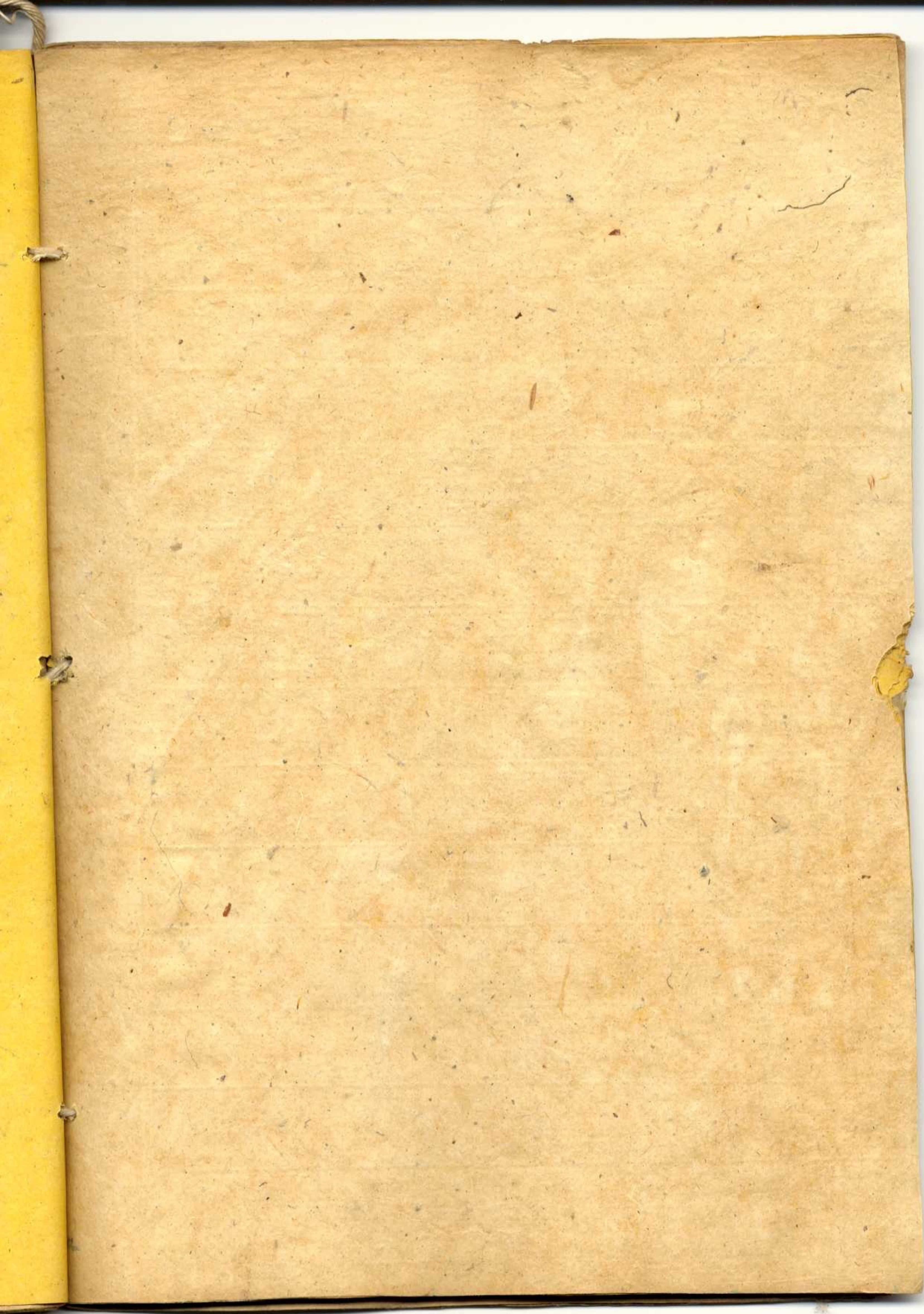




















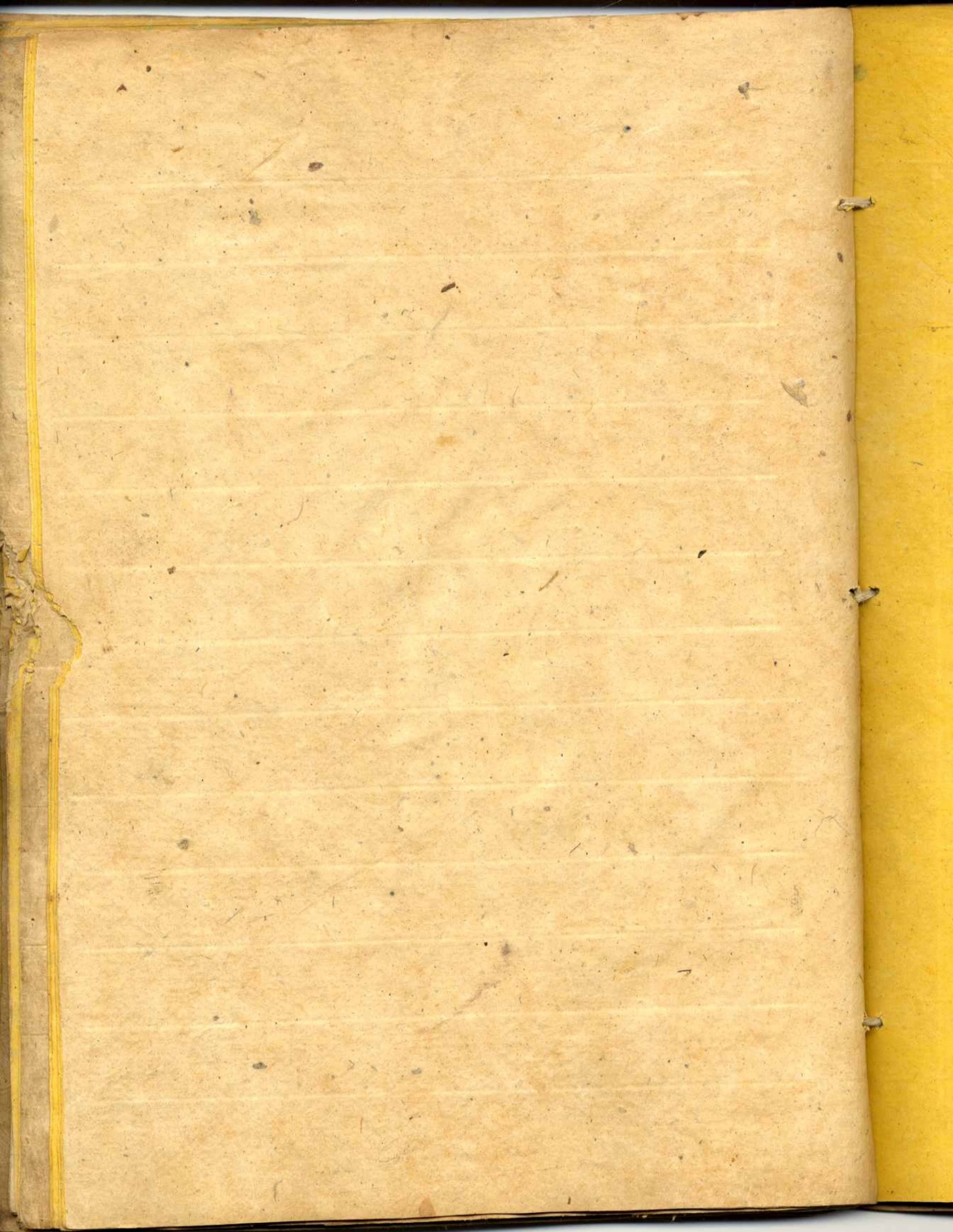








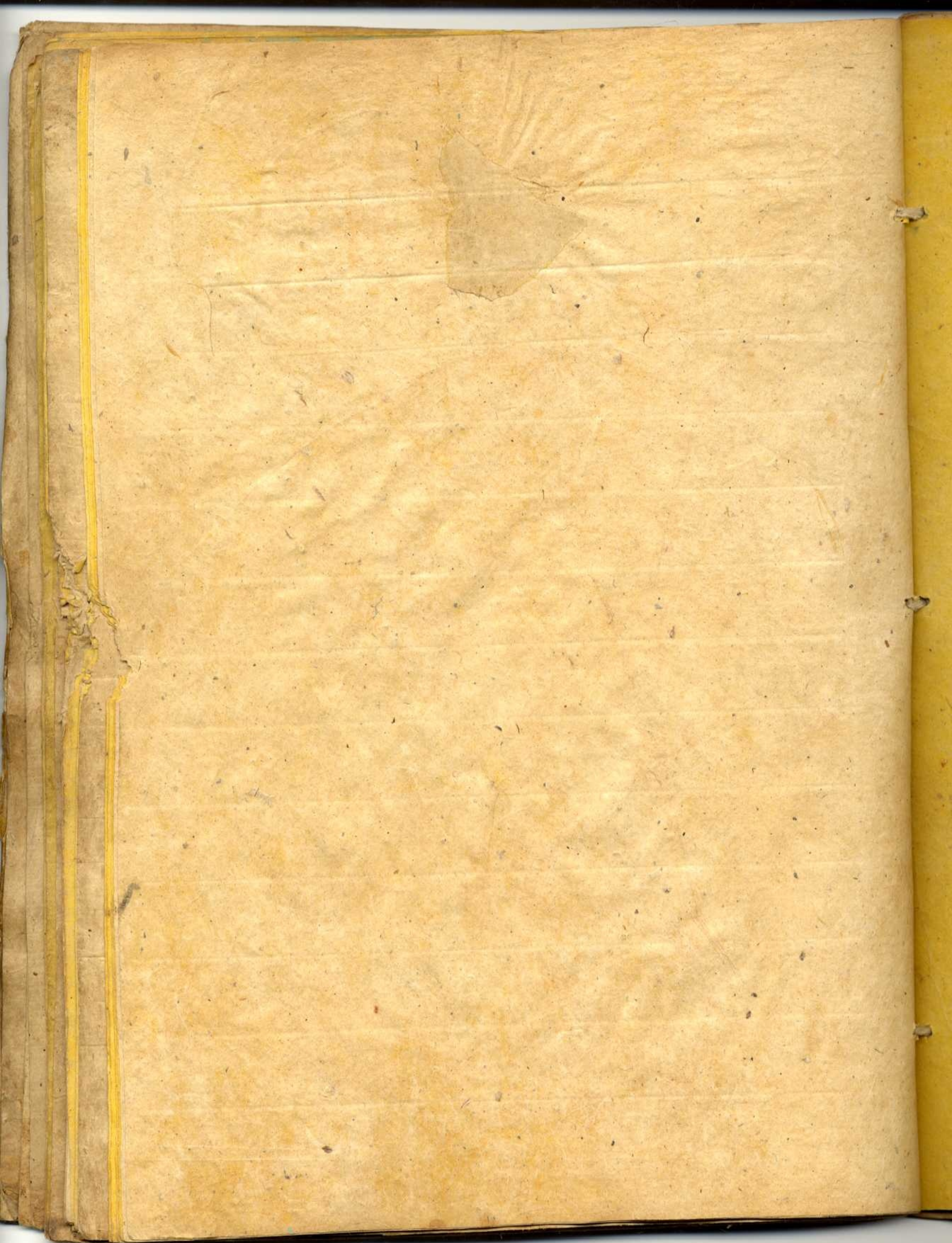








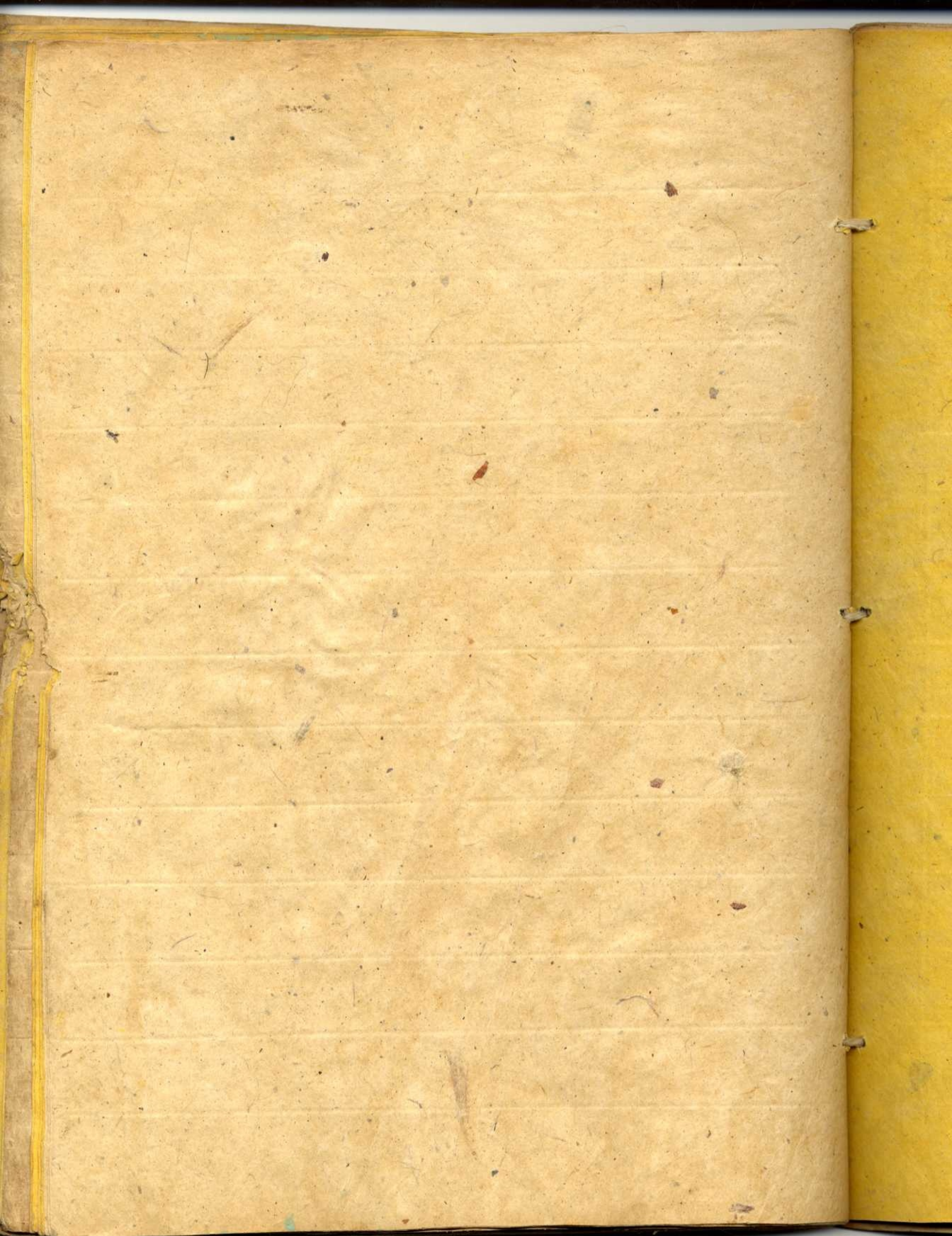




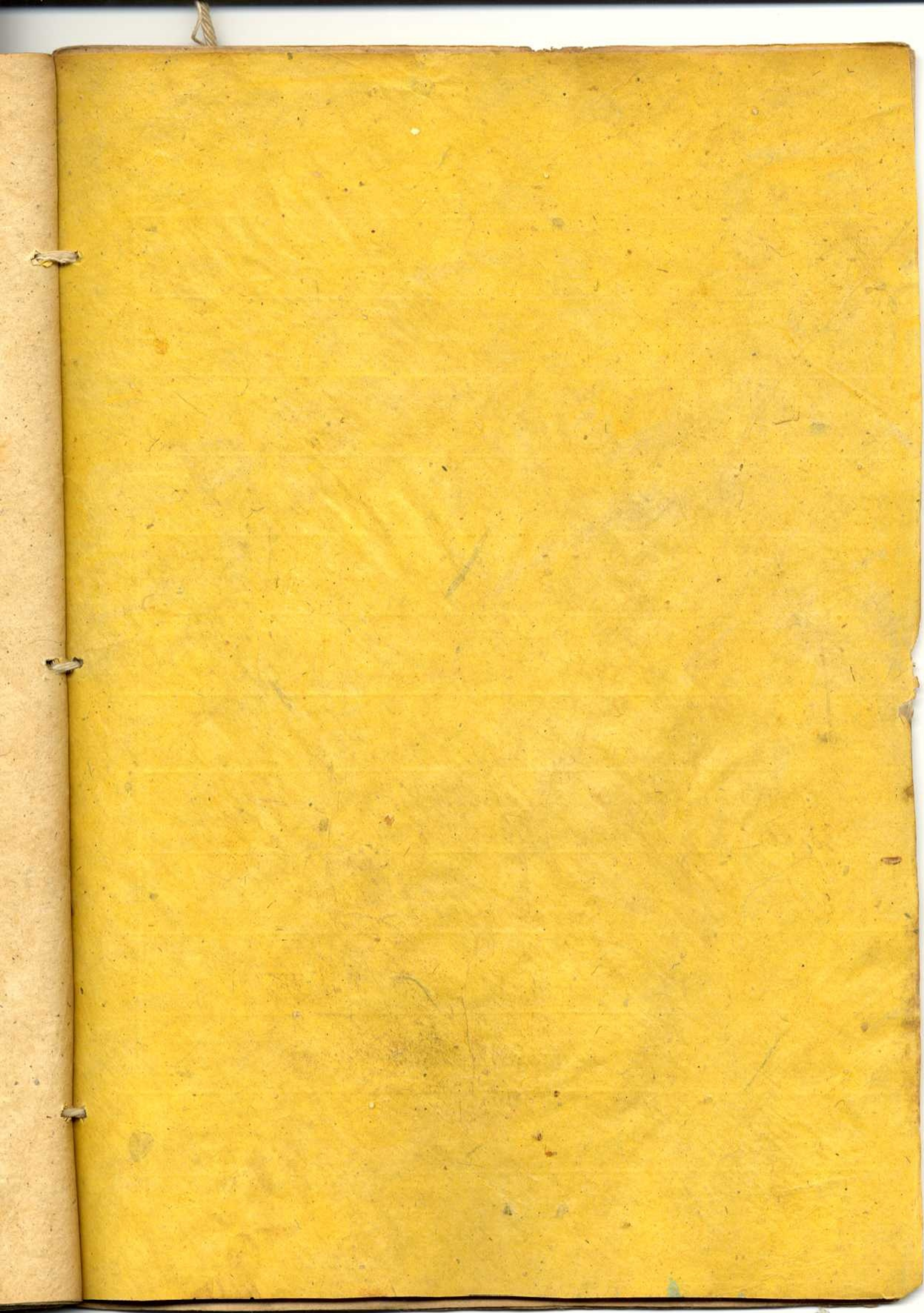




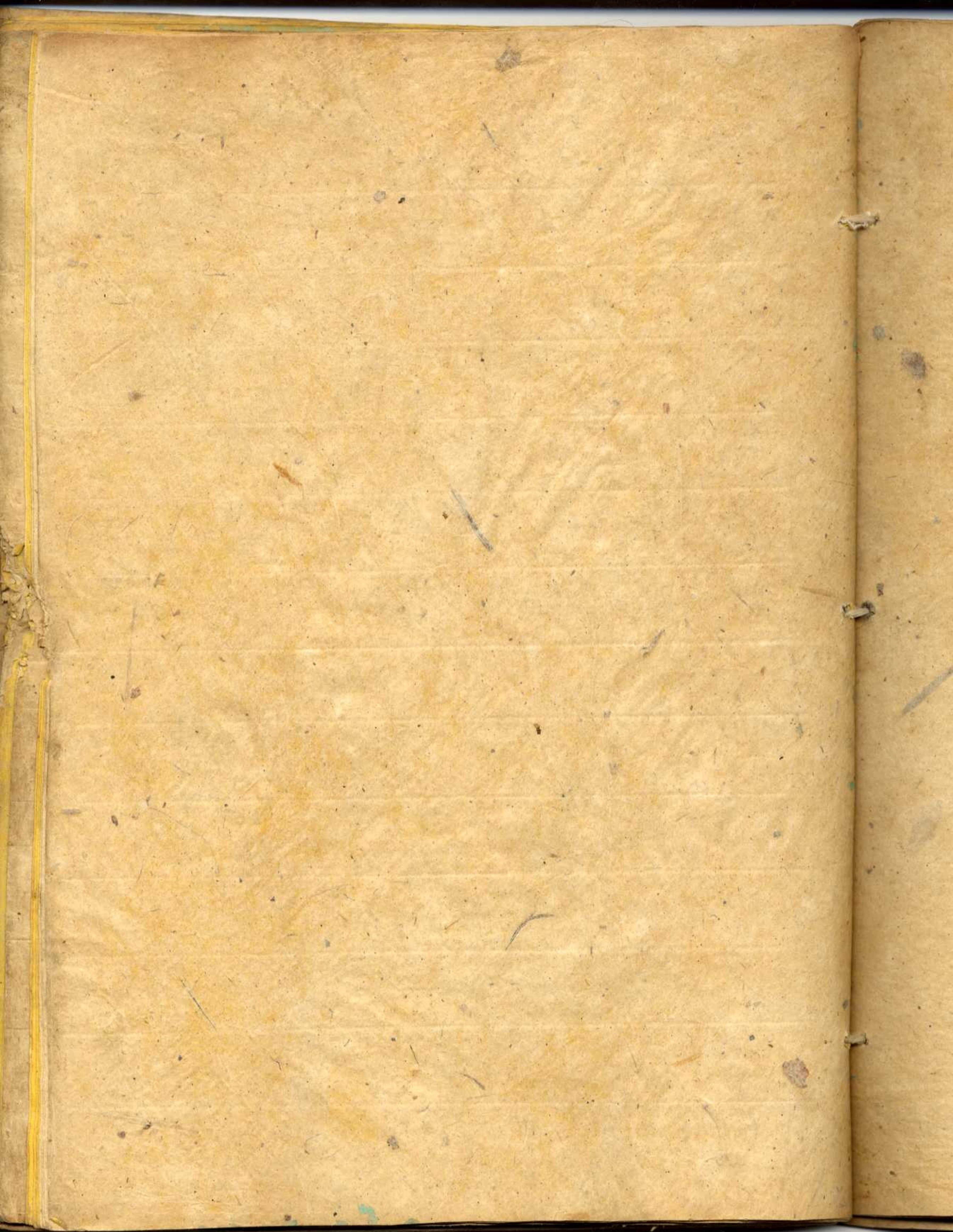




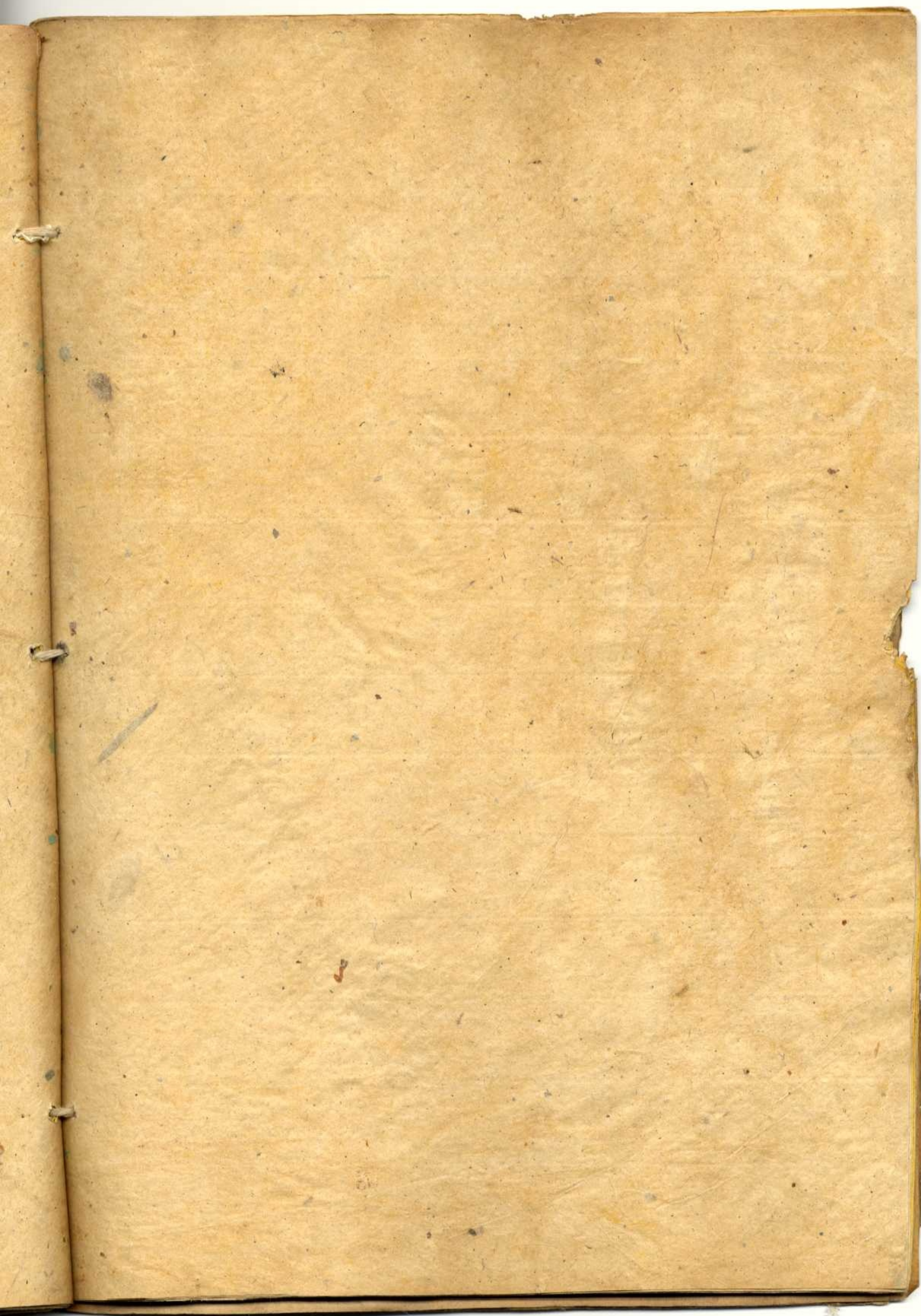








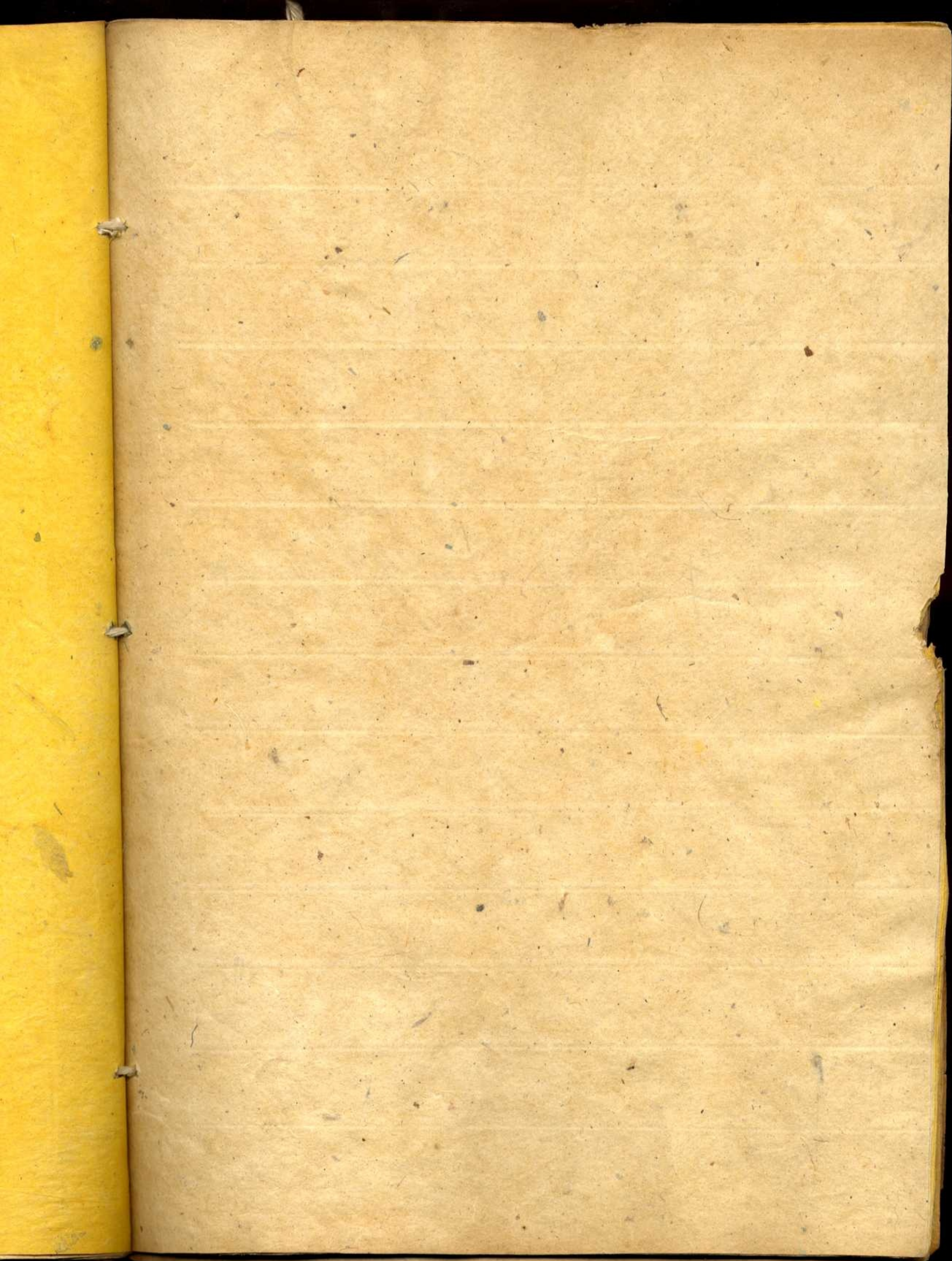








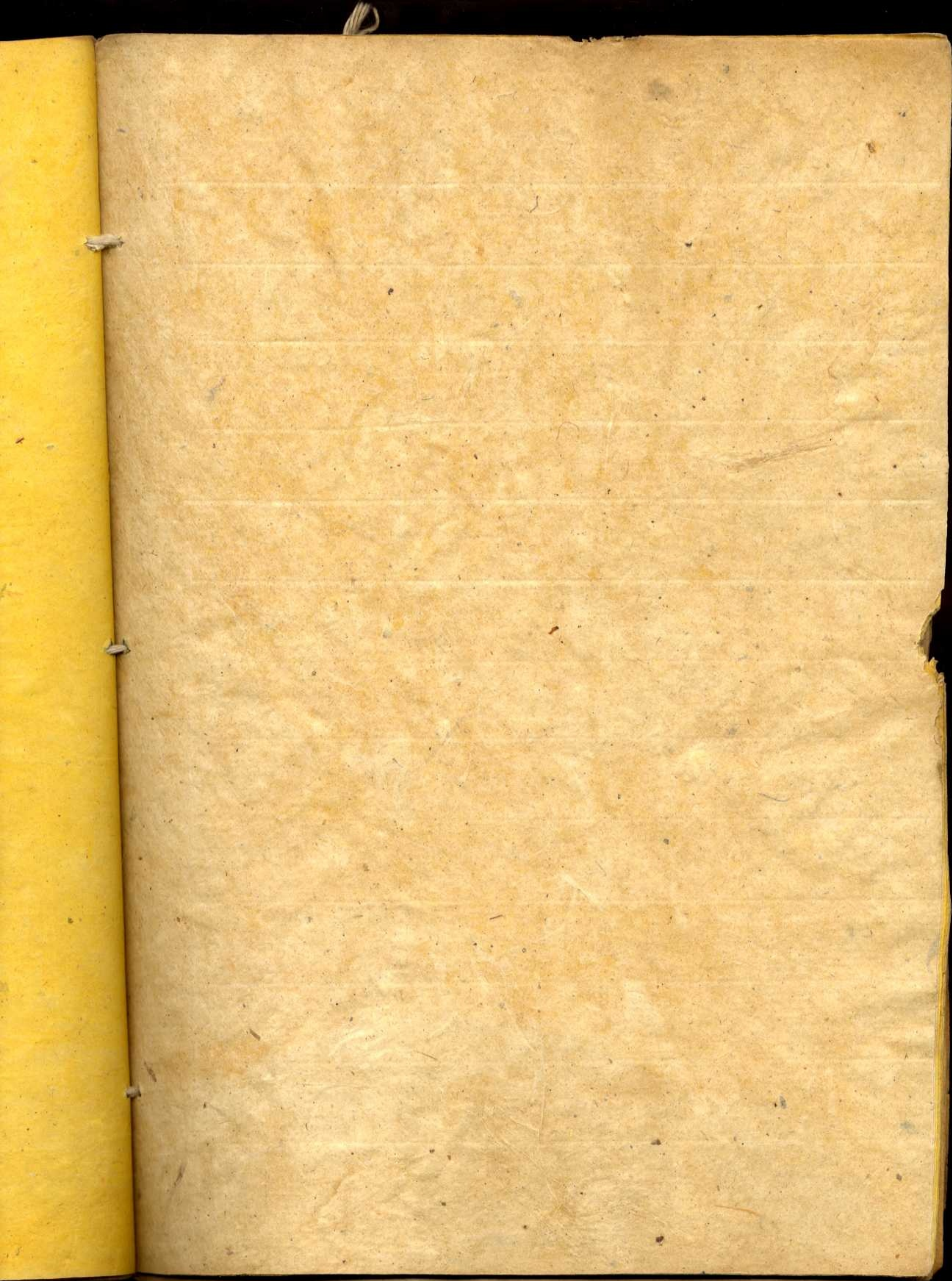




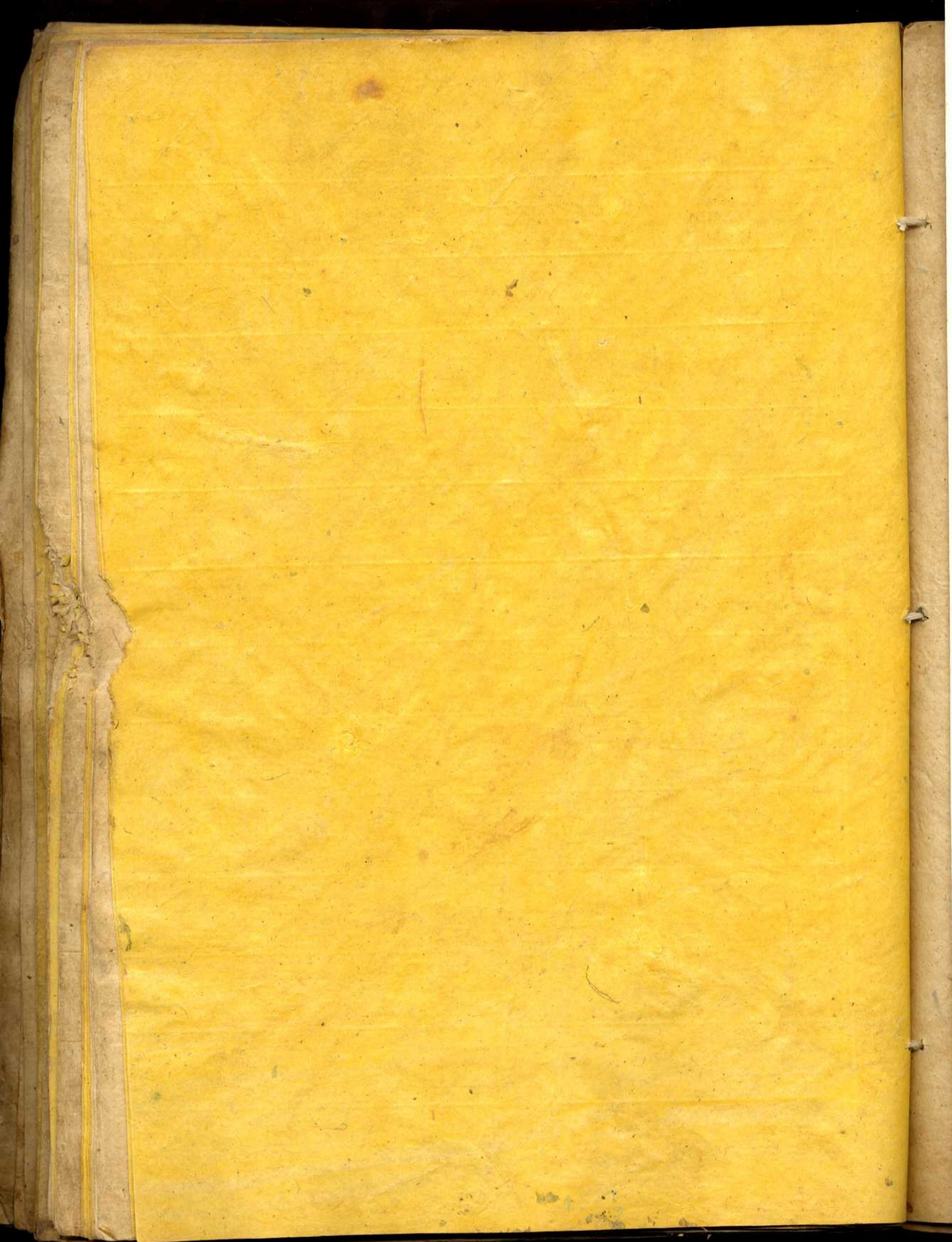
















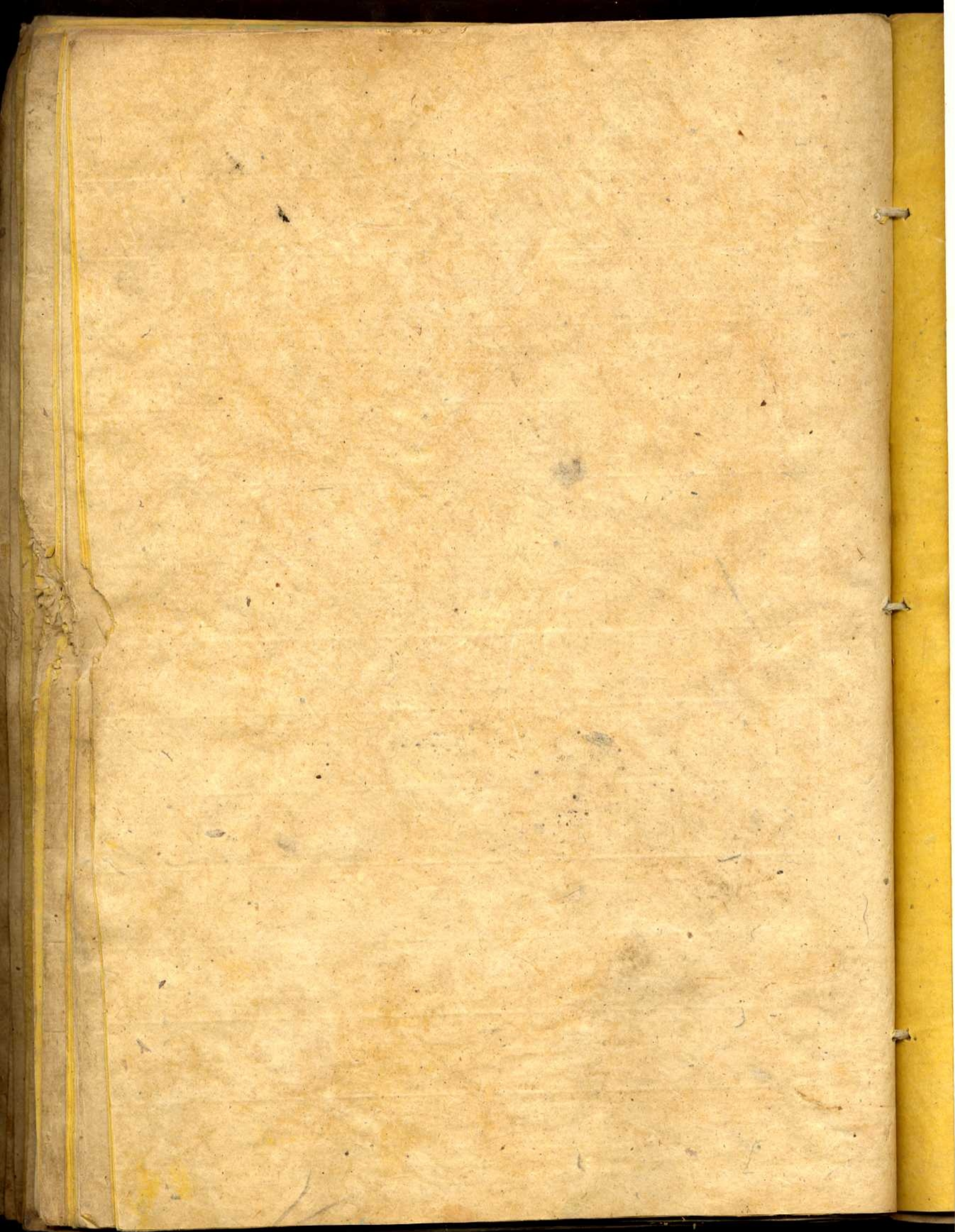








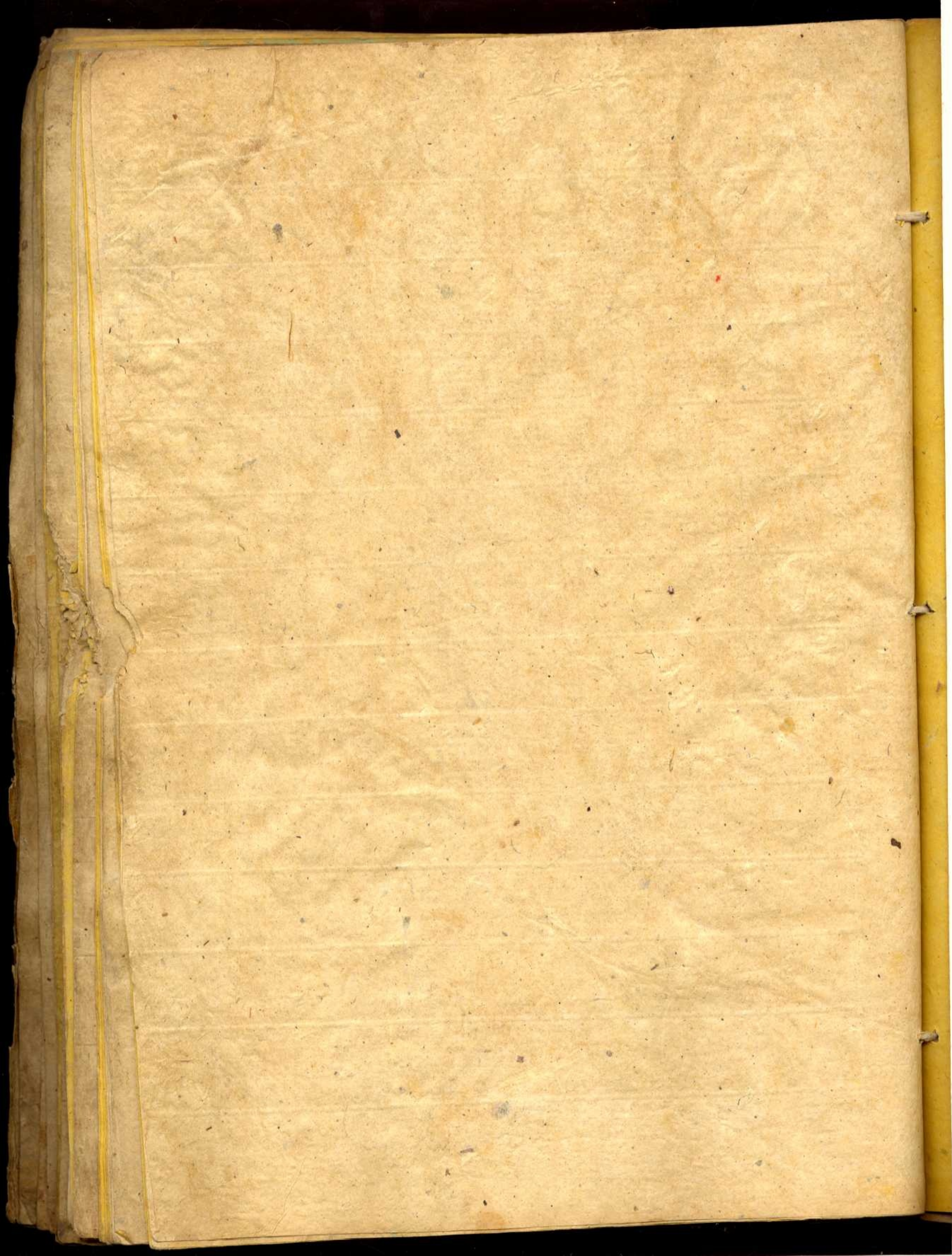








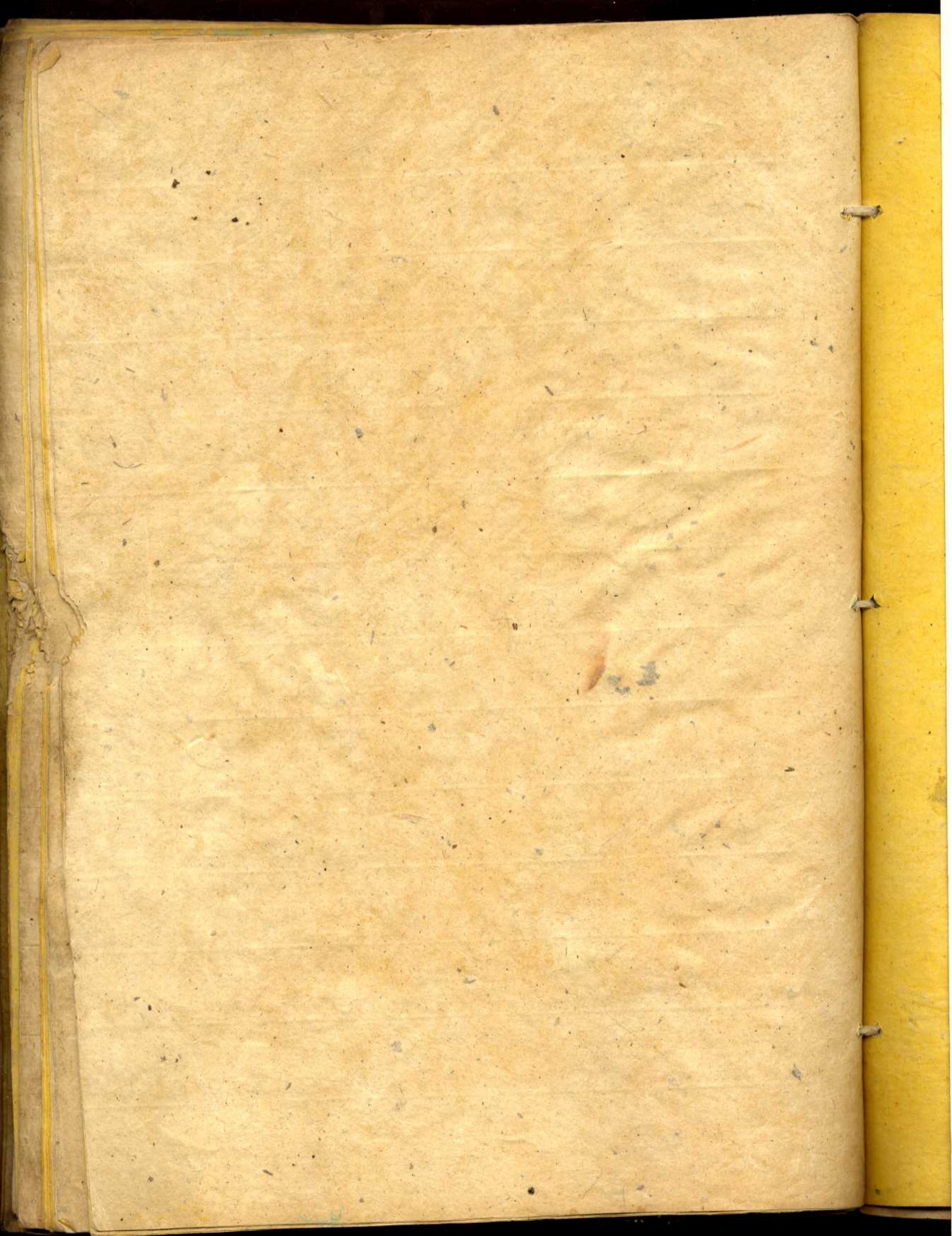








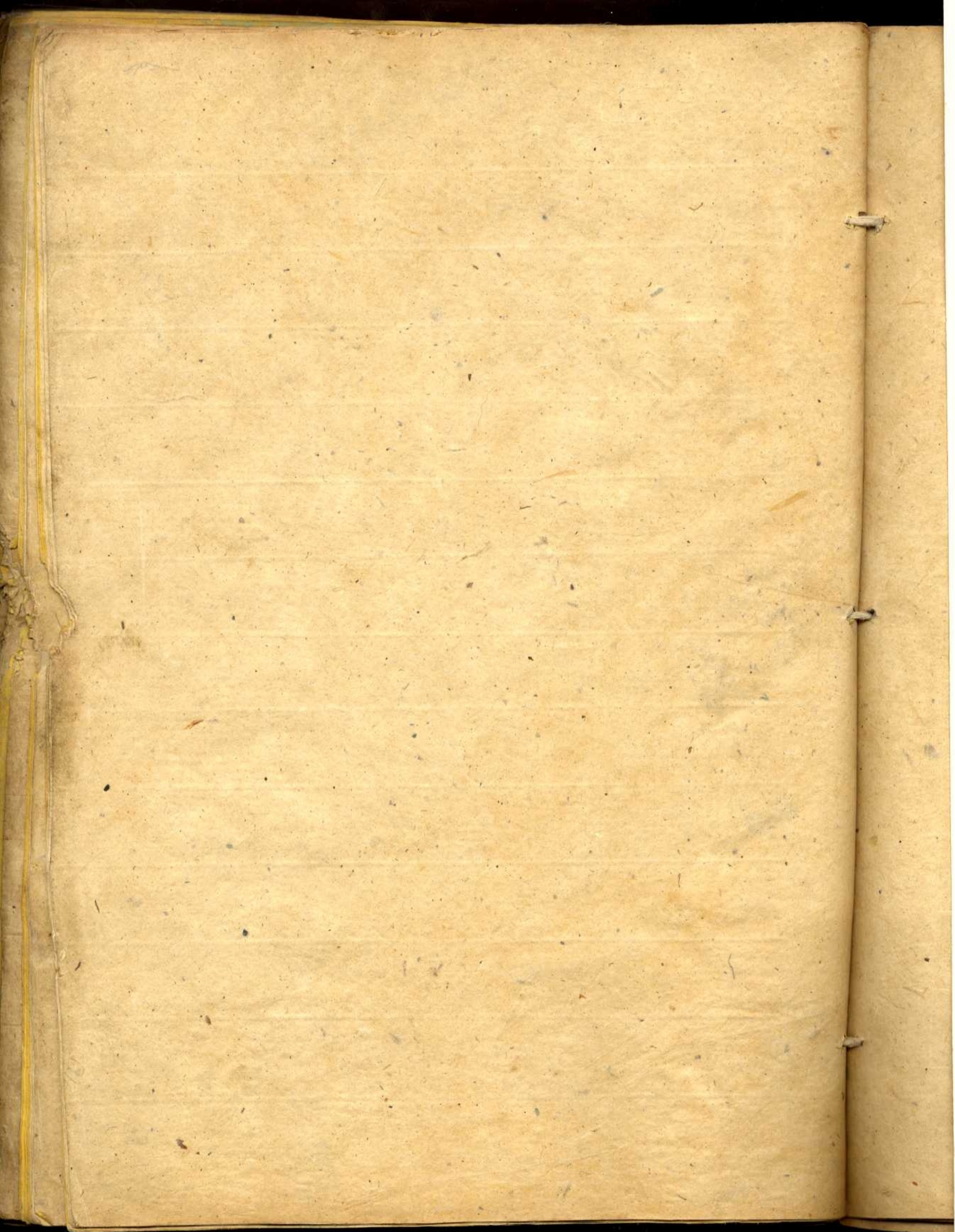




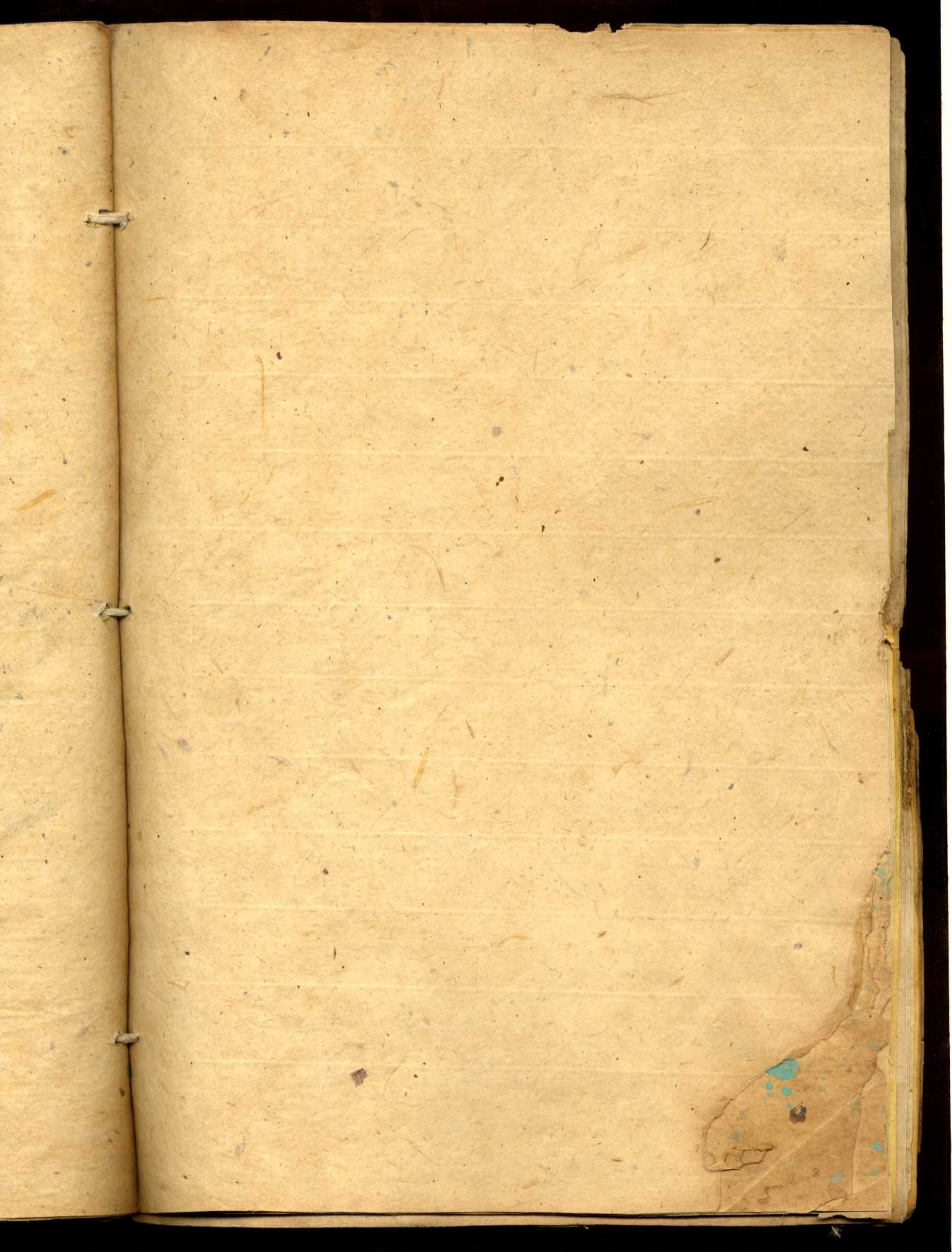




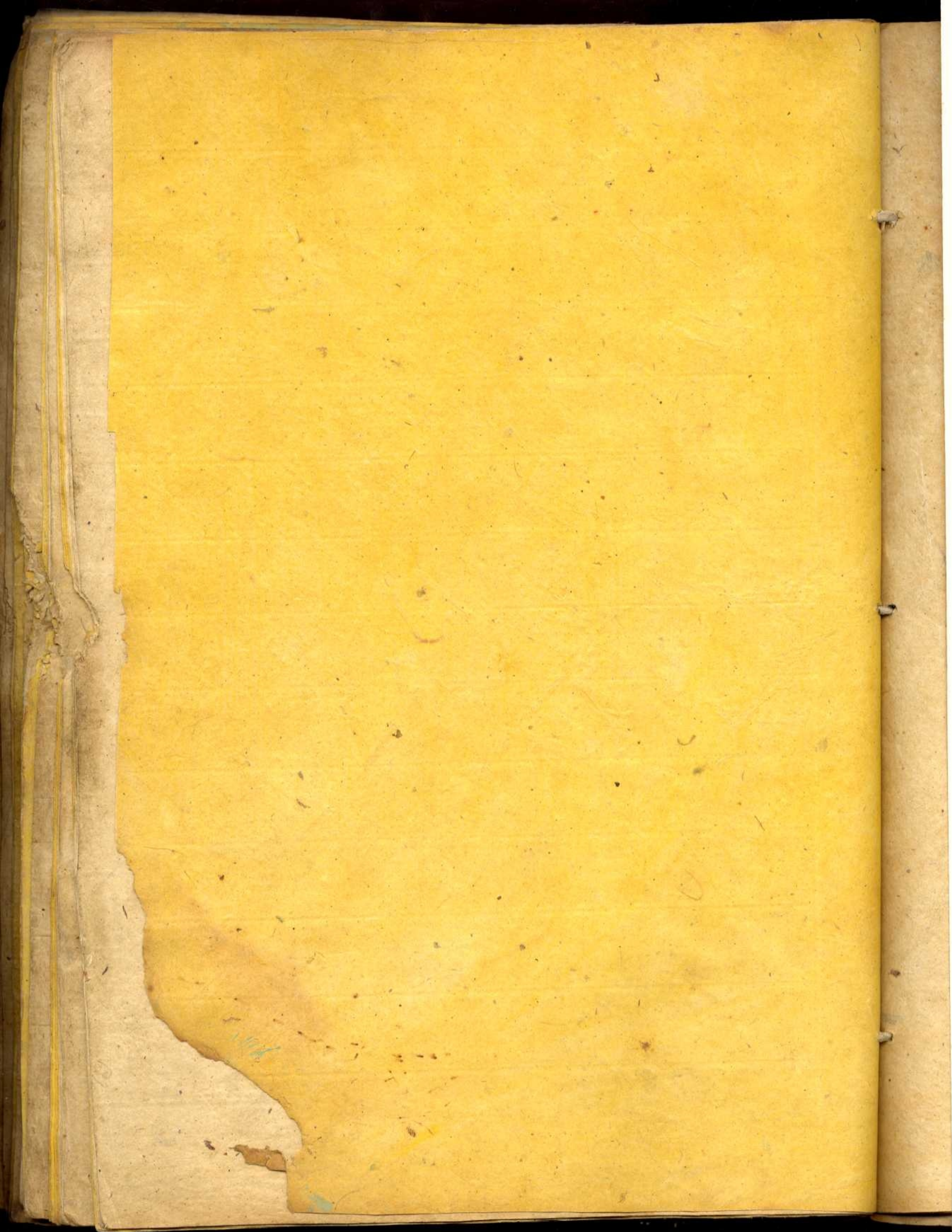












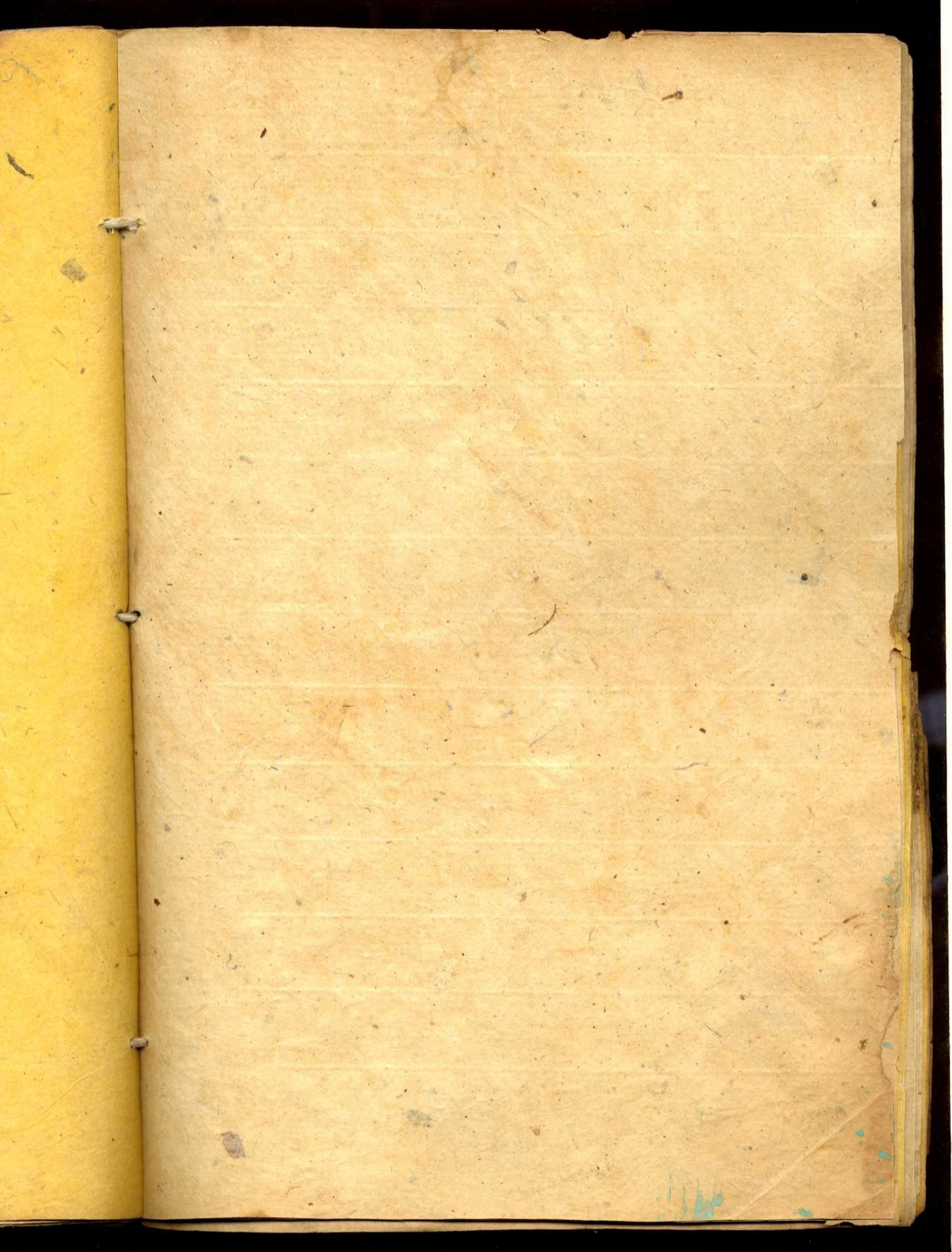




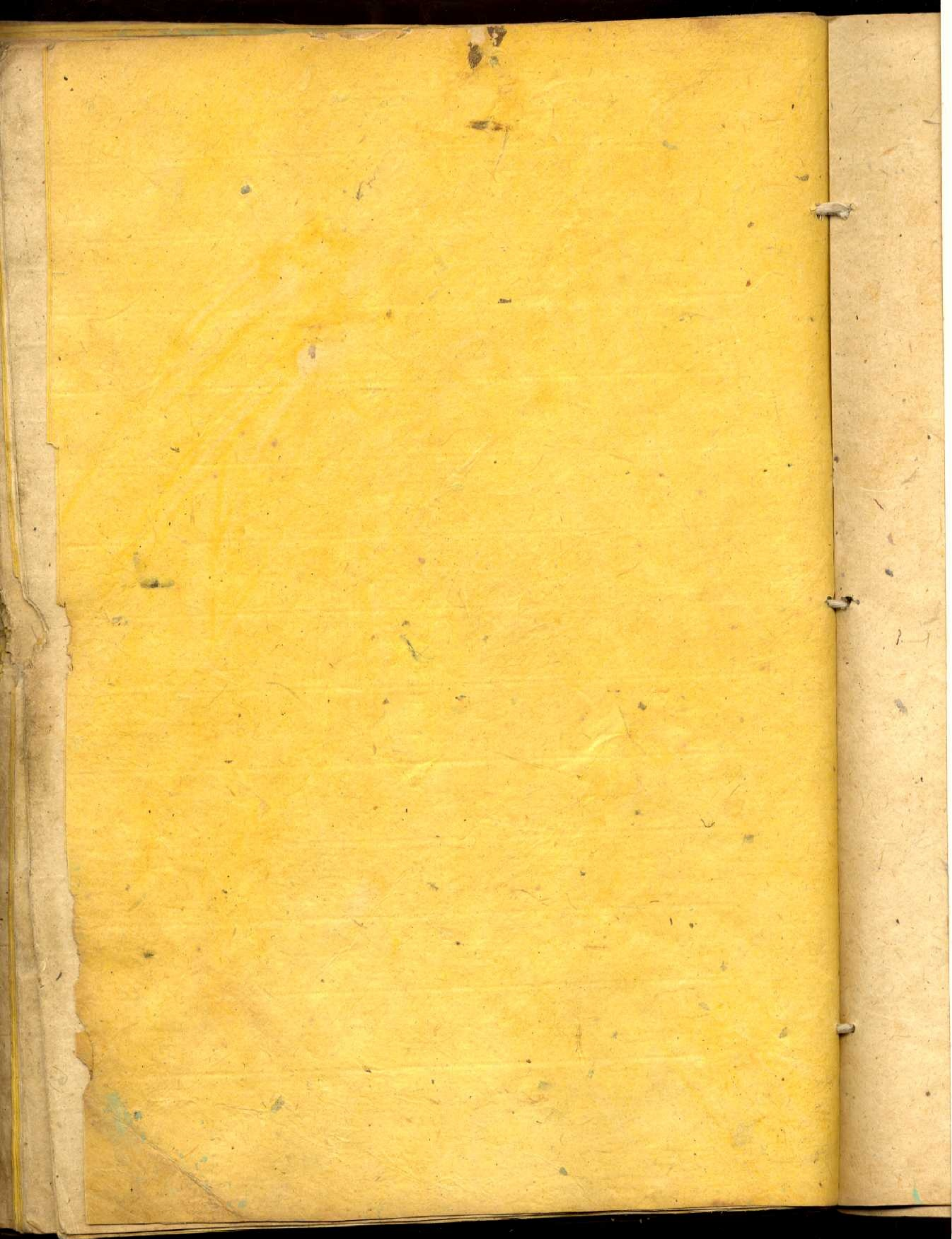








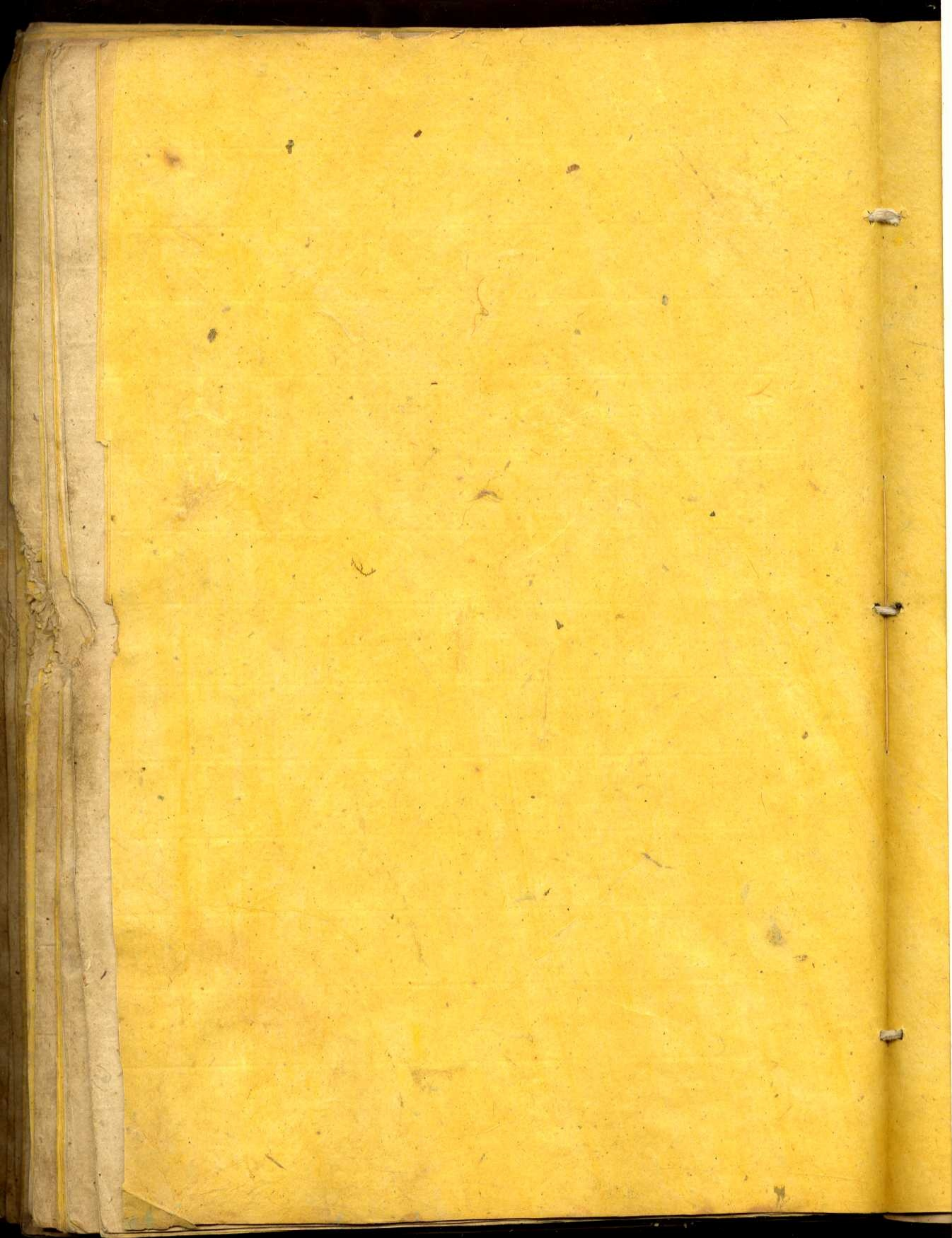








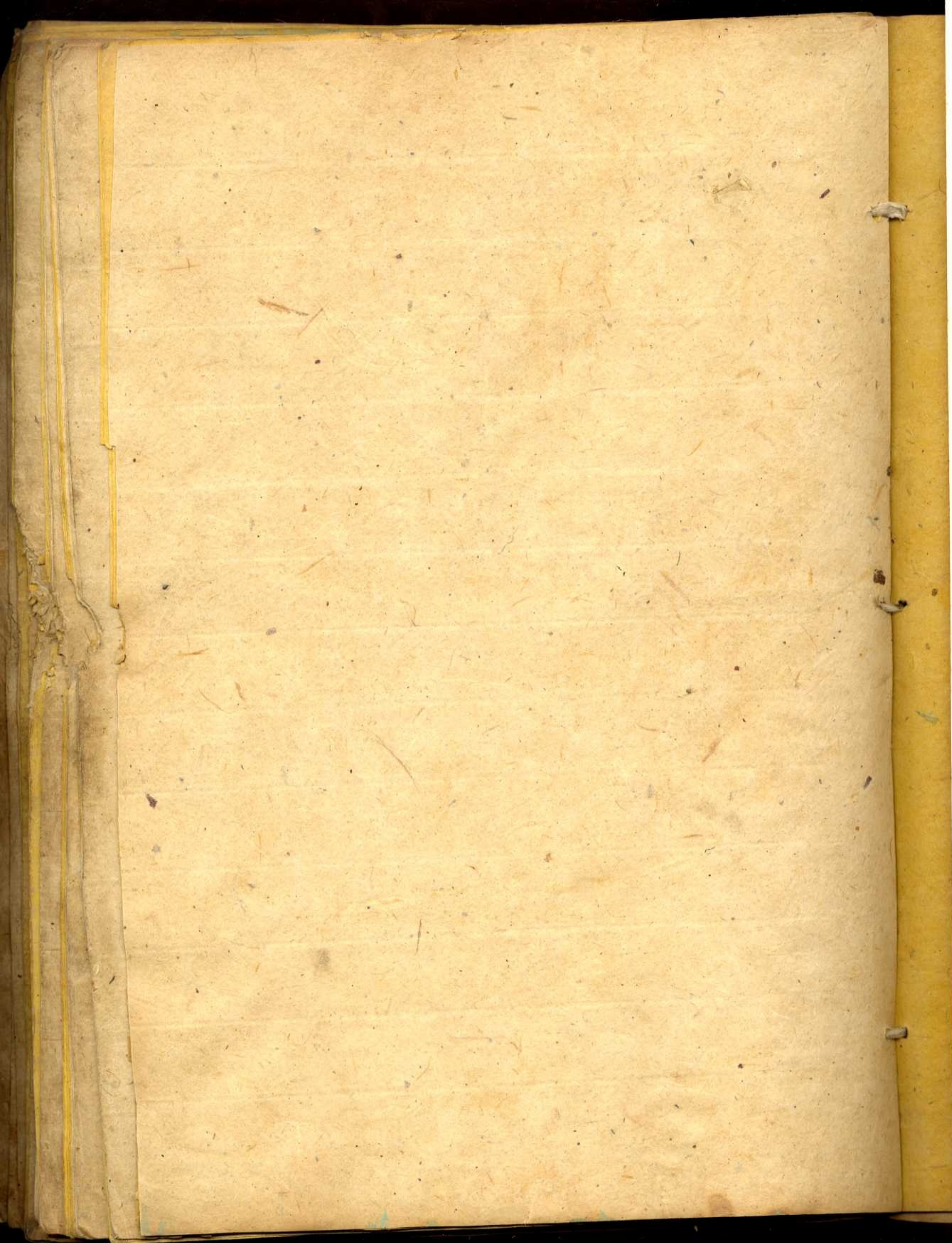




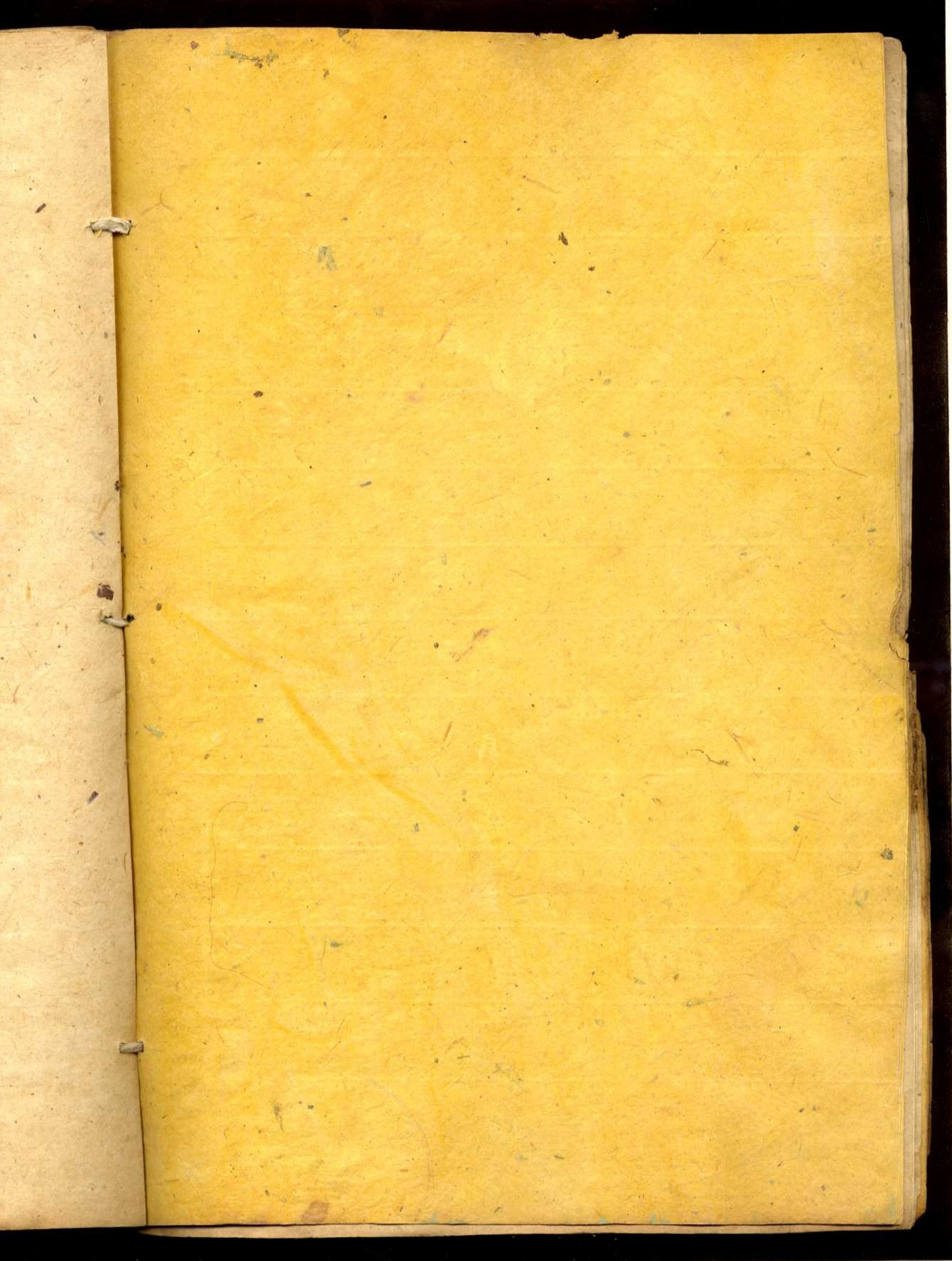




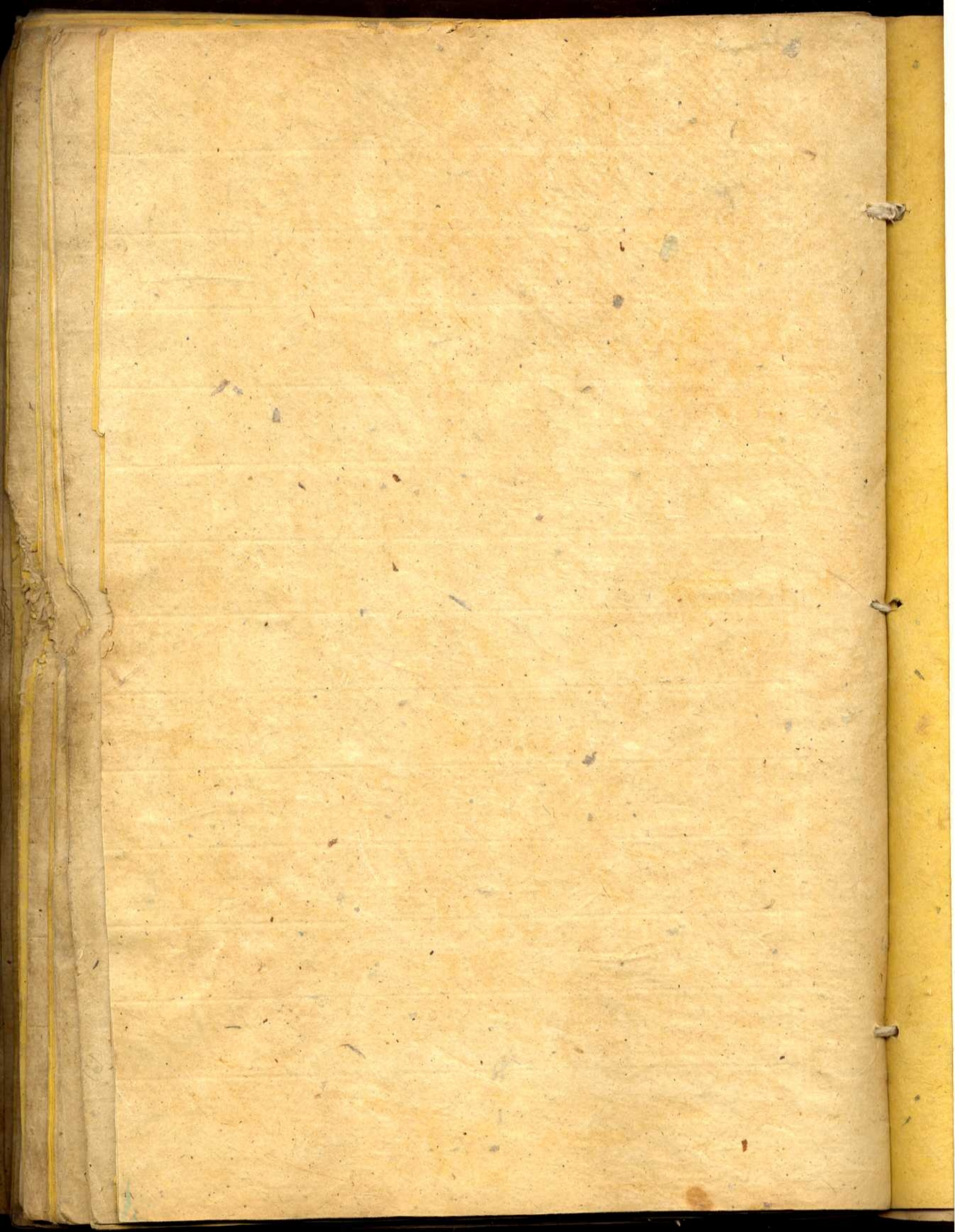




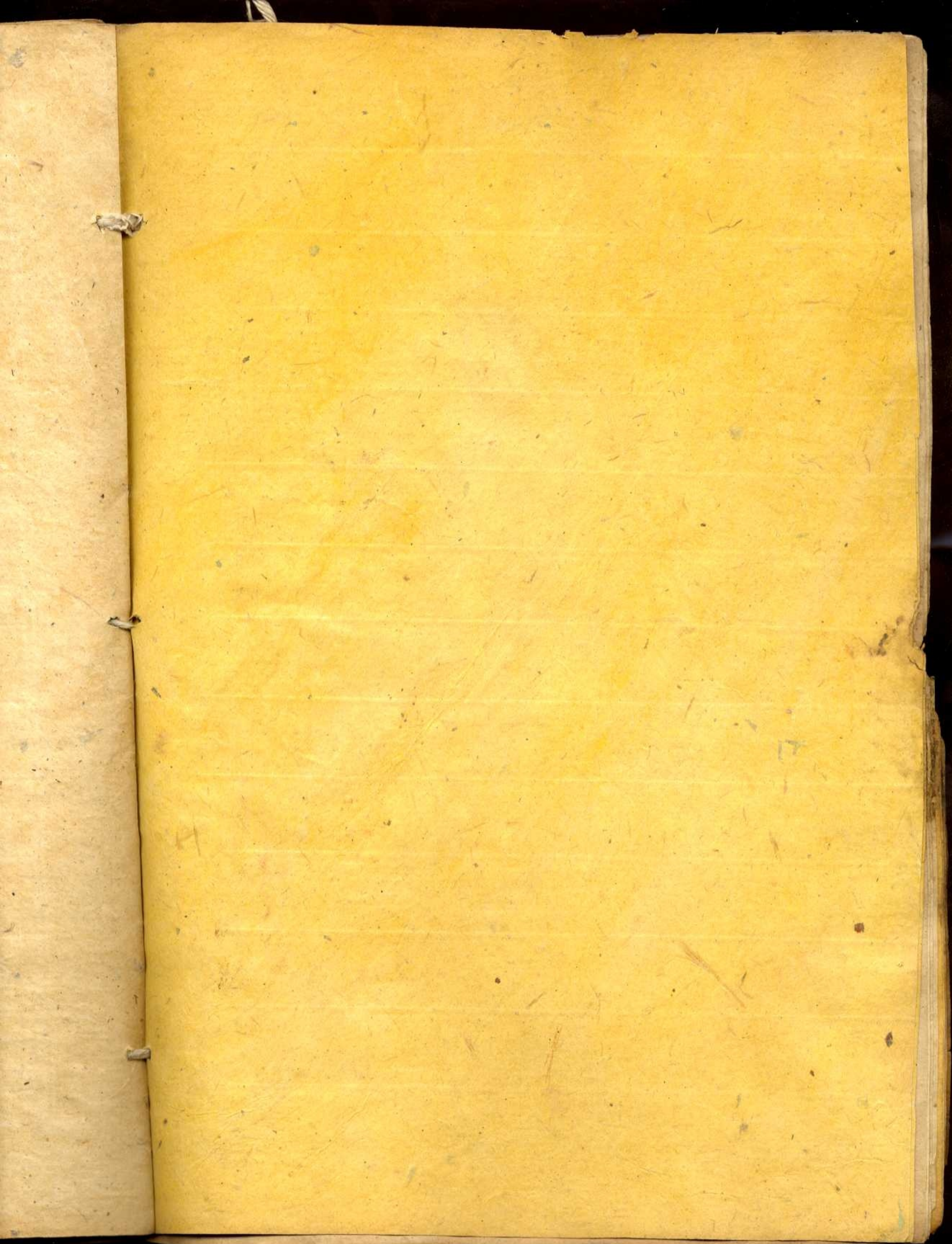




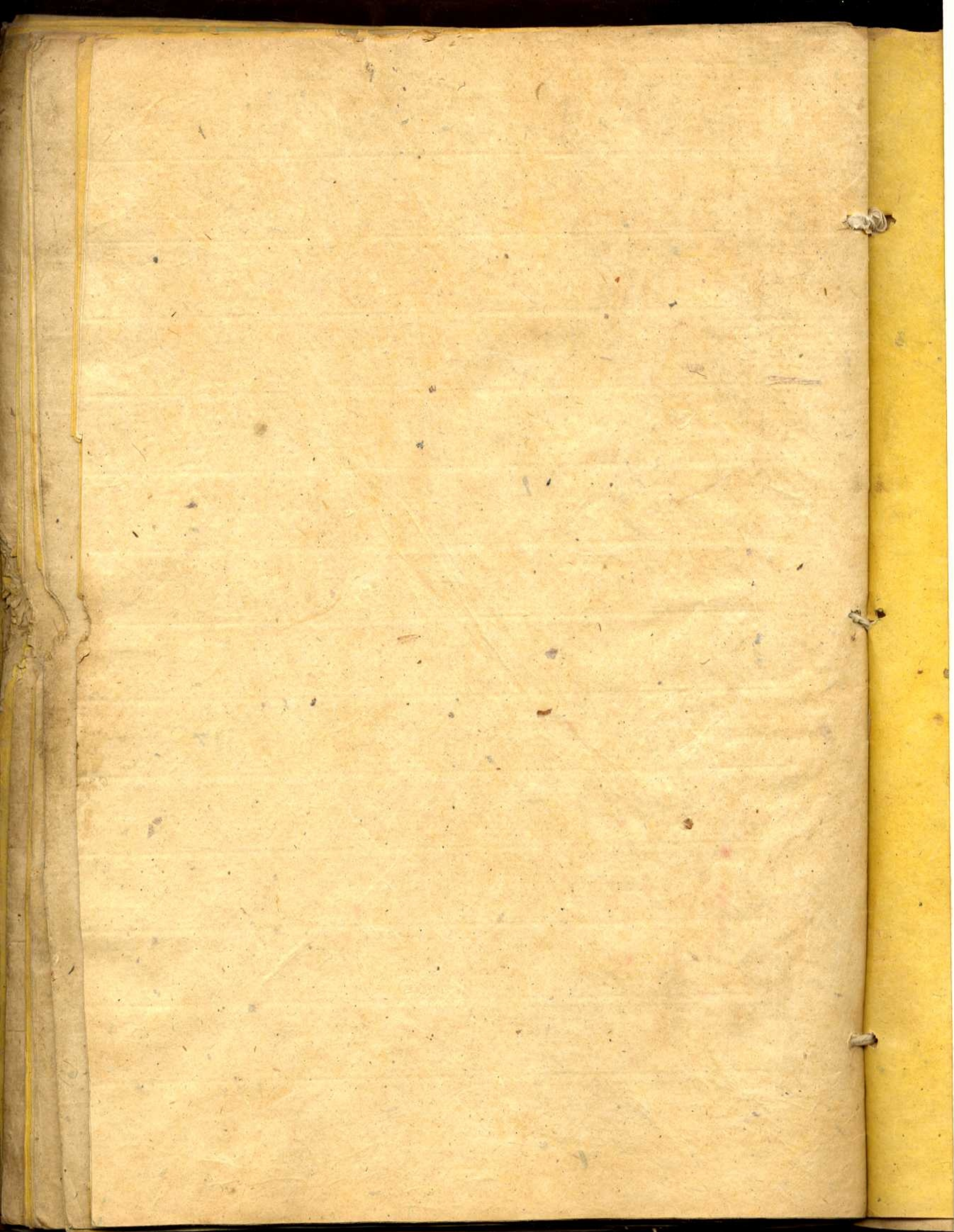








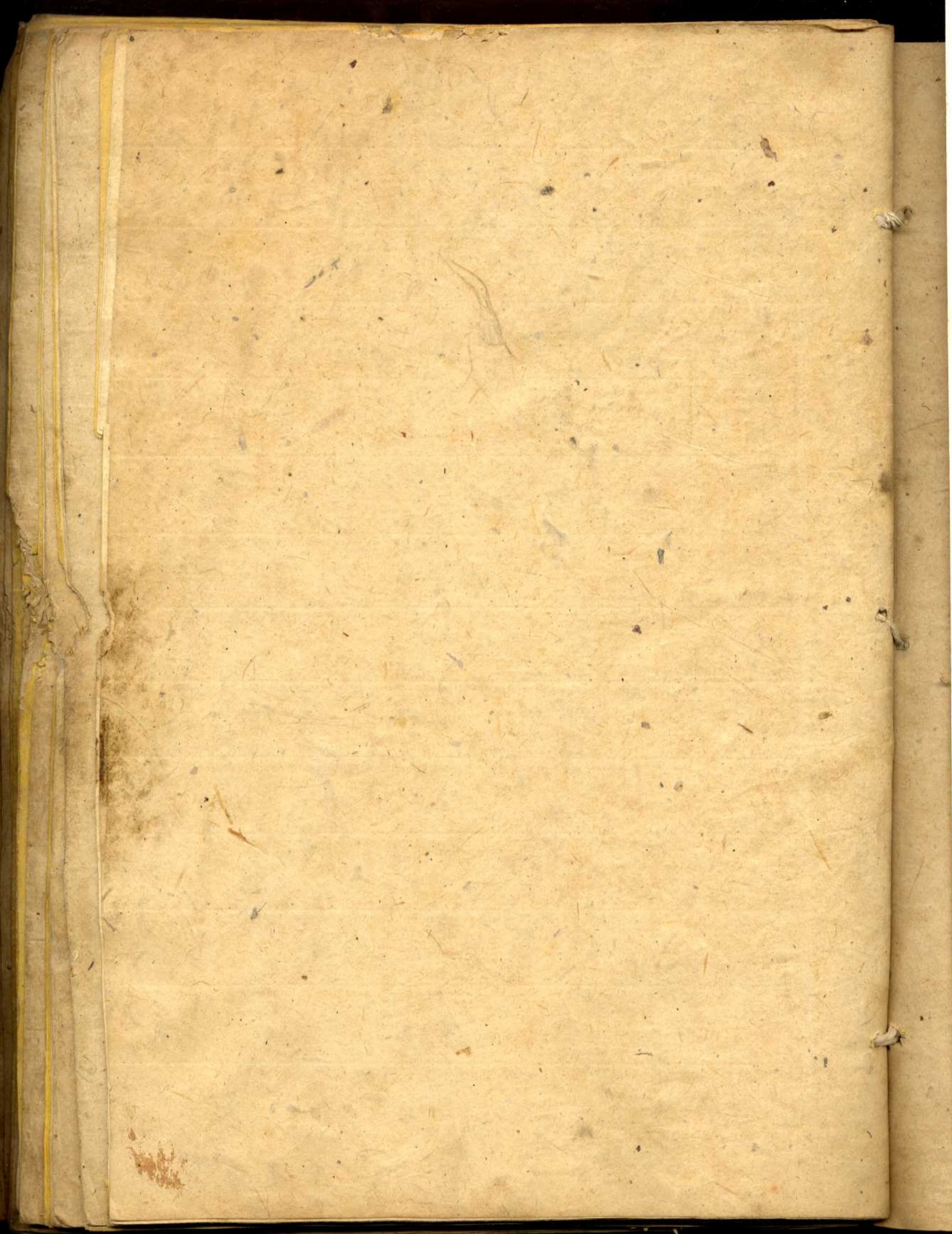




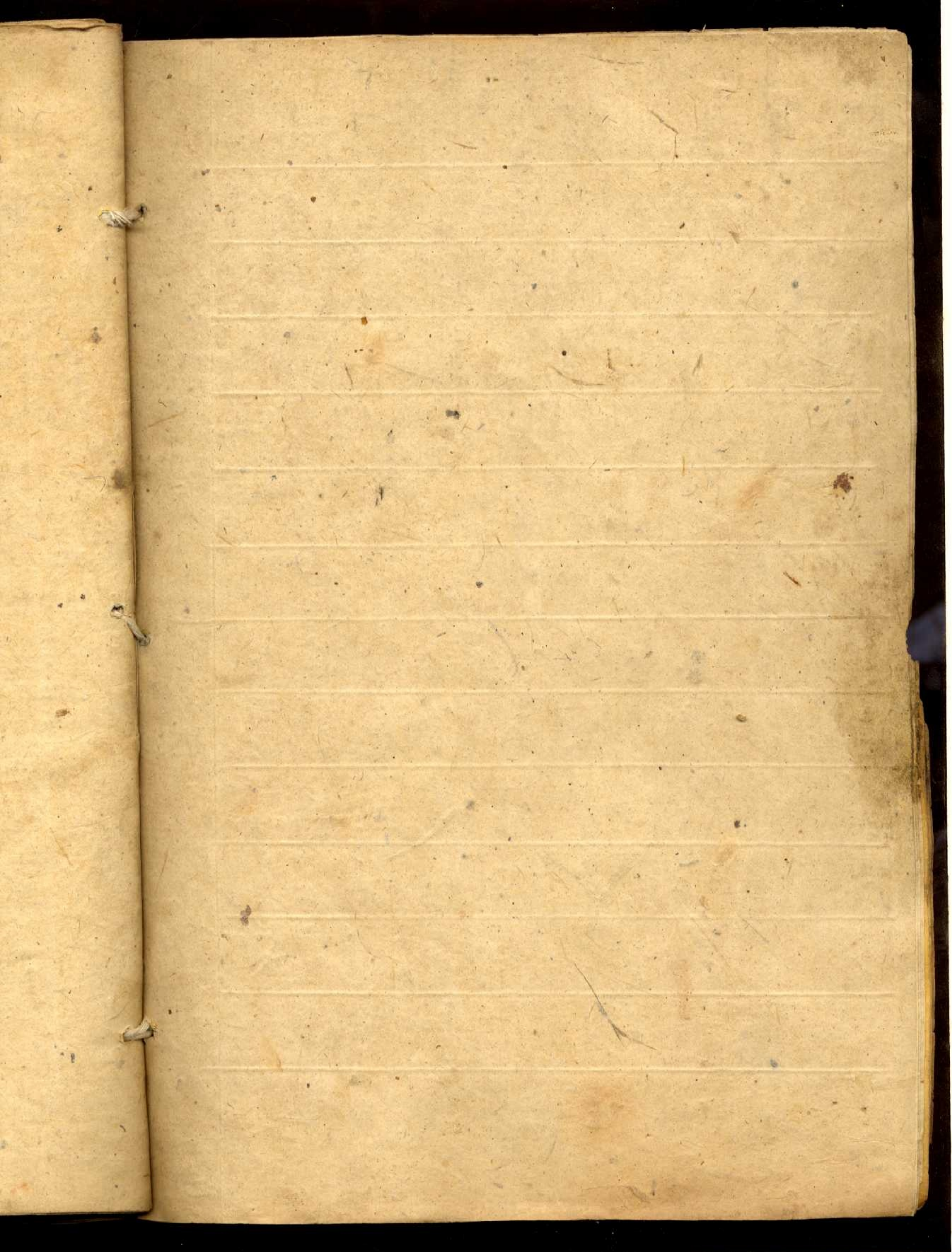




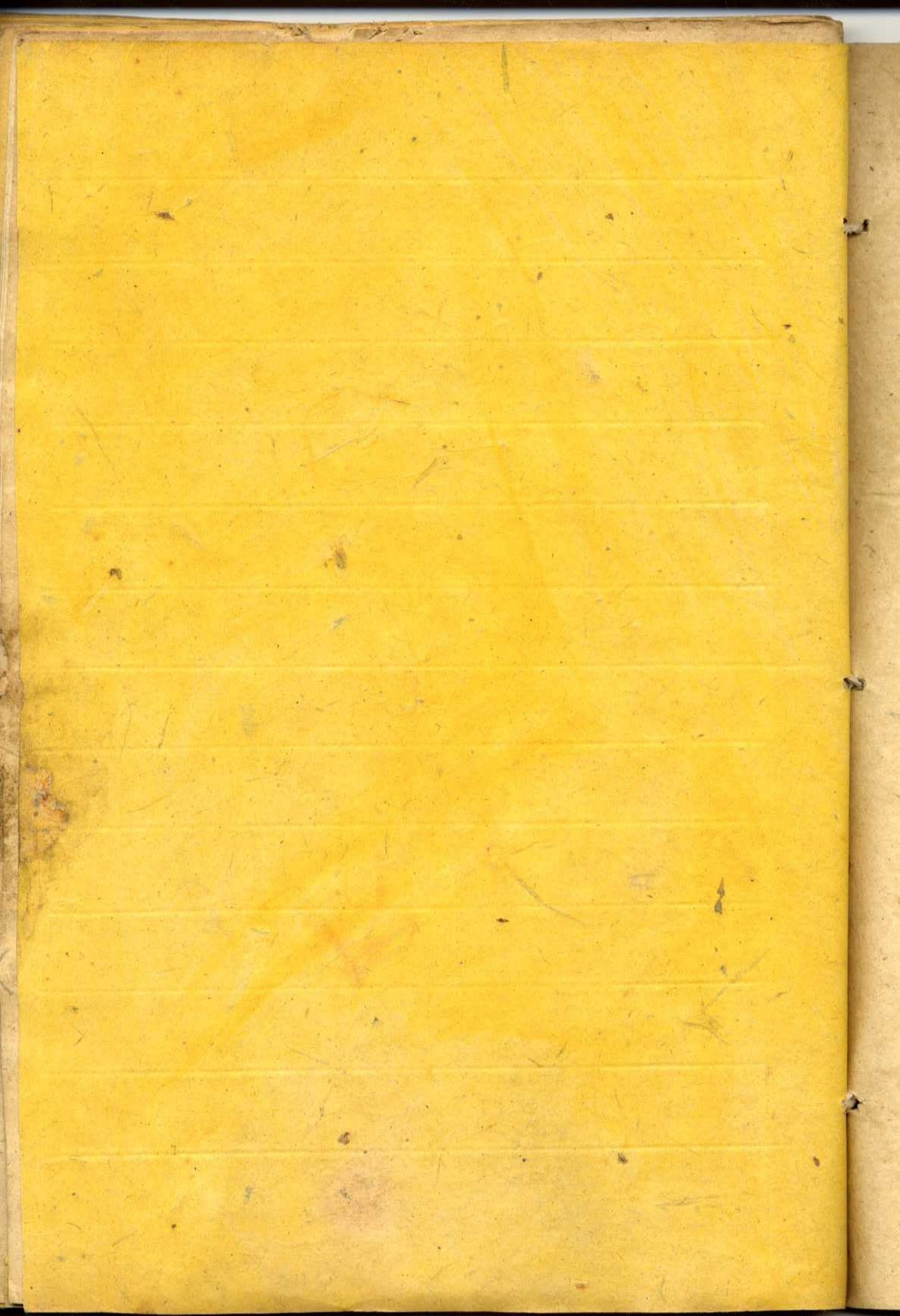




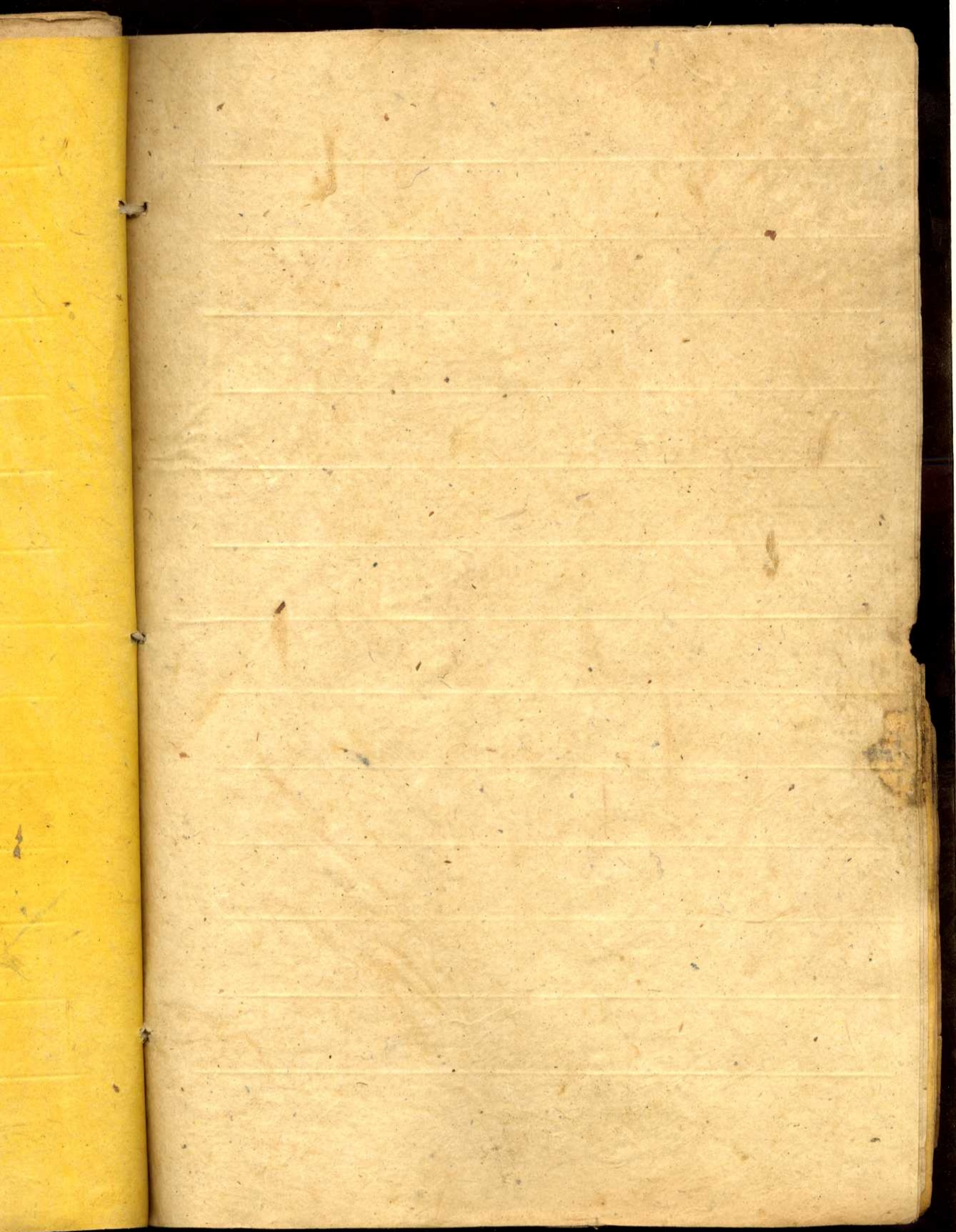




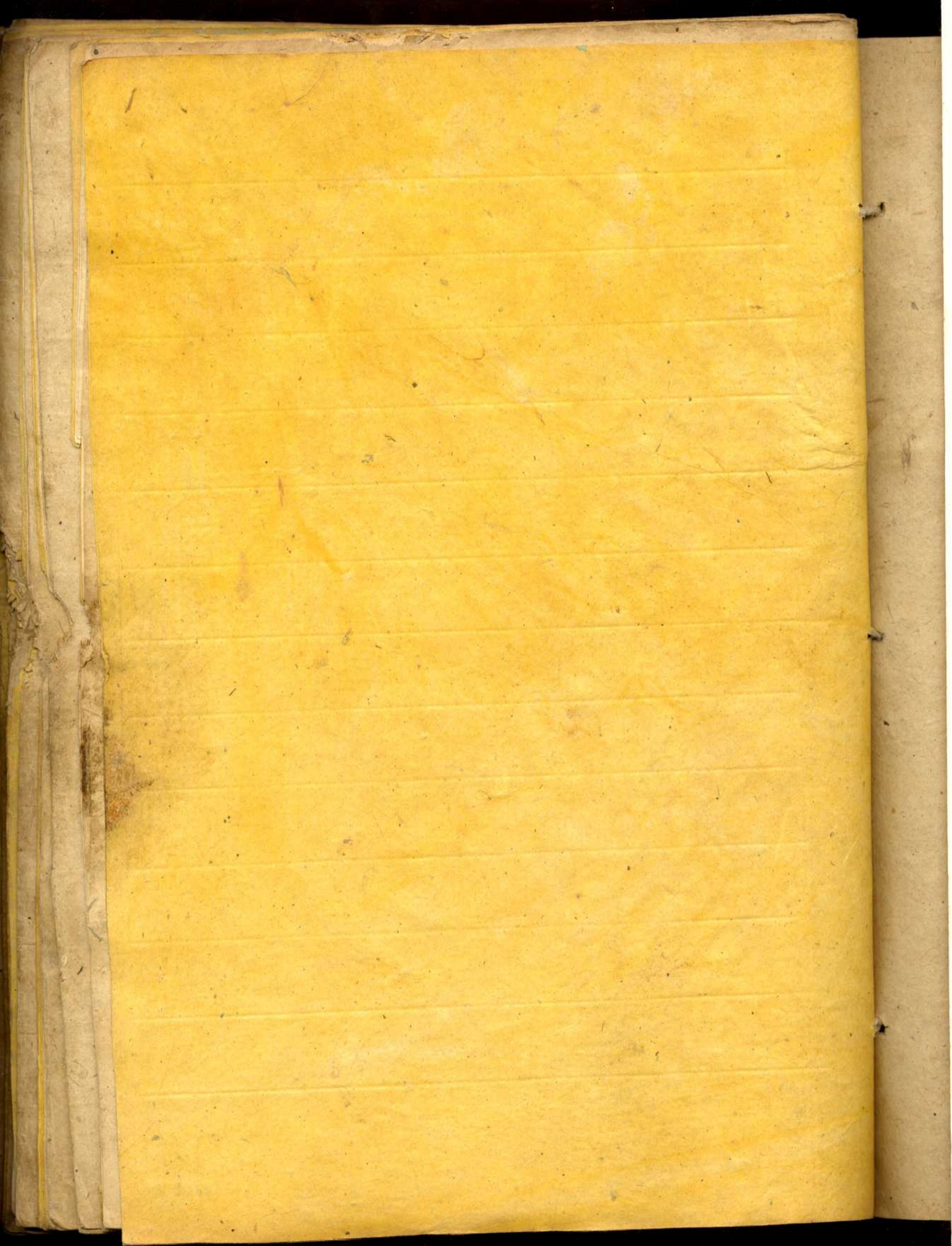








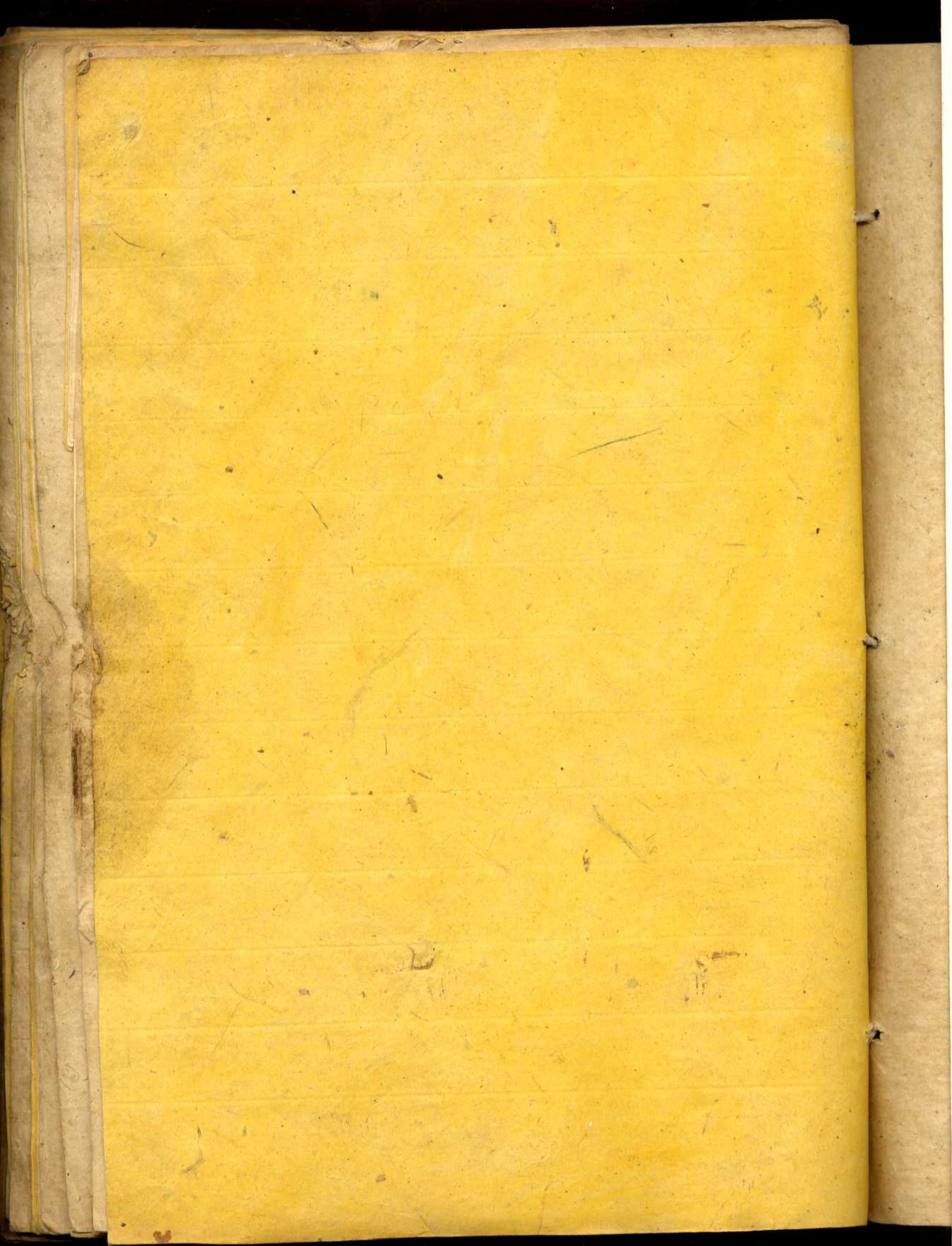




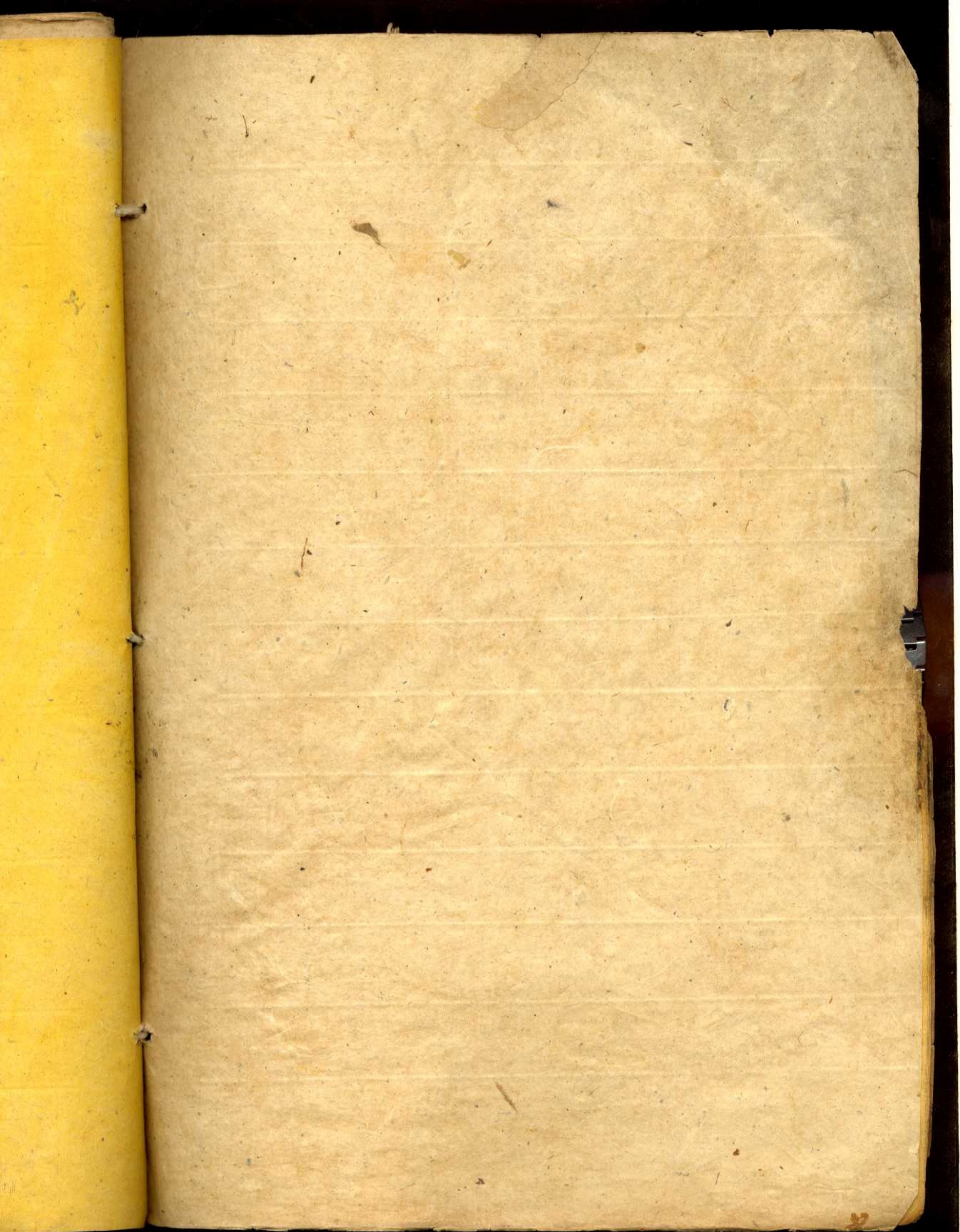




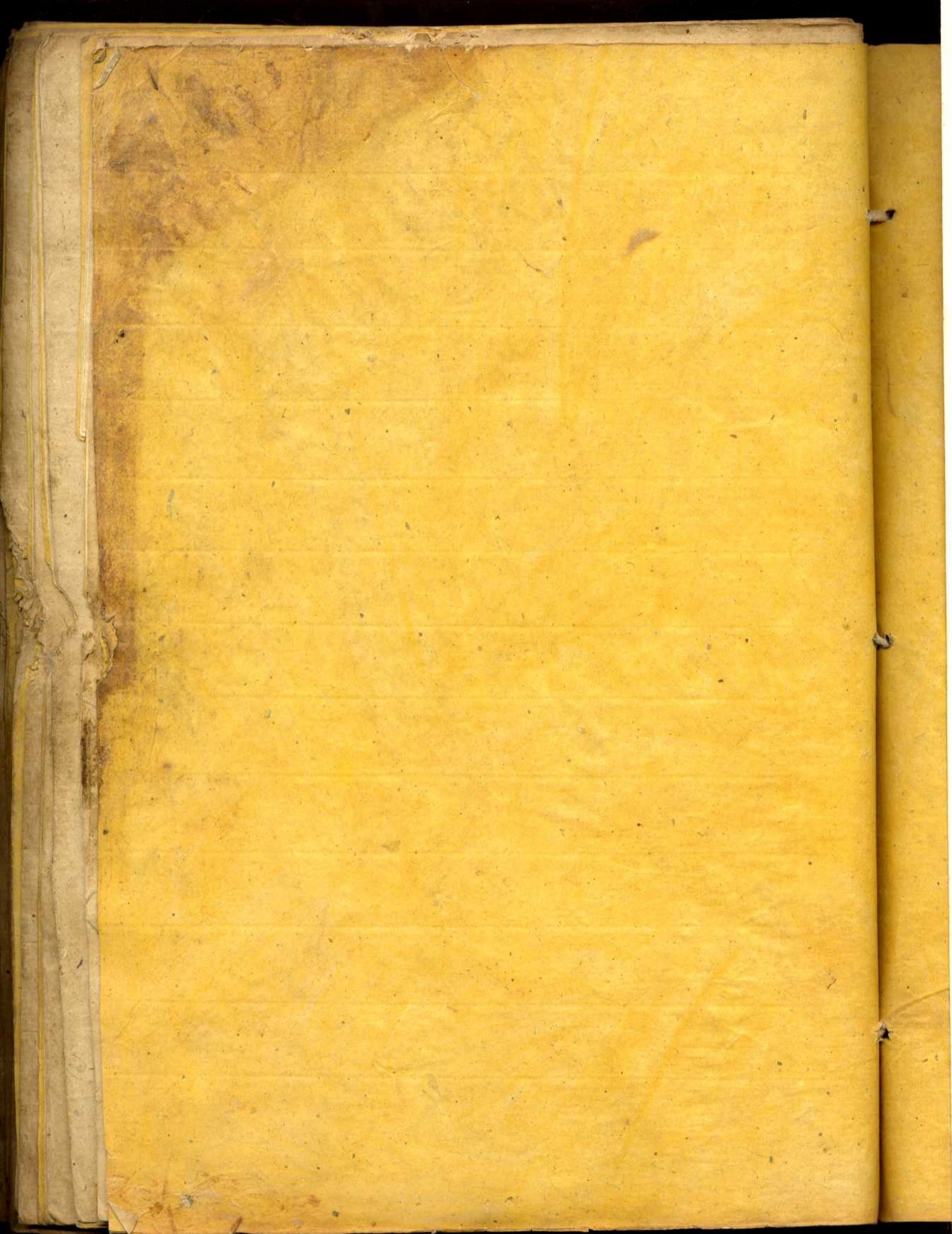








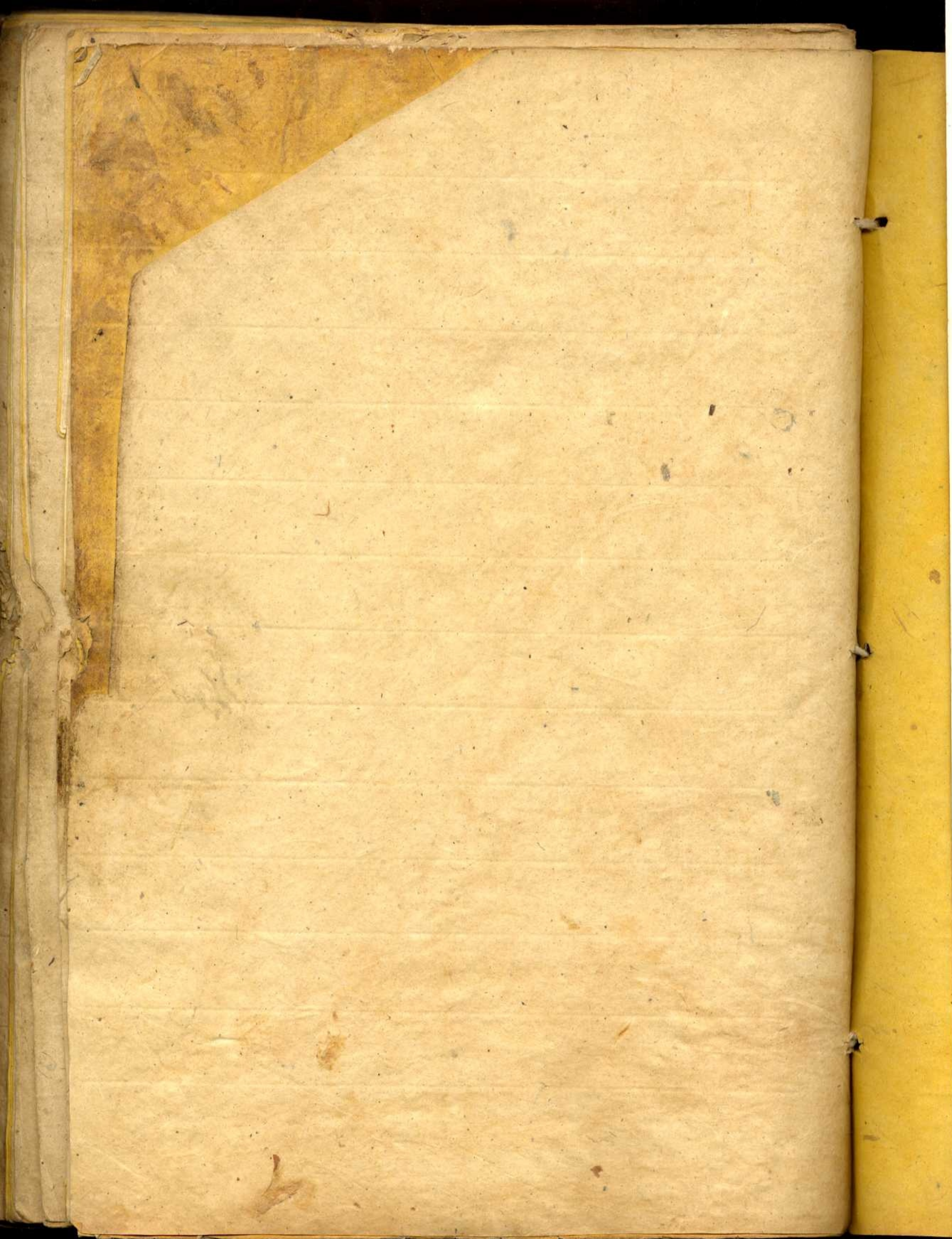








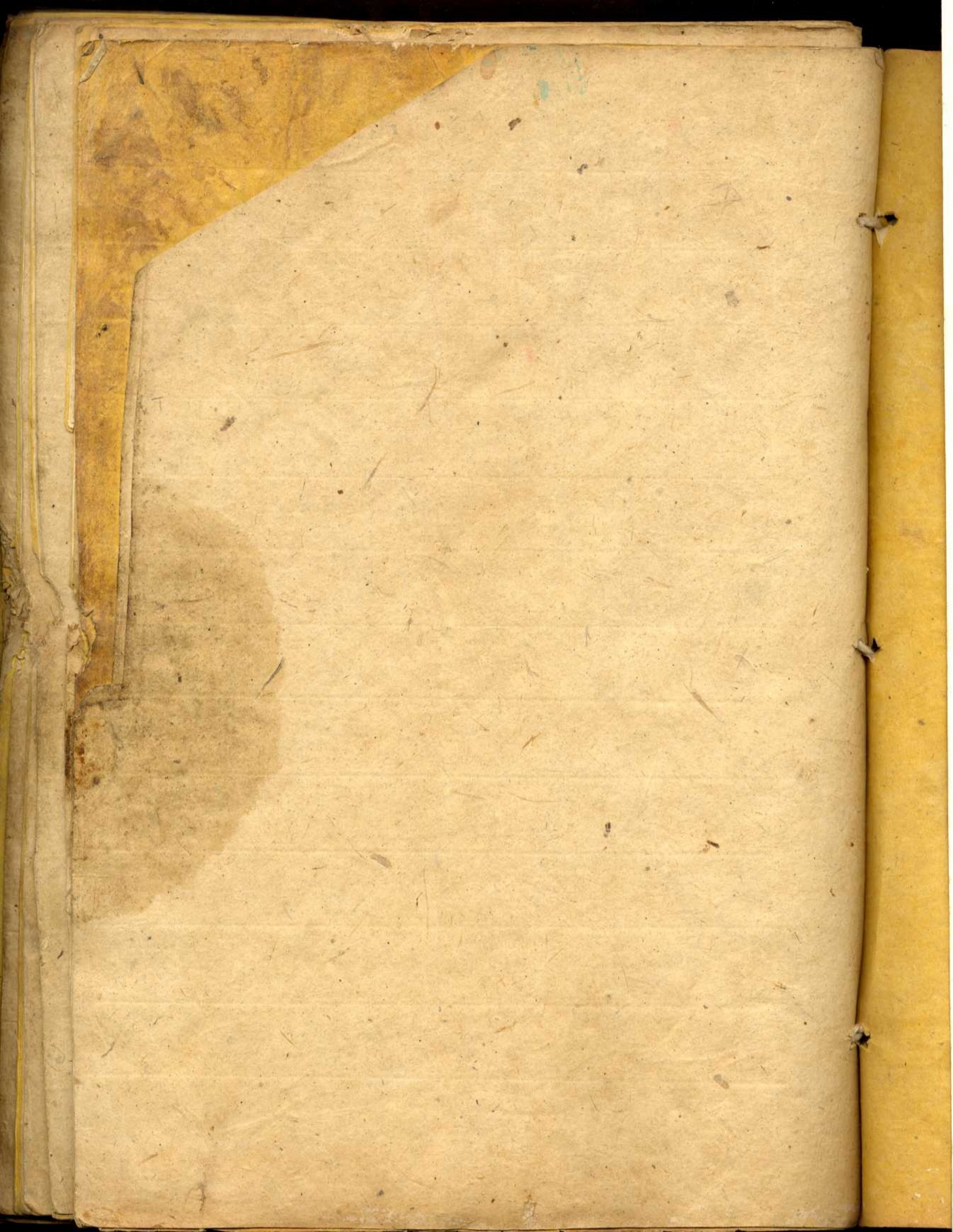




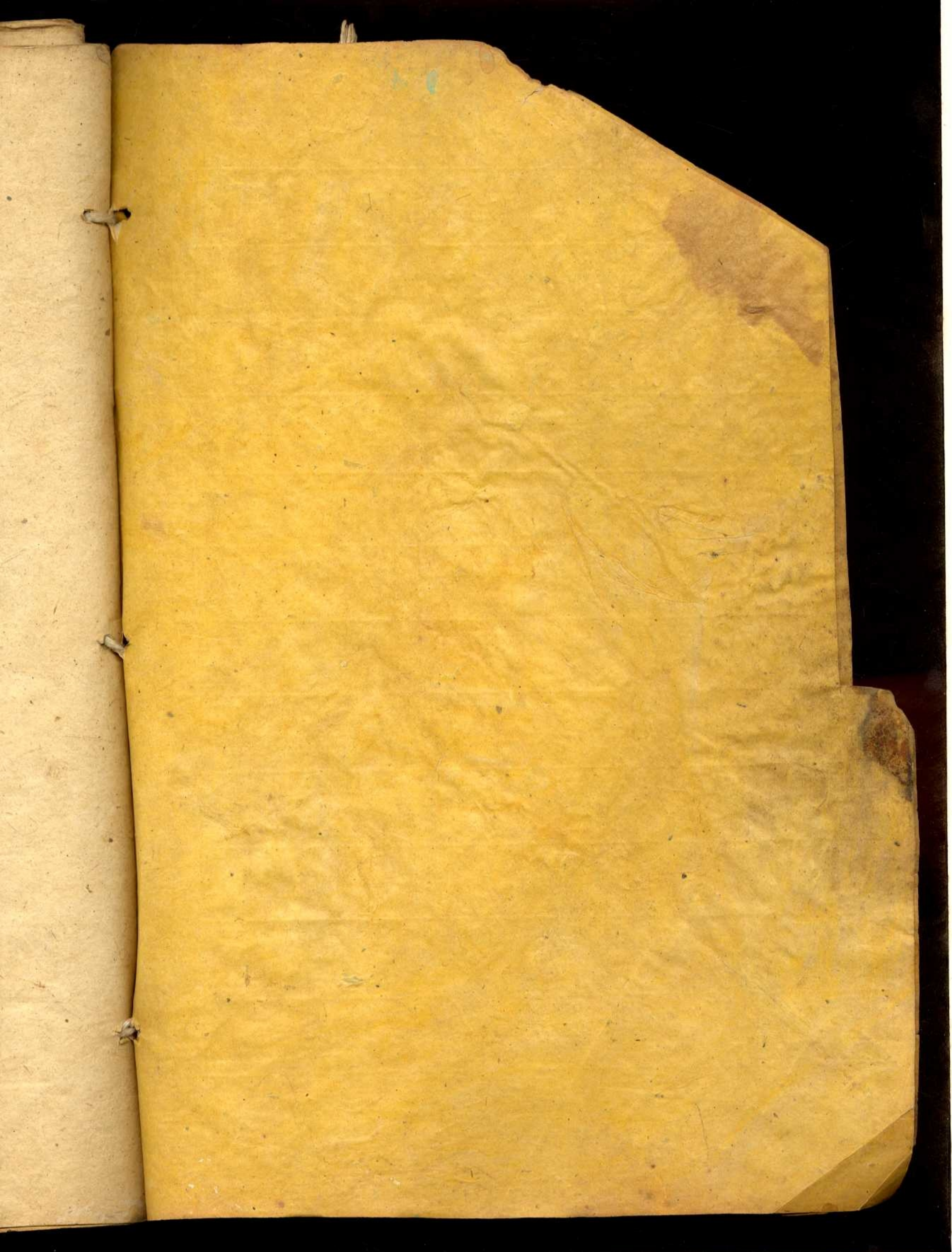




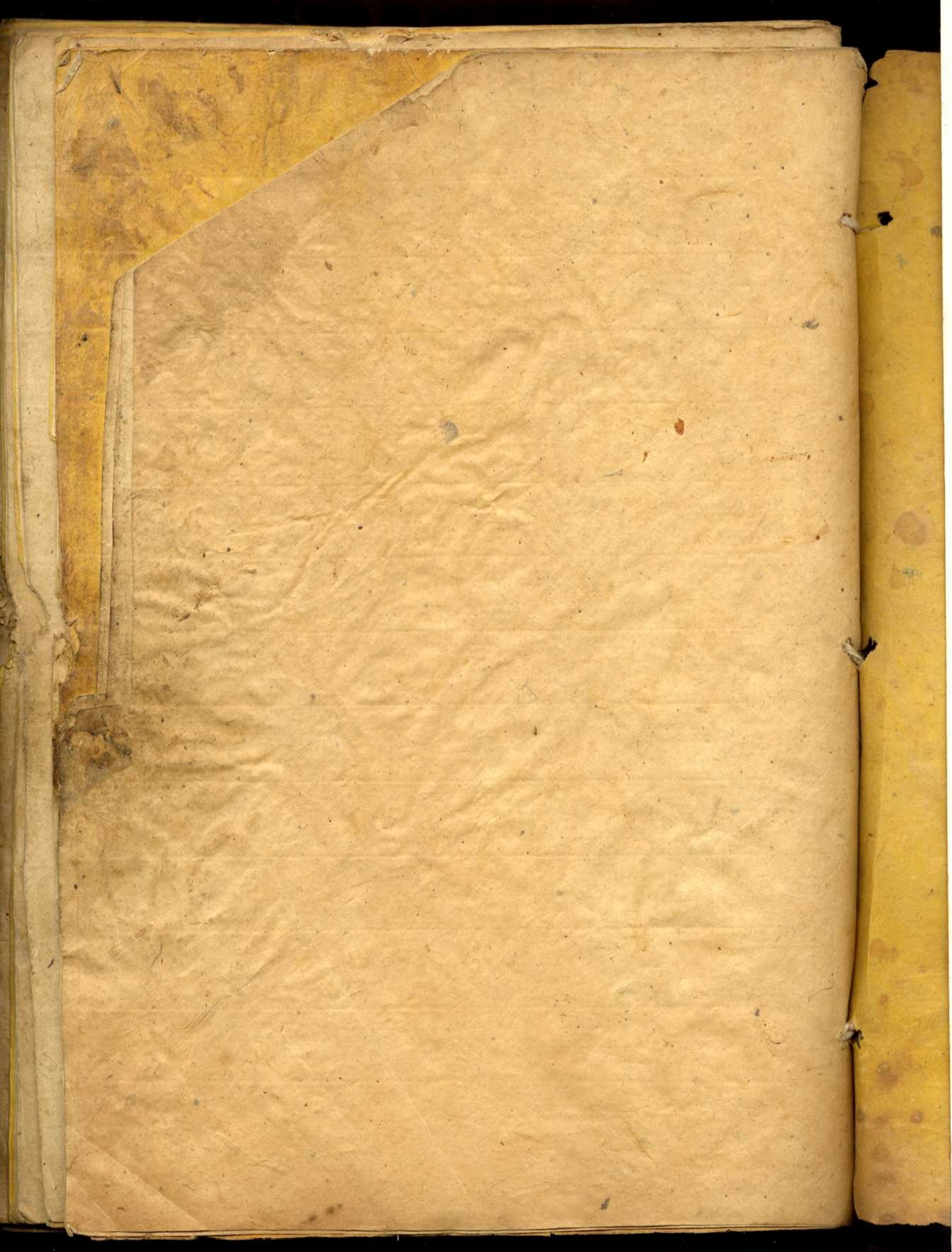




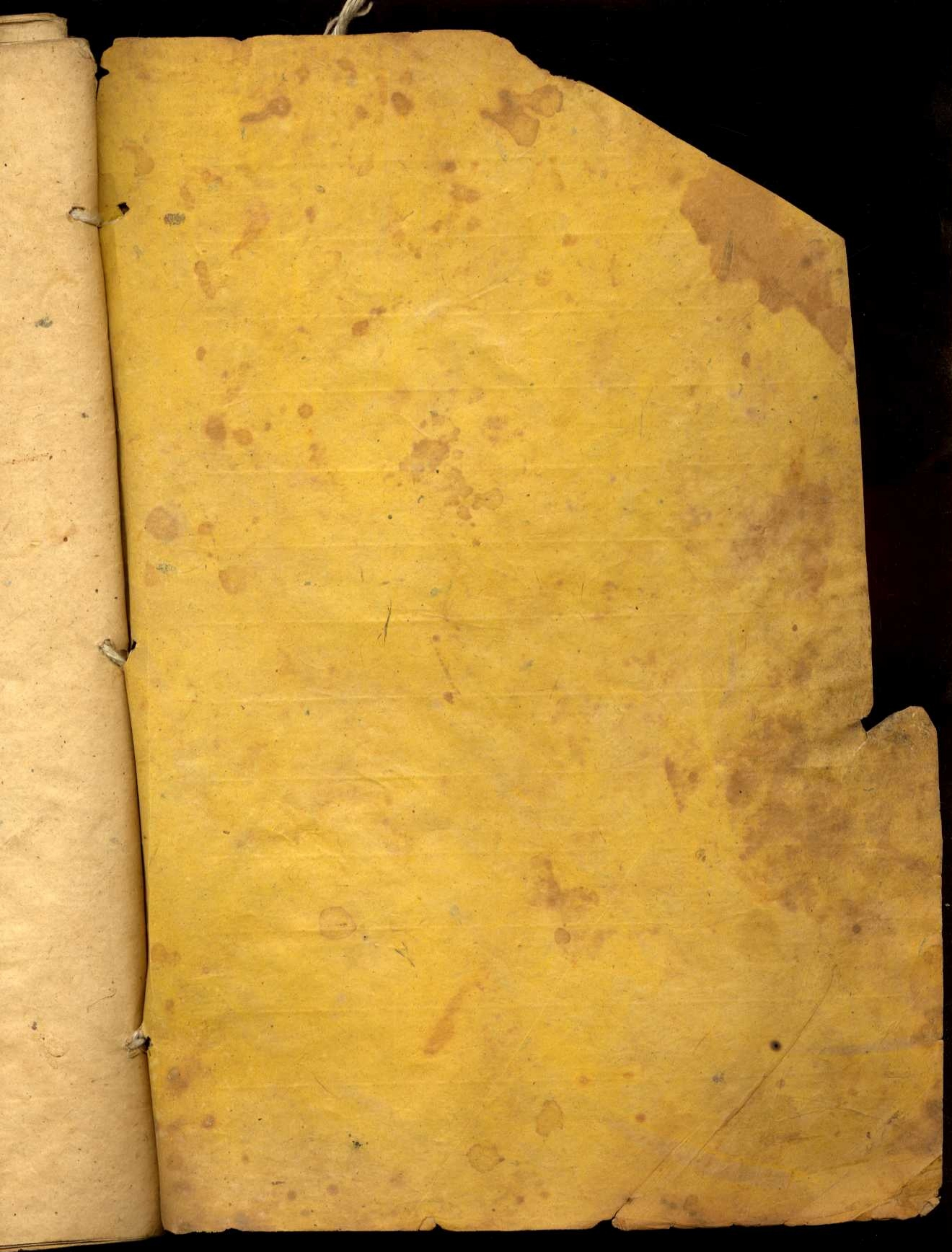














ASHA ARCHIVES

2794 I